ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ
DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सर्वेक्षण की अनदेखी करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई: सीएम @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 27 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-266

सोनम वांगचुक एनएसए के तहत गिरफ्तार

भड़काऊ बयानों के बाद लद्दाख में भड़की थी हिंसा

लेह, लद्दाख, 26 सितंबर (एजेंसियां)। लद्दाख में हाल ही में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया और सोनम वांगचुक को शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। लद्दाख पुलिस ने यह कार्रवाई हिंसा भड़काने और लोगों को उकसाने के गंभीर आरोपों के तहत की है, जिसके कारण बुधवार को लेह में व्यापक आगजनी और झड़पें हुईं, जिनमें चार लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार, वांगचुक को दो दिनों पहले हुई हिंसा में 70 से अधिक लोग घायल हुए, जिसमें सुरक्षा बल भी शामिल थे।

लेह पुलिस ने यह गिरफ्तारी डीजीपी एस.डी. सिंह जामवाल के नेतृत्व वाली टीम द्वारा दोपहर 2:30 बजे की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वांगचुक को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह एक निर्धारित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करने वाले थे। गिरफ्तारी के बाद उन्हें लद्दाख से बाहर ले जाया गया है, और उनकी लोकेशन अज्ञात बताई जा रही है। इसके साथ ही, लेह क्षेत्र में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को सावधानी के तौर पर निलंबित कर दिया गया है।

प्रशासन का कहना है कि वांगचुक पर लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल करने

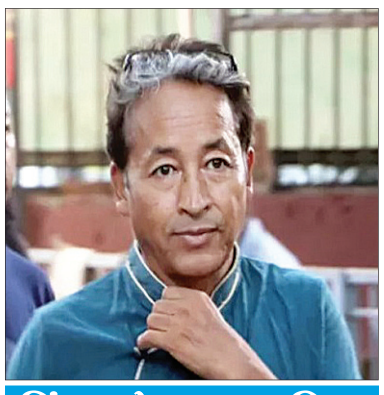

हिंसा के बाद पुलिस का कड़ा एक्शन

और पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर की गई अपनी भूख हड़ताल के दौरान भड़काऊ बयानों के माध्यम से लोगों को भड़काने का आरोप है। प्रशासन के अनुसार, इन बयानों ने प्रदर्शनकारियों को हिंसक कार्रवाई के लिए उकसाया, जिसमें अरब स्प्रिंग-शैली के प्रदर्शनों और नेपाल के जेन जेड आंदोलनों का जिक्र किया गया था। इसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचा और जान-माल का भारी नुकसान हुआ। गृह मंत्रालय ने भी वांगचुक के बयानों को हिंसा का कारण बताया है।

इस गिरफ्तारी के साथ ही, लद्दाख प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे शांति बनाए रखें और किसी भी प्रकार के दुष्प्रचार या भड़काऊ बातों से दूर रहें। लेह में कर्फ्यू लगा हुआ है।

वांगचुक की गिरफ्तारी को लेकर उनकी पत्नी और कई पार्टियों की प्रतिक्रिया सामने आई है। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने गुस्से में कहा कि मेरे पति के साथ बिना किसी कारण के अपराधी जैसा व्यवहार किया जा रहा है।

वहीं, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सोनम वांगचुक को अरेस्ट कर लिया गया है, ये दुर्भाग्यपूर्ण है। जिस तरह से केंद्र सरकार कल से उनके पीछे पड़ी है, उसे देखते हुए ऐसा लग रहा था कि ऐसा कुछ हो सकता है। उनसे भी वादे किए गए थे, जैसे हमसे किए गए थे। अब मुझे समझ नहीं आ रहा कि केंद्र सरकार अपने वादों से मुकर क्यों रही है।

उधर, आम आदमी पार्टी सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ आज शाम 7 बजे प्रदर्शन करेगी. प्रदर्शन जंतर मंतर पर होगा. इस प्रोटेस्ट में दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज मौजूद रहेंगे।

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि सोनम वांगचुक की गिरफ़्तारी बेहद परेशान करने वाली है। ▶10पर

अमेरिका में घुसकर शेर की तरह दहाड़े जयशंकर

संयुक्त राष्ट्र और बहुपक्षवाद पर उठाया सवाल

न्यूयॉर्क, 26 सितंबर (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान को कैसे मारा था, वो तो पूरी दुनिया ने देखा था। उसी के बाद पूरी दुनिया को यह एहसास हो गया कि भारत से भिड़ना बहुत मुश्किल है। अब भारत ने एक और बड़ा दांव चल दिया। न्यूयॉर्क की धरती से एक ऐसा बयान आया, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

दरअसल, भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में ऐसा भाषण दिया, जिसने न सिर्फ अमेरिका को आईना दिखाया, बल्कि दुनिया को यह समझाया कि असली लीडरशिप कैसे होती है। जयशंकर ने अपने भाषण में यूक्रेन युद्ध, गाजा संघर्ष, आर्थिक दबाव, ऊर्जा संकट और आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र की नाकामी पर जमकर निशाना साधा।

सबसे खास बात यह रही कि सारा कुछ जयशंकर ने अमेरिका की धरती पर खड़े होकर कहा – वह भी ऐसे वक्त जब अमेरिका इन सभी मुद्दों में सीधे या परोक्ष रूप से शामिल है। दरअसल, जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक न्यूयॉर्क में हो रही थी। दुनिया के ताकतवर देशों के प्रतिनिधि वहां मौजूद थे।

आज अंतरराष्ट्रीय हालात राजनीतिक और आर्थिक दोनों ही दृष्टि से अस्थिर हैं

यह बैठक ऐसे समय में हो रही थी जब यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध लगातार जारी है, गाजा में हिंसा ने पूरे मध्य पूर्व को हिलाकर रख दिया है, ऊर्जा और खाद्य आपूर्ति पर वैश्विक संकट मंडरा रहा है, और मंदी व वैश्विक संकट का खतरा दुनिया पर छाया हुआ है। ऐसे में सभी की नजरें विदेश मंत्री एस. जयशंकर पर थीं। भारत जी20 का एक बड़ा और निर्णायक सदस्य है। जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि जो देश किसी भी मोर्चे पर आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं, वे समग्र रूप से अंतरराष्ट्रीय समुदाय की बड़ी सेवा करते हैं। अंतरराष्ट्रीय शांति और वैश्विक विकास के बीच संबंधों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में दोनों में गिरावट आई है।

उन्होंने स्पष्ट किया, विकास के लिए एक निरंतर खतरा आतंकवाद है, जो शांति में बाधा डालने वाला है। यह जरूरी है कि दुनिया आतंकवादी गतिविधियों के प्रति न तो सहिष्णुता दिखाए और न ही उन्हें सहयोग दे।

जयशंकर ने कहा कि जैसे-जैसे दुनिया संघर्ष, आर्थिक दबाव और आतंकवाद का सामना कर रही है, बहुपक्षवाद और संयुक्त राष्ट्र की सीमाएं स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कहा, बहुपक्षवाद में सुधार की आवश्यकता पहले कभी इतनी अधिक नहीं थी।

उन्होंने आगे कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय हालात राजनीतिक और आर्थिक दोनों ही दृष्टि से अस्थिर हैं। जी20 के सदस्य के रूप में हमारी विशेष जिम्मेदारी है कि हम इसकी स्थिरता को मजबूत करें तथा इसे अधिक सकारात्मक दिशा प्रदान करें, जो कि वार्ता और कूटनीति के ▶10पर

दुबई से लाया गया भारत का दुश्मन

इंटरपोल चैनल्स से भगोड़ा परविंदर सिंह गिरफ्तार

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। सीबीआई ने आतंक और अपराध की दुनिया को बड़ा झटका देते हुए भगोड़े परविंदर सिंह उर्फ निर्मल सिंह उर्फ पिंडी को यूएई से धर दबोचा है। इंटरपोल चैनल्स के जरिए हुई इस हाई-प्रोफाइल कार्रवाई ने न सिर्फ अपराधियों की नींद उड़ा दी है बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारत अब किसी भगोड़े को छोड़ने वाला नहीं। इसके बाद भारत सरकार के विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय , एनसीबी-अबू धाबी और पंजाब पुलिस ने मिलकर उसका प्रत्यर्पण सुनिश्चित किया। 26 सितंबर 2025 को पंजाब पुलिस की विशेष टीम उसे भारत लेकर आई। रेड नोटिस इंटरपोल का सबसे घातक हथियार है, जो दुनिया भर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को अलर्ट करता है।

भारत में सीबीआई बतौर नेशनल सेंट्रल ब्यूरो काम करती है और भारतपोल के जरिए राज्यों को जोड़ती है। पिछले कुछ सालों में सीबीआई ने इंटरपोल चैनल्स से 130 से ज्यादा भगोड़ों की वापसी कराई है। परविंदर सिंह का भारत लौटना पंजाब में आतंकवाद फंडिंग और संगठित अपराध नेटवर्क पर तगड़ा प्रहार है।

बिहार की 75 लाख महिलाओं के सपनों को मिली उड़ान

पीएम मोदी-नीतीश ने शुरू की रोजगार क्रांति

पटना, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों द्वारा शुक्रवार को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ किया गया। 1 अणे मार्ग स्थित मसंकल्पफ में आयोजित कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जुड़े हुए थे। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत राज्य की 75 लाख महिला लाभुकों को 10 हजार प्रति लाभुक की दर से 7500 करोड़ की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज के महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। इस कार्यक्रम में मैं श्रद्धेय प्रधानमंत्री जी का स्वागत एवं अभिनंदन करता हूँ। साथ ही माननीय केंद्रीय मंत्रीगण, बिहार के उपमुख्यमंत्री तथा मंत्रीगण एवं इस कार्यक्रम में वीडियो

कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बड़ी संख्या में जुड़ीं सभी माताओं-बहनों का मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला रोजगार योजना के अंतर्गत 75 लाख से अधिक महिलाओं को 10-10 हजार रुपये की सहायता राशि भेजने का शुभारंभ आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कर कमलों के द्वारा किया गया। इस योजना का फायदा राज्य के सभी परिवारों की एक महिला को दिया जाना है। जिनका रोजगार अच्छा चलेगा उन्हें आगे 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत शेष महिलाओं को लाभ देने के लिए अभी से ही तिथियाँ निर्धारित कर दी गई हैं। अगली तिथि 3 अक्टूबर निर्धारित की गई है। आगे भी जो महिलाएं इस योजना से जुड़ेंगी उन्हें भी इसका लाभ दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सब जानते हैं कि पहले की सरकार ने कोई काम नहीं किया। पहले बहुत बुरा हाल था। जब 24 नवंबर, 2005 को एनडीए की सरकार बनी थी, तब से हमलोग बिहार के विकास में लगे हुए हैं और राज्य में कानून का राज है। सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है, चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, सभी काम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि शुरू से ही हमारी सरकार में महिला सशक्तीकरण पर जोर दिया जा रहा है। वर्ष 2006 में पंचायती राज संस्थाओं एवं वर्ष 2007 में नगर निकायों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण से इसकी शुरुआत की गई। वर्ष 2013 से पुलिस सेवा में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। वर्ष 2016 से महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले बिहार में स्वयं सहायता समूह की संख्या बहुत कम थी। वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर राज्य में स्वयं सहायता समूह का गठन किया जिसे मजीविकाफ नाम दिया। अब स्वयं सहायता समूह की संख्या लगभग 11 लाख हो गई है, जिसमें जीविका दीदियों की संख्या 1 करोड़ 40 लाख हो गई है। वर्ष 2024 से शहरी क्षेत्रों में भी स्वयं सहायता समूह का गठन हो रहा है जिनकी संख्या 37 हजार हो गई है, जिसमें लगभग 3 लाख 85 हजार जीविका दीदियां जुड़ चुकी हैं, ▶10पर

नितिन गडकरी ने भारत के पहले हाइड्रोजन हाईवे की शुरुआत की

देश में ग्रीन हाइड्रोजन की पहल को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को भारत के पहले हाइड्रोजन हाईवे की शुरुआत की, जिससे देश में ग्रीन हाइड्रोजन की पहल को मजबूती मिलेगी। यह लॉन्च एसएंडपी ग्लोबल कमोडिटी इनसाइट्स द्वारा आयोजित पहले वर्ल्ड हाइड्रोजन इंडिया समिट के दूसरे दिन किया गया। इस पहल से स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की महत्वाकांक्षाओं को नई गति मिलेगी। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कार्यक्रम में कहा, हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है। हमने अब दुनिया के पहले लार्ज-स्केल हाइड्रोजन ट्रक ट्रायल की शुरुआत की है। दस रूटों पर पांच कंसोर्टियम को ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई डायरेक्टर को दी बड़ी राहत

तिरुपति लड्डू घोटाले में हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तिरुपति लड्डू प्रसाद में मिलावटी घी के मामले में सीबीआई को बड़ी राहत देते हुए आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। हाई कोर्ट ने कहा था कि सीबीआई निदेशक ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन किया है।

आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट का कहना था कि सीबीआई डायरेक्टर ने जांच की जिम्मेदारी जे. वेंकट राव नाम के अधिकारी को सौंप दी, जो एसआईटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) के सदस्य नहीं थे। हाई कोर्ट ने इसे सुप्रीम कोर्ट के 2024 के आदेशों का उल्लंघन बताया था। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और जस्टिस बी.आर. गवई की बेंच ने सुनवाई में स्पष्ट किया कि डखढ के सदस्यों पर कोई शक नहीं है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा, अगर एसआईटी किसी विशेष अधिकारी को जांच के लिए नियुक्त करना चाहती है तो इसमें क्या गलत है? क्या कुछ काम किसी और अधिकारी को सौंपा नहीं जा सकता?

सुनवाई में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीबीआई की ओर से दलील दी कि हाई कोर्ट का निष्कर्ष गलत है। उन्होंने कहा कि जांच अधिकारी को एसआईटी का आधिकारिक सदस्य न मानना एक तकनीकी त्रुटि है और इससे जांच की सत्यता पर कोई असर नहीं पड़ता। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की अपील स्वीकार करते हुए हाई कोर्ट के आदेश पर तत्काल रोक लगा दी। साथ ही, सीबीआई को इस मामले पर विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने यह भी पूछा कि एसआईटी ने क्या ▶10पर

ट्रंप ने लगाए अलग-अलग आयातों पर नए टैरिफ

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की ओर से 1 अक्टूबर से ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं पर 100% तक टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद भारत ने इस पर तत्काल प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इसकी बारीकी से निगरानी शुरू कर दी गई है। जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि भारत इस मामले पर लगातार नजर रख रहा है। जायसवाल ने कहा कि सोशल मीडिया पर नई टैरिफ से जुड़े नोटिस मिलने के बाद भारत ने फार्मा और अन्य संबंधित उत्पादों पर रिपोर्ट देखी है। उन्होंने बताया कि संबंधित मंत्रालय और विभाग इस मामले

पर करीबी निगरानी रख रहे हैं और इसके संभावित प्रभाव का अध्ययन कर रहे हैं। यह

भारत इस मामले पर लगातार नजर रख रहा : विदेश मंत्रालय

प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के तुरंत बाद आई है, जो भारत के फार्मास्यूटिकल सेक्टर के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकती है।

भारत अमेरिका का जेनेरिक दवाओं का दुनिया का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और अमेरिका में खपत होने वाली एक-तिहाई से अधिक दवाओं का निर्यात करता है। ये दवाएं पेटेंट के अंतर्गत नहीं हैं और ब्रांडेड एडिशन की तुलना में सस्ती हैं। वित्त वर्ष 2025 में भारत के फार्मा निर्यात का मूल्य लगभग 10.5 अरब डॉलर रहा, जिसमें अमेरिका का हिस्सा 35% से अधिक है। ट्रंप का 100% टैरिफ ब्रांडेड दवाओं पर केंद्रित है, लेकिन इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि ट्रंप के आदेश में जेनेरिक दवाओं का शामिल न होना भारत के लिए जोखिम को खत्म नहीं करता। विशेषज्ञों के अनुसार, जटिल जेनेरिक्स और बायोसिमिलर्स पर भविष्य में टैरिफ का दायरा बढ़ सकता है, जो भारतीय कंपनियों जैसे सन फार्मा, सिप्ला और डॉ. रेड्डीज को ▶10पर

अमेरिकी टैरिफ पर नाटो चीफ के दावे को भारत ने ठुकराया

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत ने नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) के महासचिव मार्क रूट के उस बयान को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच यूक्रेन विवाद और अमेरिकी टैरिफ को लेकर बातचीत हुई है। नाटो महासचिव ने एक मीडिया साक्षात्कार में यह कहा था कि पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर बातचीत के दौरान अमेरिका की ओर से लगाए गए कथित 50% टैरिफ पर चिंता जाहिर की थी और रूस से आगे की रणनीति पर मशविरा किया था। इस पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने बयान जारी कर स्पष्ट किया कि यह दावा पूरी तरह गलत और निराधार है। उन्होंने कहा, ऐसी कोई बातचीत कभी हुई ही नहीं। नाटो जैसे महत्वपूर्ण संगठन से इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों की उम्मीद नहीं की जाती।

भारत ने साफ कहा कि मार्क रूट का यह बयान तथ्यात्मक रूप से गलत और गुमराह करने वाला है। प्रवक्ता जायसवाल ने दोहराया कि नाटो महासचिव के स्तर पर दिए जाने वाले ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,17,530/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,45,250/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम शनिवार

अधिकतम : 26°
न्यूनतम : 23°

परियोजनाओं की स्थिति का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा गुरुवार को बेंगलूरु मंडल में क्षेत्र की प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की स्थिति और प्रगति का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व विकास कुमार, रेल मंत्री के कार्यकारी निदेशक (लोक शिकायत), एस.एम. शर्मा, पीईडीएमई (कोचिंग), रेलवे बोर्ड और धनंजय सिंह रेल राज्य मंत्री के ईडीपीजी ने किया। अधिकारियों ने भूमि अधिग्रहण, परियोजना कार्यान्वयन समयसीमा

और सुरक्षा बढ़ाने और परिचालन दक्षता में सुधार के लिए एलसी गेटों को हटाने जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए, चल रहे और प्रस्तावित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। समीक्षा में बेंगलूरु के तनिसांद्रा में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन रखरखाव डिपो की प्रस्तावित योजना भी शामिल थी। इस डिपो से आगामी वंदे भारत (स्लीपर संस्करण) ट्रेनों की सेवा करने की उम्मीद है, जिससे बुनियादी ढांचे के रखरखाव में सुविधा होगी। रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने के-राइड द्वारा शुरू की जा रही परियोजनाओं के बारे में भी जानकारी ली। केएसआर बेंगलूरु स्टेशन पर भीड़भाड़ कम करने पर भी चर्चा की गई। बैठक में बेंगलूरु डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त रेल प्रबंधक परीक्षित मोहन पुरिया, प्रवीण कटारकी और डिवीजन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

डिजाइन योर लाइफ विषय पर शिविर का शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान एवं साध्वी श्री शशिप्रभा जी के सान्निध्य में शुक्रवार से डिजाइन योर लाइफ विषय पर जैन भवन में त्रि दिवसीय शिविर का प्रारंभ हुआ।

तेरह वर्ष से ऊपर की अविवाहित बच्चियों के लिए विशेष तौर पर आयोजित शिविर में संस्कार, ज्ञान और आपस की चर्चा मुख्य बिंदु रहेंगे। साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने शिविरार्थियों को समझाते हुए कहा कि शिविर समय के सदुपयोग के लिए आयोजित होता है। उन्होंने बच्चियों की समस्याओं को सुना और समाधान का रास्ता बताया।

वृद्धिप्रभा जी ने बढ़ती नशाखोरी के दुष्परिणाम बताए और नशे के आकर्षण से बचने की प्रेरणा और उपाय भी बताए। साध्वी श्री ऋद्धिप्रभा जी ने जैन आगम और थोकडो का ज्ञान दिया। सुबह से शाम तक के शिविर में विनय पूर्ण भाषा सिखाई गई और गीत सिखाए गए। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया, नेमीचंद चोरड़िया, संपत कुमार शर्मा ने शिविर का अवलोकन किया। दीपा बोहरा, सपना लोढ़ा, समता छाजेड़, राजेश्वरी तातेड, मधु मकाना और प्रियंका कोठारी ने अध्यापन सेवा दी।

जिसके जीवन में धर्म नहीं उसका जीवन बेकार: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि संसार में सब कुछ है पर धर्म नहीं है तो कुछ नहीं है। धर्म सार तत्व है। धर्म से ही जीवन का कल्याण होना है। संसार की बातों से हट कर मनुष्य को धर्म के बारे में जान लेना चाहिए। मनुष्य के पास धन दौलत, नौकर चाकर सब कुछ हैं। लेकिन यह सभी संसार तक ही सीमित है। इनके चक्कर में फंस कर अगर धर्म के बारे में नहीं जाना तो जीवन नर्कों के मार्ग पर चला जाएगा। जब तक जीवन में धर्म नहीं आएगा तब तक सब बेकार है। मनुष्य कितना भी धंधा कर ले, कितना भी मौज मस्ती कर ले। लेकिन धर्म के बिना सब बेकार है। मनुष्य घर से कहीं जाता है तो खाने पीने की व्यवस्था कर के जाता है। लेकिन धर्म के लिए कुछ नहीं कर रहा है। राजा हो या रंक सभी का कल्याण धर्म से ही होना है। संसार में जितना चाहो भटक लो, लेकिन भव का

कल्याण बिना धर्म के नहीं होगा। धर्म कार्य संसार के साथ भी रहता है और संसार के बाद भी रहता है।

मनुष्य के जाने के बाद धन दौलत काम नहीं देता है। बल्कि धर्म ही काम आता है। जो सुख धर्म ध्यान में है वह धन में नहीं है। धन संसार तक ही सीमित रहेगा। लेकिन धर्म भवों भवों तक साथ रहेगा। जो सुख प्रभु भजन में है वह अमीरी में नहीं है। फकीरी में सुख है अमीरी में सुख नहीं है। जो जितना धनी होता है उसके पास समस्या भी उतना ही होता है। लेकिन फकीर मनुष्य मस्त रहता है। धर्म करने वाला मानव गरीबी में भी मस्त होता है। इसलिए कहते हैं पैसा हो न हो लेकिन धर्म कार्य होना ही चाहिए। साधु संतों की शिक्षा जीवन का उद्धार कर देती है। ज्ञानियों और भगवान के वचन भले थोड़े हैं। लेकिन ये कीमती होते हैं। वचनों के माध्यम से मनुष्य को धर्म के बारे में समझना चाहिए। धर्म समझ लिया तो जीवन का कल्याण हो जाएगा। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि अब से दीपावली तक रविवार सहित सभी दिन प्रवचन सुबह 9 से 10 बजे तक का रहेगा। रविवार को श्रमण संघीय महामंत्री सौभाग्य मुनि जी कुमुद की पुण्यतिथि मनाई जाएगी। शुक्रवार से रविवार तक संघ की ओर से एक्यूप्रेशर शिविर का आयोजन शुरू किया गया है।

प्रतिदिन की जा रही प्रार्थना का देवताओं पर होने लगता है असर: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में रोजाना मंदिर जाने पर बहुत जोर दिया जाता है। ये सिर्फ अनुशासन और धर्म से नहीं जुड़ा है, बल्कि मंदिर वो स्थान है जो आध्यात्मिक उर्जा, सकारात्मकता और आत्मशुद्धि का केंद्र माना गया है। यहाँ रोजाना जाना व्यक्ति के अन्दर कई मानसिक और आध्यात्मिक बदलाव लेकर आता है। मंदिर जाकर मन में विश्वास और आत्मबल का संचार होता है, जिसके कारण मन में किसी भी प्रकार का दुख या शोक नहीं रहता है। व्यक्ति सभी परिस्थिति में समभाव से रहता है। समभाव अर्थात न तो भावना में बहता है और न ही कठोर होता है। हर परिस्थिति उसके लिए सामान्य होती है। मंदिर में घंटी की टंकार करीब 7 सेकंड तक गूंजती है जो

मन मस्तिष्क से विषाद हटाकर शांति प्रदान करती है। साथ ही ध्वनि से भी बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। मंदिर में कई तरह के सुगंधित फूल अर्पित किए जाते हैं जिनकी सुगंध से मन प्रफुल्लित होकर अवसाद से मुक्त हो जाता है। फूलों के विभिन्न रंग से अंतरमन को शांति मिलती है। अगरबत्ती धूप मंदिर में कपूर और धूपबत्ती की सुगंध से मन और मस्तिष्क से नकारात्मक विचार हट जाते हैं। मंदिर में भगवान की प्रदक्षिणा से धरती के गुरुत्वकार्षण की शक्ति से जुड़कर हमारे शरीर का तनाव निकल जाता है। इसी के साथ ही में गुंबद और उसके कलश से प्रवाहित हो रही ऊर्जा हमारे शरीर को प्रभावित कर सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती है।

मंदिर भूमि को सकारात्मक उर्जा का क्षेत्र माना जाता है। यह ऊर्जा भक्तों में पैर के जरिए ही प्रवेश कर सकती है। इसलिए हम मंदिर के अंदर नंगे पांव जाते हैं। शिखर की भीतरी सतह से टकराकर ऊर्जा तरंगें व ध्वनि तरंगें व्यक्ति के ऊपर पड़ती हैं। ये परावर्तित किरण तरंगें मानव शरीर आवृत्ति बनाए रखने में सहायक होती हैं। व्यक्ति का शरीर इस तरह से धीरे-धीरे मंदिर के भीतरी वातावरण से सामंजस्य स्थापित कर लेता है। इस तरह मनुष्य असीम सुख का अनुभव करता है। पुराने मंदिर सभी धरती के धनात्मक (पॉजीटिव) ऊर्जा के केंद्र हैं। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि मंदिर में व्यक्ति हाथ जोड़कर खड़ा रहता है। हाथ जोड़ने से जहां हमारे फेंफड़ों और हृदय को लाभ मिलता है, वहीं इससे प्रतिरोधक क्षमता का विकास भी होता है। कहते हैं कि हथेलियों और अंगुलियों के उन बिंदुओं पर दबाव पड़ा है जो शरीर के कई अन्य अंगों से जुड़े हैं। इससे उन अंगों में ऊर्जा का संचार होता है। प्रतिदिन मंदिर जाकर व्यक्ति अपने मस्तक पर या दोनों भौहों के बीच चंदन या केसर का तिलक लगाते है। इस तिलक को लगाने से जहां शांति का अनुभव होता है वहीं इससे एकाग्रता बढ़ती है। दरअसल जहां तिलक लगाया जाता है उसके ठीक पीछे आत्मा का निवास होता है। आज्ञाचक्र और सहस्रार चक्र के बीच के बिंदू पर आत्मा निवास करती है आध्यात्मिक लाभ भी हैं। प्रार्थना में शक्ति होती है। प्रार्थना करने वाला व्यक्ति मंदिर के ईथर माध्यम से जुड़कर अपनी बात ईश्वर या देव शक्ति तक पहुंचा सकता है। प्रतिदिन की जा रही प्रार्थना का देवताओं पर असर होने लगता है। मानसिक या वाचिक प्रार्थना की ध्वनि आकाश में चली जाती है। प्रार्थना के साथ यदि आपका मन सच्चा और निर्दोष है तो जल्द ही सुनवाई होगी। प्रार्थना करने से मन में विश्वास और सकारात्मक भाव जाग्रत होते हैं, जो जीवन के विकास और सफलता के लिए अत्यंत जरूरी हैं। पूजा एक रासायनिक क्रिया है। इससे मंदिर के भीतर वातावरण की पीएच वैल्यू (तरल पदार्थ नापने की इकाई) कम हो जाती है जिससे व्यक्ति की पीएच वैल्यू पर असर पड़ता है। यह आयनिक क्रिया है, जो शारीरिक रसायन को बदल देती है। यह क्रिया बीमारियों को ठीक करने में सहायक होती है। दवाइयों से भी यही क्रिया कराई जाती है, जो मंदिर जाने से होती है।

कर्नाटक में 10 महीनों में नाबालिगों के गर्भधारण के 26,000 से अधिक मामले सामने आए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में पिछले 10 महीनों में कम उम्र में गर्भधारण के 26,463 मामले सामने आए हैं, यह खुलासा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य डॉ. थिप्पेस्वामी ने किया। वे पुत्तूर तालुक पंचायत में आयोजित पुत्तूर और कडाबा के लिए तालुक-स्तरीय बाल संरक्षण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। विभिन्न विभागों से प्राप्त जानकारी की समीक्षा करते हुए, उन्होंने इस चिंताजनक आंकड़े का खुलासा किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस, शिक्षा और स्वास्थ्य विभागों को मिलकर बच्चों में जागरूकता फैलानी चाहिए और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नियमित जाँच के माध्यम से स्वास्थ्य परिवर्तनों की निगरानी करनी चाहिए।

डॉ. थिप्पेस्वामी ने जमीनी स्तर के अधिकारियों को बच्चों से बातचीत करने, उनकी चिंताओं

को सुनने और पहल को गंभीरता से लेने की सलाह दी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि यदि स्कूल परिसर में कोई बिजली का खंभा खतरनाक स्थिति में पाया जाता है, तो अधिकारी उसे हटाने के लिए तुरंत मेस्कॉम को सूचित करें, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि एक महीने के भीतर सभी सरकारी कार्यालय भवनों में चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर प्रदर्शित करने वाले बोर्ड लगाए जाएँ। बाल विवाह और बाल अधिकारों के उल्लंघन जैसे मुद्दों पर जागरूकता बोर्ड भी सार्वजनिक स्थानों पर लगाए जाने चाहिए। स्कूली बच्चों के लिए सरकार द्वारा शुरू किए गए 'ओपन हाउस' कार्यक्रम के कम प्रदर्शन पर चिंता जताते हुए, डॉ. थिप्पेस्वामी ने कहा कि हर महीने कम से कम चार स्कूलों के छात्रों को पुलिस थानों का दौरा करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी ग्राम पंचायतों में बाल संरक्षण समितियाँ सक्रिय रहें और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्कूल भवनों, खतरनाक पेड़ों और बिजली लाइनों का निरीक्षण मानसून से पहले पूरा कर लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग स्कूल बसों की निगरानी और निजी स्कूलों में बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी रखता है।

बैठक के दौरान, बीसीएम और समाज कल्याण छात्रावासों में कर्मचारियों की कमी का मुद्दा सामने आया। डॉ. थिप्पेस्वामी ने इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त की और इससे होने वाली असुविधा की ओर इशारा किया। उन्होंने तहसी-लदार को बैठक में अनुपस्थित रहने वाले विभागीय अधिकारियों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।

पर्याप्त जानकारी उपलब्ध कराने में विफल रहने वाले अधिकारियों को बाल अधिकार संरक्षण के लिए पिछले वर्ष लागू किए गए कार्यक्रमों पर 15 दिनों के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। पुत्तूर के तहसी-लदार नागराज, कडाबा के तह-सीलदार प्रभाकर और तालुक पंचायत के कार्यकारी अधिकारी नवीन कुमार भंडारी उपस्थित थे। सुल्लिया तालुक-स्तरीय बाल संरक्षण समिति की बैठक में, डॉ. थिप्पेस्वामी ने तालुक के 11 छात्रावासों में वार्डन के बिना काम करने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को विभागीय सचिव को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलदार को यह भी निर्देश दिया कि वे पिछले तीन महीनों से समाज कल्याण छात्रावासों में साबुन किट की आपूर्ति न होने के मुद्दे को विधायकों के ध्यान में लाएँ और उचित सुविधाएँ सुनिश्चित करें। इसके अलावा, उन्होंने निर्देश दिया कि 'संभ्रम शनिवार' गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और दिव्यांगजनों के लिए निर्धारित 5 प्रतिशत अनुदान का उचित उपयोग किया जाए।

रंगारंग 'निओन रात्रि डांडिया' का आयोजन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

नवरात्रि के पावन अवसर पर शहरवासियों के लिए कुसुगल रोड स्थित श्रीनिवास गार्डन में मीलन बाय अर्पित मुथा टीम द्वारा एक शानदार और रंगारंग 'निओन रात्रि डांडिया' का आयोजन किया गया। इस आयोजन में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने बड़े उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। निओन थीम के इस विशेष डांडिया कार्यक्रम ने सभी प्रतिभागियों के लिए एक यादगार अनुभव प्रदान किया। आयोजन टीम में अर्पित मुथा, किशन सुनील कटारिया, ध्रुव मुथा, कनिश जैन, यश कोठारी सहित

टीम के सभी सदस्यों ने पूरे आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान, नृत्य प्रदर्शन के आधार पर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे प्रतिभागियों का उत्साह और भी बढ़ गया। इस आयोजन ने नवरात्रि के रंग में डूबे हुब्बल्ली शहर को एक नया और ऊर्जावान आयाम प्रदान किया।

कर्नाटक में सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण के समय पर उठाए जा रहे सवाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चूँकि दशहरा की छुट्टियों के कारण स्कूल और कॉलेज बंद हैं और कई परिवार अपने-अपने घरों को चले गए हैं, कई सरकारी कर्मचारियों ने कर्नाटक, खासकर बेंगलूरु शहर में, विशाल सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण के समय और निर्धारित दिनों की संख्या पर सवाल उठाए हैं। यह सर्वेक्षण 22 सितंबर से शुरू हुआ है और 7 अक्टूबर तक चलेगा। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और कर्नाटक राज्य सरकारी कर्मचारी संघ ने बताया कि कई परिवार पहले ही बेंगलूरु छोड़ चुके हैं और इस सप्ताहांत तक और भी लोग जाने वाले हैं। कई स्कूलों और कॉलेजों ने मध्यावधि परीक्षाओं और कॉलेजों में सेमेस्टर पूरा होने के बाद छुट्टियों की घोषणा कर दी है।

बेंगलूरु में, एक अपार्टमेंट एसोसिएशन के पदाधिकारी ने कहा कि 27 सितंबर (शनिवार), 28 सितंबर (रविवार) और 1 अक्टूबर (आयुध पूजा) और 2 अक्टूबर (गांधी जयंती/विजयदशमी) की छुट्टियों के कारण कई निवासी अपने-अपने घरों को चले गए हैं। कई सरकारी और निजी क्षेत्र के कर्मचारी लगभग एक सप्ताह की छुट्टी के लिए 29 और 30 सितंबर को छुट्टी पर हैं। सरकारी कर्मचारियों ने कहा कि वे सर्वेक्षण के खिलाफ नहीं हैं और वे इसे करने के लिए तैयार हैं। लेकिन सर्वेक्षण के लिए तारीखों और अपनाई गई सॉफ्टवेयर प्रणाली की जल्दबाजी में घोषणा समस्या पैदा करने वाली है। केएसजीईए अध्यक्ष सी.एस. शदाक्षरी ने कहा सर्वेक्षण बहुत जटिल है और सर्वेक्षण प्रणाली में कई बाधाएँ हैं। सर्वर बहुत धीमा है, और ऑनलाइन सर्वेक्षण में ओटीपी प्राप्त करने में देरी ने गणनाकर्ताओं का काम मुश्किल बना दिया है। उदाहरण के लिए, 10 सदस्यों वाले एक घर का सर्वेक्षण करने में लगभग आधा दिन लग रहा है। गणनाकर्ताओं को कागज और डिजिटल दोनों तरह से 60 प्रश्नों के उत्तर भरने होते हैं। इसके अलावा, शिक्षकों को दूर-दराज के इलाकों में तैनात किया गया है और उनके आवास और घरों का सर्वेक्षण एक बहुत बड़ा काम बन गया है। शदाक्षरी, जिन्होंने गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की और उन्हें समस्याओं से अवगत कराया, ने कहा कि इस काम में दो हफ्ते नहीं, बल्कि दो महीने लगेंगे। उन्होंने कहा कि अगर सर्वेक्षण बिना उचित तैयारी के किया गया तो सरकार की छवि को धक्का लगेगा।

सर्वेक्षण की अनदेखी करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने चेतावनी दी है कि सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण में भाग न लेने वालों और आँकड़े जुटाने में ला-परवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक करते हुए उन्होंने यह चेतावनी दी।

कांताराजू के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा पूर्व में किए गए सर्वेक्षण में पूरी जानकारी एकत्र नहीं की गई थी। आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों का ठीक से पालन नहीं किया गया।

इससे कई समस्याएँ उत्पन्न हुईं। अंततः रिपोर्ट स्वीकार या जारी नहीं की जा सकी, जिससे एक असमंजस की स्थिति पैदा हो गई। वर्तमान सर्वेक्षण उचित और कानूनी तरीके से किया जाना चाहिए। हर चरण में, सर्वेक्षणकर्ताओं को आँकड़े जुटाने वाले दस्तावेजों पर हस्ताक्षर और प्रमाणीकरण करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ऐसी स्थिति न बने जहाँ कुछ अनधिकृत और निराधार हो। कुछ अधिकारी सर्वेक्षण में भाग लेने से हिचकिचा रहे हैं। उन्हें ऐसे लोगों की सूची प्राप्त करने, उचित जाँच करने, फिर उन्हें छूट देने और वैकल्पिक सर्वेक्षणकर्ता नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। सर्वेक्षण को शुरुआती चरण में ही भारी झटका लगा है और अगर इसी गति से जनगणना की जाती रही तो यह कम से कम एक महीने में पूरा नहीं हो पाएगा। औसतन प्रतिदिन 10 लाख घरों का सर्वेक्षण होना चाहिए था। लेकिन मुख्यमंत्री ने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया है कि 5 लाख घरों का भी सर्वेक्षण नहीं हुआ है। अधिकारी तकनीकी समस्याओं का बहाना बना रहे हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। सर्वेक्षण दो महीने पहले होना था। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को बिना किसी पूर्व तैयारी के समय बर्बाद करने के लिए फटकार लगाई है। सर्वेक्षण को विफल बनाने के लिए सुनियोजित रूप से गलत सूचना फैलाई जा रही है।

इसे अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि सर्वेक्षणकर्ताओं को अपनी जिम्मेदारी उठानी चाहिए। यदि तकनीकी कठिनाइयों सहित कोई भी बाधा आती है, तो वरिष्ठ अधिकारी तुरंत प्रतिक्रिया दें और उसका समाधान करें। चेतावनी दी गई है कि किसी भी स्तर पर कोई भी चूक होने पर भी दोषियों के खिलाफ बिना किसी हिचकिचाहट के कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों को यह ध्यान रखना चाहिए कि यह ऐतिहासिक महत्व का सर्वेक्षण है। उन्होंने सलाह दी है कि वे हर अवसर पर पूरी लगन और ईमानदारी से इसमें संलग्न रहें, मानो वे अपना होमवर्क कर रहे हों।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में राजस्व, पिछड़ा वर्ग कल्याण, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता, नगर प्रशासन, शहरी विकास, जीबीए और कई अन्य विभागों के प्रमुख सचिव, सचिव, आयुक्त, जिला कलेक्टर, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, मंत्री एच.के. पाटिल, शिवराज, कृष्ण बायरे गौड़ा, रहीम खान, भैरती बसवराज, मधु बंगारप्पा, बोसराजू, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष मधुसूदन नायक, सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नासिर अहद, कानूनी सलाहकार पोन्नन्ना, आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी, अतिरिक्त मुख्य सचिव अंजुम परवेज और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

तुमकुरु दशहरा में छात्र मैसूरु की तरह मशाल परेड करेंगे: गृह मंत्री परमेश्वर

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला प्रभारी मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि 28 सितंबर को मैसूरु की तर्ज पर 240 छात्रों द्वारा मशाल परेड का आयोजन किया जाएगा।

शहर के महात्मा गांधी स्टेडियम में मशाल परेड में भाग लेने वाले छात्रों को ट्रैकसूट और चश्मे वितरित करने के बाद उन्होंने कहा कि मशाल परेड का आयोजन शहर के महात्मा गांधी स्टेडियम में किया गया है। तुमकुरु दशहरा उत्सव ने पहले ही राज्य का ध्यान आकर्षित किया है, और छात्रों द्वारा मशाल परेड इस उत्सव में और भी उत्साह भर देगी। उन्होंने कहा कि जिला छात्रों द्वारा मशाल परेड का आयोजन करके एक और इतिहास रचेगा, और यह प्रदर्शन छात्रों के जीवन में भी एक यादगार पल होगा।

मैसूरु दशहरा उत्सव में पुलिस बल अनुशासन के साथ मशाल परेड में भाग लेगा।

इसी प्रकार, हमारे जिले में भी परेड में अनुशासन के साथ भाग लेने के लिए छात्रों को इसी प्रकार के ट्रैकसूट वितरित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि परेड में भाग लेने वाले छात्रों को मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। दशहरा उत्सव के अवसर पर, इस महीने की 27 और 28 तारीख को महात्मा गांधी स्टेडियम में राष्ट्रीय स्तर की राइफल शूटिंग प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी, जिसमें दक्षिण कन्नड़ के लगभग 500 एथलीट और भारतीय सैनिकों की शूटिंग टीम भी इस खेल आयोजन में भाग ले रही है। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि टेनिस, जिम्नास्टिक, कबड्डी, वॉलीबॉल, शतरंज, मैराथन और खो-खो सहित कुल 9 खेलों का आयोजन किया गया है। इससे पहले, गृह मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने शासकीय प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज प्रांगण के धार्मिक भवन में राजराजेश्वरी अलंकरण से सुसज्जित श्री चामुंडेश्वरी की पूजा-अर्चना की। नवरात्रि के अवसर पर आयोजित श्री कनकदुर्गा होम में शामिल मंत्री ने पूर्णाहुति सहित पूजा अनुष्ठान संपन्न किए।

इस अवसर पर जिला आयुक्त शुभ कल्याण, जिला पुलिस अधीक्षक के.वी. अशोक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी. प्रभु, उप-विभागीय अधिकारी नाहिदा, जिला सशस्त्र रिजर्व पुलिस उप-अधीक्षक परमेश्वर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस सप्ताह में 2 दिन बेंगलूरु में करेगी विशेष गश्त: पुलिस आयुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने कहा कि शहर में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कदम उठाए गए हैं और सप्ताह में दो बार विशेष अभियान चलाए जाएँगे। वे मल्लेश्वरम के 18वें क्रॉस रोड स्थित मैदान में उत्तर संभाग पुलिस द्वारा आयोजित रानी चेन्नम्मा महिला जागरूकता कार्यक्रम से पहले पत्रकारों से बात कर रहे थे। जनता का मनोबल बढ़ाने के लिए पुलिस शहर भर में नाके लगा रही है और नशीले पदार्थ बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि एक हजार से ज्यादा अपंजीकृत दोपहिया वाहन बरामद किए गए हैं। जन-हितैषी तरीके से पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कदम उठाए गए हैं। शहर में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए गश्त बढ़ाई गई है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में थाने के सभी पुलिसकर्मी हिस्सा ले रहे हैं। आयुक्त ने अपराध शाखा पुलिस को शहर में और अधिक नाकाबंदी, गश्त और क्षेत्र नियंत्रण करने के निर्देश दिए हैं और उन्हें रात्रि गश्त के अलावा अतिरिक्त गश्त करने की सलाह दी है। आयुक्त ने प्रत्येक मंगलवार और गुरुवार को थाना क्षेत्र में एक क्षेत्र का निरीक्षण करने, रात 9 बजे से 11 बजे के बीच निरीक्षण करने और निरीक्षण के दौरान महिलाओं और बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार करने के निर्देश दिए हैं।

इसी प्रकार, उन्होंने प्रत्येक शुक्रवार और शनिवार को सबसे सुविधाजनक और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में पैदल गश्त करने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि निरीक्षक, सहायक पुलिस आयुक्त और पुलिस उपायुक्त इन सभी गतिविधियों में भाग लें और जब भी ऐसा हो, नियंत्रण कक्ष को सूचित करें। कार्यक्रम में संयुक्त पुलिस आयुक्त कृष्णा और पुलिस उपायुक्त नेमेगौड़ा उपस्थित थे।

पूरे सरकारी सम्मान के साथ प्रसिद्ध लेखक भैरप्पा का हुआ अंतिम संस्कार

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रसिद्ध लेखक और सरस्वती सम्मान से सम्मानित डॉ. एस.एल. भैरप्पा, जिन्होंने छह दशकों से भी अधिक समय तक न केवल कर्नाटक में बल्कि देश-विदेश में भी पाठकों को सुई की तरह आकर्षित किया और कन्नड़ भाषा को गौरवान्वित किया, का पार्थिव शरीर शुक्रवार को पंचतत्व में विलीन हो गया। एस.एल. भैरप्पा का अंतिम संस्कार मैसूरु में चामुंडेश्वरी पहाड़ियों की तलहटी में स्थित हिंदू रुद्रभूमि में ब्राह्मण परंपरा के अनुसार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। पुलिस ने दिवंगत के सम्मान में कुशल बंदूकों से तीन राउंड फायरिंग की और उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दी। भैरप्पा के पुत्र एस.बी. रविशंकर और एस.बी. उदय शंकर ने अंतिम संस्कार किया।

भैरप्पा के परिवार, रिश्तेदार और मित्र अंतिम संस्कार के दौरान उपस्थित रहे और उन्हें श्रद्धांजलि दी। मैसूरु जिला प्रभारी मंत्री डॉ. एच.सी. महादेवप्पा ने भैरप्पा के पुत्रों को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा। कहा

जाता है कि भैरप्पा ने अपनी वसीयत में लिखा था कि उनका अंतिम संस्कार सहाना विजय कुमार द्वारा किया जाए, जिन्हें उन्होंने अपनी साहित्यिक और दत्तक पुत्री माना था। अक्षरा मंदरा, जो कई दशकों तक सारस्वत जगत में एक टिमटिमाते सितारे की तरह चमकती रहीं और पाठकों को हमेशा उत्कृष्ट रचनाएँ प्रदान करती रहीं, अब अगम लोक में विलीन हो गईं। अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में उनके प्रशंसक, लेखक, पाठक, विचारक, जिला प्रशासन और अन्य लोग उपस्थित थे, जिन्होंने भारी मन से उन्हें अंतिम विदाई दी। इससे पहले सुबह, मैसूरु के कुवेम्पु नगर स्थित भैरप्पा के आवास पर अंतिम दर्शन की व्यवस्था की गई थी।

केंद्र सरकार की ओर से मंत्री प्रह्लाद जोशी, सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वॉडियार, मंत्री डॉ. एच.सी. महादेवप्पा, वेंकटेश, पूर्व सांसद प्रतापसिंह, विधायक श्रीवत्स, जी.टी. देवेगौड़ा और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक और जिला प्रशासन के अन्य उच्च अधिकारी अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

दशहरा के लिए अतिरिक्त बस सेवाएं शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु दशहरा के अवसर पर यात्रियों को परिवहन सुविधा प्रदान करने के लिए, बेंगलूरु सेंट्रल डिवीजन द्वारा 280 अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की गई है। मैसूरु सैटेलाइट बस स्टैंड पर दशहरा विशेष अभियान के तहत वाहनों की पूजा अर्चना कर दशहरा विशेष बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मैसूरु रोड बस स्टैंड पर अगले 10 दिनों तक दशहरा शिविर रहेगा और बेंगलूरु सेंट्रल डिवीजन, रामनगर, चिक्कबल्लापुर और कोलार डिवीजनों से कुल 280 अतिरिक्त वाहन संचालित किए जाएँगे। इस अवसर पर, मुख्य यातायात प्रबंधक (संचालन), मुख्य सुरक्षा एवं सतर्कता अधिकारी, मुख्य यातायात प्रबंधक (वाणिज्यिक), वरिष्ठ मंडल नियंत्रक केम्पेगौड़ा बस स्टैंड, मंडल नियंत्रक बेंगलूरु सेंट्रल डिवीजन और अधिकारी एवं कर्मचारी पूजा कार्यक्रम में उपस्थित थे। चालकों, परिचालकों और यात्रियों को मिठाइयाँ वितरित की गईं।

कर्नाटक बारिश: सांसद कलबुर्गी में बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को 2,500 खाद्य किट वितरित करेंगे

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। कलबुर्गी से लोकसभा सांसद राधाकृष्ण डोड्डामणि ने घोषणा की है कि उत्तरी कर्नाटक के जिले में भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित लोगों को लगभग 2,500 खाद्य सामग्री किट वितरित की जाएँगी। ये किट जिला प्रशासन के माध्यम से लाभार्थियों को सौंपी जाएँगी। डोड्डामणि ने कहा कि पिछले सप्ताह हुई लगातार बारिश के कारण भीमा और बेनेथोरा नदियाँ उफान पर हैं, जिससे निचले इलाकों में रहने वाले सैकड़ों ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है। सरकारी स्कूलों, सामुदायिक भवनों और मंदिरों को आश्रय प्रदान करने के लिए देखभाल केंद्रों में बदल दिया गया है, जबकि महिलाओं,

बच्चों और बुजुर्गों को आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। बाढ़ प्रभावित गाँवों में राहत शिविरों के प्रबंधन और सुरक्षा उपायों की निगरानी के लिए अधिकारियों की टीमें तैनात की गई हैं। सांसद ने कहा कि कर्नाटक सरकार और जिला प्रशासन दोनों ही तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बारिश से हुए फसल और घरों के नुकसान का सर्वेक्षण करने के निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। डोड्डामणि ने आश्वासन दिया कि बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुई राष्ट्रीय राजमार्गों सहित सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचे की बहाली के लिए केंद्रीय और राज्य निधियों को सुरक्षित करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएंगे।

तीन आईएएस अधिकारियों का तबादला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार ने तीन आईएएस अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए हैं। डॉ. मंजुला एन. को आईटीबीटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

डॉ. एकरूप कौर के केंद्रीय सेवा में स्थानांतरण के कारण आईटीबीटी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव का पद रिक्त हो गया था। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने मंजुला को अवसंरचना विकास विभाग के सचिव पद का समवर्ती प्रभार भी सौंपा है। पूविता एस. को कर्नाटक शहरी अवसंरचना विकास एवं वित्त निगम की प्रबंध निदेशक के पद पर स्थानांतरित किया गया है। यह पद शरत बी. के स्थानांतरण के कारण रिक्त हुआ था। अवसंरचना विकास, बंदरगाह, अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग के संयुक्त सचिव गोविंदा रेड्डी को गन्ना विकास एवं चीनी निदेशालय के आयुक्त पद का समवर्ती प्रभार दिया गया है। यह पद रविकुमार एम.आर. द्वारा भरा गया था। उनके स्थानांतरण के कारण यह पद रिक्त हो गया था।

उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार होगा सर्वेक्षण: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री शिवराज ने कहा कि वह सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण के दौरान उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करेंगे। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा हम न्यायालय का सम्मान करते हैं। हम उसके आदेशों का अनिवार्य रूप से पालन करेंगे। न्यायालय ने आदेश दिया है कि किसी को भी सर्वेक्षण में भाग लेने और जानकारी देने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

हम शुरू से ही यह कहते आ रहे हैं। जो लोग इच्छुक हैं वे जानकारी दे सकते हैं, अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो हम उन पर दबाव नहीं डालेंगे। उन्होंने कहा कि हम किसी पर भी ऐसा लिखने का दबाव नहीं डालेंगे। सर्वेक्षण में सभी शिक्षक भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि कैबिनेट बैठक में भाग न लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई पर चर्चा हुई।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

धर्मस्थल मामले पर गृह मंत्री परमेश्वर-प्रणब मोहंती ने की चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धर्मस्थल मामलों की जाँच कर रहे एसआईटी प्रमुख प्रणब मोहंती ने शुक्रवार को गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर से मुलाकात की और एक महत्वपूर्ण चर्चा की। सुप्रीम कोर्ट ने 5 मई को ही चिन्नैय्या और उनके सहयोगियों द्वारा दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया था और उनकी कड़ी आलोचना की थी। इसके बाद, चिन्नैय्या एक खोपड़ी लेकर जज के सामने पेश हुए और अपना सहज बयान दर्ज कराया, जो मीडिया में भी एक बड़ी खबर बनी। बाद में, कर्नाटक राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष नागलक्ष्मी चौधरी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर सैकड़ों महिलाओं के साथ बलात्कार और दफनाने के मामलों की जाँच के लिए एक एसआईटी के गठन का अनुरोध किया। इसके आधार पर, मुख्यमंत्री ने प्रणब मोहंती के

नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया।

एसआईटी ने कई जगहों पर खुदाई की है। इसने धर्मस्थल के खिलाफ बदनामी फैलाने वालों की भी जाँच की है। अब, देर से ही सही, यह बात सामने आई है कि जनहित याचिका 5 मई को खारिज कर दी गई थी। देश के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जनहित याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिए जाने के बाद गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की औचित्यता पर कई सवाल उठे हैं कि जाँच की कोई आवश्यकता नहीं है। इस संदर्भ में, प्रणब मोहंती ने गृह मंत्री के घर जाकर दस्तावेजों के साथ स्पष्टीकरण दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता के.वी. धनंजय ने चिन्नैय्या के नाम से सर्वोच्च न्यायालय में दायर जनहित याचिका (पीआईएल) में कहा कि 1995 से 1998 के बीच नेत्रवती नदी में कई शव तैरते हुए पाए गए थे। धर्मस्थल के अधीक्षक द्वारा उनका जबरन अंतिम संस्कार कर दिया गया था। जनहित याचिका में उल्लेख किया गया था कि इस तरह तैरते हुए पाए गए शवों में यौन उत्पीड़न के शिकार शव भी थे। 2010 में एक लड़की के शव का अंतिम संस्कार किया गया था।

आरोप है कि शव पर यौन उत्पीड़न के निशान थे। 2008 से 2014 के बीच कई मौतें हुईं, जिन्हें हत्या और बलात्कार बताया गया। हालाँकि, सर्वोच्च न्यायालय ने, जिसने जनहित याचिका खारिज की, यह कहते हुए आपत्ति जताई कि यह जनहित याचिका नहीं, बल्कि प्रचार हित याचिका, पैसा हित याचिका, निजी हित याचिका, राजनीतिक हित याचिका है और कठोर शब्दों में जनहित याचिका खारिज कर दी।

अब बुरुडे गिरोह द्वारा यह जानकारी छिपाने और सरकार को गुमराह करके एसआईटी गठित करने की चर्चा हो रही है। एसआईटी को समाप्त करके स्थानीय पुलिस द्वारा मामलों की जाँच जारी रखने के भी प्रस्ताव हैं।

गृह मंत्री परमेश्वर ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की और जनहित याचिका खारिज होने, एसआईटी की योजना और जाँच की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री और गृह मंत्री की बैठक से पहले, प्रणब मोहंती ने गृह मंत्री को दस्तावेजों के साथ प्रारंभिक स्पष्टीकरण दिया था।

इस अवसर पर उन्होंने जाँच की प्रगति की भी जानकारी दी। इस बीच, शिवमोग्गा जेल में बंद शिकायतकर्ता चिन्नैय्या बेल्टांगडी अदालत में पेशी के दौरान रो पड़े और बाहर आ गए, जिसके कई अर्थ निकाले जा रहे हैं। पिछले चार दिनों से लगातार चिन्नैय्या का बयान दर्ज कर रही अदालत ने चिन्नैय्या को शनिवार को भी पेश होने का निर्देश दिया है।

स्नेहमयी कृष्णा ने सीबीआई से सौजन्या मामले की दोबारा जांच करने का अनुरोध किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने सीबीआई को पत्र लिखकर धर्मस्थल में सौजन्या मामले की दोबारा जाँच करने का अनुरोध किया है। उन्होंने डाक से शिकायत भेजी है और सीबीआई से 7 दिनों के भीतर अपने पत्र का जवाब देने को कहा है। अन्यथा, वह अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। अब तक, मैंने अदालतों से अनुमति ली है और कई मामलों में जाँच में हुई खामियों को वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाया है। उसके आधार पर, कुछ मामलों की जाँच की गई है और पीड़ितों को न्याय मिला है। स्नेहमयी कृष्णा ने बताया कि असली दोषियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सौजन्या मामले में, ऐसी संभावना है कि उसके ससुर विट्ठलगौड़ा ने उसके साथ बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि वह सोशल मीडिया पर मौजूद वीडियो और उपलब्ध साक्ष्यों की जाँच के बाद इस निष्कर्ष पर पहुँचे

हैं। सौजन्या मामले की जाँच करने वाले तत्कालीन जाँच अधिकारी भास्कर राय द्वारा गिरफ्तार आरोपी संतोष राव से लिए गए बयान पर गौर करें तो पता चलता है कि संतोष राव को सौजन्या का शव मिलने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। स्नेहमही कृष्णा ने सवाल उठाया कि क्या स्थानीय पुलिस, सीआईडी और सीबीआई अधिकारियों के पास हत्या के मामले की प्रभावी जाँच के लिए आवश्यक विशेषज्ञता और प्रशिक्षण नहीं है। सौजन्या मामले से धर्मस्थल के सम्मान और समाज के कल्याण को ठेस पहुँच रही है। मेरे पास उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर, मैंने 8 सितंबर को दक्षिण कन्नड़ जिले के पुलिस अधीक्षक के पास शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक ने अपना समर्थन देते हुए कहा कि इस मामले की जाँच पहले ही सीबीआई को हस्तांतरित कर दी गई है और फाइल सीबीआई कार्यालय में है। सीबीआई अदालत ने आरोपी को बरी कर दिया है और अब दोबारा जाँच अदालत में ही होनी चाहिए। मेरी शिकायत पर विचार करके मामले की दोबारा जाँच होनी चाहिए। स्नेहमही कृष्णा ने सीबीआई से दोषियों को न्याय दिलाने की अपील की है।

सरकार 579 अप्रयुक्त शराब लाइसेंसों की नीलामी करेगी

2,000 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य आबकारी विभाग ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 579 शराब लाइसेंसों की नीलामी करने का फैसला किया है, जिनका एक साल से ज्यादा समय से इस्तेमाल नहीं हुआ है। इस संबंध में एक अधिसूचना पहले ही जारी की जा चुकी है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब कई लाइसेंस धारकों ने परमिट तो हासिल कर लिया था, लेकिन शराब की दुकानें नहीं खोल पाए, जिससे उनके लाइसेंस सालों से अटके पड़े हैं। इस नीलामी से ऐसे मालिकों को झटका लग सकता है, जबकि नए उद्यमियों को अवसर मिलने की उम्मीद है। नीलामी के लिए चिन्हित 579 लाइसेंस विभिन्न श्रेणियों में आते हैं। इनमें सीएल-2 (एमआरपी

दुकानें), जो एमआरपी पर शराब बेचने वाली दुकानें हैं, सीएल-9 (बार और रेस्टोरेंट) और सीएल-11 (क्लब लाइसेंस) शामिल हैं। नीलामी में वे लाइसेंस भी शामिल हैं जो धारक की मृत्यु के बाद इस्तेमाल नहीं हुए हैं या जिनका एक साल से ज्यादा समय से नवीनीकरण नहीं हुआ है। आबकारी मंत्री आर बी थिम्मापुर ने पुष्टि की है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ इस बारे में चर्चा हुई है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, विभाग एक ई-नीलामी प्रणाली पर विचार कर रहा है। चूँकि सरकार ने 1992 से नए सीएल-2 लाइसेंस जारी नहीं किए हैं, इसलिए नीलामी के लिए इतनी बड़ी संख्या में दुकानों का उपलब्ध होना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकार ने लाइसेंस धारकों के लिए कड़े नियम भी बनाए हैं। अगर कोई दुकान लगातार छह महीने तक बंद रहती है, तो उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा और उसे नीलामी के लिए रखा जाएगा। इसी तरह, जिन लाइसेंसों का एक साल तक नवीनीकरण नहीं होता है, उन्हें हर पाँच साल में एक बार नीलामी के लिए रखा जाएगा। आबकारी विभाग ने अधिसूचना पर आपत्तियाँ आमंत्रित की हैं और आपत्तियाँ जमा करने के लिए 10 दिन का समय दिया है। मीडिया से बात करते हुए, मंत्री थिम्मापुर ने कहा हमने उन लाइसेंसों की फिर से नीलामी करने का फैसला किया है जहाँ परमिट जारी होने के बावजूद दुकानें नहीं खुलीं। एक मसौदा तैयार है, और मुख्यमंत्री के साथ इस पर चर्चा चल रही है कि नीलामी सामान्य श्रेणी में रखी जाए या आरक्षित श्रेणी में। अंतिम निर्णय जल्द ही लिया जाएगा। हमें लगभग 2,000 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद है। हम नए लाइसेंस जारी नहीं कर रहे हैं, केवल बचे हुए लाइसेंसों की फिर से नीलामी कर रहे हैं।

संत ने दीक्षा पंचमसाली से सर्वेक्षण में जाति को लिंगायत पंचमसाली के रूप में दर्ज करने की अपील की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुडलसंगम पीठ के श्री बसव जय मृत्युंजय स्वामी ने लिंगायत दीक्षा पंचमसाली समाज से जुड़े लोगों से कर्नाटक में चल रहे सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण में अपनी जाति लिंगायत पंचमसाली के रूप में दर्ज कराने की अपील की है।

कलबुर्गी में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, श्री बसव जय मृत्युंजय स्वामी ने कहा कि अखिल भारत लिंगायत दीक्षा पंचमसाली समाज की कलबुर्गी जिला इकाई द्वारा 24 सितंबर को कलबुर्गी में समुदाय के नेताओं के साथ आयोजित एक बैठक में यह

निर्णय लिया गया कि समुदाय के सदस्यों को जाति कॉलम में खुद को लिंगायत पंचमसाली के रूप में दर्ज कराना चाहिए। धर्म कॉलम के बारे में पूछे जाने पर, स्वामी ने सुझाव दिया कि वे हिंदू के रूप में पंजीकरण कराएँ। स्वामी ने शुरू में मठ से अपने कथित निष्कासन के बारे में कोई भी प्रश्न लेने से इनकार कर दिया, लेकिन बाद में कहा कि लिंगायत पंचमसाली ट्रस्ट के पास उन्हें मठ से निष्कासित करने का कोई अधिकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि भक्तजन कुछ दिनों में राज्य स्तरीय बैठक बुलाएँगे और आगे की रणनीति पर निर्णय लेंगे।

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि यद्यपि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने दिसंबर 2024 में बेलगावी में पंचमसाली के लिए 2ए आरक्षण की मांग कर रहे पंचमसाली प्रदर्शनकारियों पर हुए लाठीचार्ज की जाँच का आदेश दिया था, लेकिन राज्य सरकार ने जाँच शुरू नहीं की।

सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी में राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर एक पेट्रोल पंप के पास एक दुखद दुर्घटना में, उडुपी से पदुबिद्री की ओर जा रहा एक टिपर ट्रक एक खड़ी पिकअप वैन से टकरा गया और फिर एक पैदल यात्री को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बिहार के प्रवासी मजदूर राजकुमार शर्मा (23) के रूप में हुई है, जो एर्मल स्थित एक प्लाईवुड फैक्टरी में कार्यरत था। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के समय वह अपने सहकर्मियों के साथ पदुबिद्री की ओर पैदल जा रहा था। खड़ी हुई पिकअप से शुरुआती टक्कर के बाद, वाहन पदुबिद्री कृषि सहकारी समिति के पुराने गोदाम की दीवार से टकरा गया, जिससे गोदाम की संरचना क्षतिग्रस्त हो गई और समिति को और नुकसान हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने दुर्घटना के लिए टिपर चालक की लापरवाही से गाड़ी चलाने को जिम्मेदार ठहराया। पुलिस जाँच जारी है।

मंदिर का धन राज्य के खजाने में नहीं जाएगा: मंत्री रामलिंगा रेड्डी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने स्पष्ट किया कि प्रसिद्ध कतील श्री दुर्गापरमेश्वरी मंदिर सहित सभी मंदिरों का धन राज्य के खजाने में जमा नहीं किया जाएगा। उन्होंने भाजपा पर यह दावा करके झूठा प्रचार करने का आरोप लगाया कि मंदिर का धन राजनीतिक लाभ के लिए राज्य सरकार की गारंटी योजनाओं में लगाया जा रहा है, जबकि उन्हें पूरी जानकारी है। यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि कतील मंदिर में सेवा शुल्क में हालिया बढ़ोतरी में सरकार की कोई भूमिका नहीं है। मंदिर ऐसे निर्णयों में स्वायत्त है। राज्य में ऐसे 398 स्वायत्त संस्थान हैं। भाजपा कतील मंदिर के सेवा शुल्क संशोधन को सरकार से जोड़कर लोगों को गुमराह कर रही है। मंदिर की अपनी प्रशासन समिति ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में सरकार की कोई भूमिका नहीं है। हालाँकि कतील मंदिर मुजराई विभाग के

अंतर्गत आता है, लेकिन सरकार वहाँ प्रशासक भी नियुक्त नहीं कर सकती। प्रशासन पूरी तरह से मंदिर के बोर्ड के अधीन है। रेड्डी ने जोर देकर कहा यहाँ तक कि अदालतों ने भी फैसला दिया है कि सरकार को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि 2003 में धार्मिक परिषद अधिनियम के लागू होने के बाद से, एक मंदिर के धन का उपयोग दूसरे मंदिर के विकास के लिए नहीं किया जा सकता है और न ही उसे राज्य के खजाने में स्थानांतरित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि 2019 से 2023 के बीच भाजपा के कार्यकाल में 24 मंदिरों के सेवा शुल्क में संशोधन किया गया था। हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद, कुक्के सुब्रह्मण्यम सहित 14 मंदिरों ने कारण बताए और संशोधन का अनुरोध किया। विभागीय आयुक्त ने उन संशोधनों को मंजूरी दे दी है।

मंत्री ने यह भी याद दिलाया कि 1997 में, जब जे.एच. पटेल मुख्यमंत्री थे, राज्य धार्मिक परिषद की स्थापना के लिए एक विधेयक पेश किया गया था और 2003 में तत्कालीन मुख्यमंत्री एस.एम. कृष्णा ने इसे कानून का रूप दिया। कानून के अनुसार, राज्य और जिला दोनों स्तरों पर धार्मिक परिषदों में सदस्यों की नियुक्ति की जाती है। उन्होंने बताया राज्य में कुल 398 ए- और बी-श्रेणी के मंदिर हैं, जिनमें से प्रत्येक में एक अध्यक्ष, आठ सदस्य और एक मुख्य पुजारी हैं। रामलिंगा रेड्डी ने मुदिपु के तेनकेकरे में एक अत्याधुनिक स्वचालित ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक का भी उद्घाटन किया। 10 एकड़ में फैले इस केंद्र का उद्देश्य चालक प्रशिक्षण को मजबूत बनाना और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना है। जनसमूह को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि सरकार ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने में पारदर्शिता और अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि परमिट ड्राइविंग कौशल और नियमों के अनुपालन के आधार पर, बिना किसी आर्थिक दबाव के, सख्ती से दिए जाएँगे। मंत्री ने आगे कहा कि नया केंद्र आधुनिक बुनियादी ढाँचे से सुसज्जित है, जिसमें बाहर से आने वाले प्रशिक्षुओं के लिए छात्रावास और भोजन की सुविधा भी शामिल है। वर्तमान में, लगभग 40 से 50 उम्मीदवार प्रतिदिन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, और प्रत्येक बैच में 36 शिक्षार्थी शामिल हैं।

मैसूरु सैंडल सोप अब कंतारा-चैप्टर 1 का खुशबू साझेदार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के स्वामित्व वाली और एक सदी पुरानी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कर्नाटक सोप्स एंड डिटर्जेंट्स लिमिटेड (केएसडीएल), जो अपने प्रतिष्ठित मैसूरु सैंडल सोप के लिए जानी जाती है, ने अपने उत्पादों के प्रचार के लिए एक अभिनव तरीका अपनाया है।

यह कंपनी होम्बले फिल्म्स की फिल्म 'कंटारा - चैप्टर 1', जिसमें ऋषभ शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं, का 'सुगंध भागीदार' और सह-प्रायोजक बन गई है। शुक्रवार को इसकी घोषणा करते हुए, बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल ने कहा कि राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी और फिल्म टीम के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हो गए हैं, जिसके तहत फिल्म की हर स्क्रीनिंग में केएसडीएल के उत्पादों का प्रचार किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि कन्नड़ फिल्म उद्योग को 'चंदन' के नाम से जाना जाता है, ठीक उसी तरह जैसे केएसडीएल अपने चंदन साबुन और चंदन के तेल के लिए प्रसिद्ध है।

कंटारा- चैप्टर 1 अक्टूबर में सात भाषाओं - कन्नड़, तेलुगु, हिंदी, तमिल, मलयालम, अंग्रेजी और स्पेनिश में रिलीज होने वाली है। इसे पूरे भारत में 7,000 स्क्रीन्स और 30 देशों में 6,500 से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज किया जाएगा। पिछले दो वर्षों से, यह सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी अपने वैश्विक बाजार का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसने पैकेजिंग, ब्रांडिंग, प्रचार और गुणवत्ता पर जोर देते हुए निर्यात पर जोर दिया है। इन्हीं प्रयासों के तहत, कुछ महीने पहले प्रसिद्ध अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को दो साल के कार्यकाल के लिए ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया था। केएसडीएल के अध्यक्ष अप्पाजी नादगौड़ा ने कहा कि एक सदी से भी ज्यादा पुरानी विरासत वाला मैसूरु सैंडल सोप वैश्विक मांग वाला एक विश्वसनीय ब्रांड है। उन्होंने कहा कि सिनेमा, जो सबसे लोकप्रिय माध्यमों में से एक है, के जरिए यह उद्यम और भी बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुँच पाएगा।

दक्षिण कन्नड़ में भाषा और साहित्य भवनों का निर्माण शीघ्र पूरा करने का निर्देश

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने अधिकारियों को दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में चल रहे विभिन्न भाषा एवं साहित्य भवनों के निर्माण कार्य में तेजी लाने और उन्हें पूरा करने के निर्देश दिए हैं। यहां गुरुवार को उपायुक्त कार्यालय में इन कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए खादर ने कहा कि तुलु भवन से संबंधित कई कार्य अधूरे हैं, जबकि

कोंकणी भवन का निर्माण बीच में ही रुक गया है। बेरी भवन के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है, लेकिन निर्माण कार्य अभी शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चूँकि कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने इन परियोजनाओं के लिए अनुदान स्वीकृत कर दिया है, इसलिए शीघ्र पूरा करने के लिए सभी तकनीकी बाधाओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि शहर के बोंडेल में जिला रंगमंदिर का निर्माण कार्य शुरू होने वाला है और मेंगलूरु नगर निगम ने इसके लिए निविदाएँ आमंत्रित कर दी हैं। इस बीच, कासरगोड के बदियाडका में डॉ. कय्यार किन्हन्ना राय सभागार अपने अंतिम चरण में पहुँच गया है और इसका उद्घाटन जल्द ही कर्नाटक और केरल के मुख्यमंत्रियों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। खादर ने अधिकारियों को जिले में विभिन्न भवनों के लंबित निर्माण कार्यों के लिए अतिरिक्त अनुदान की मांग करते हुए वित्त विभाग को एक समेकित प्रस्ताव प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।

हिंदुओं के घरों पर पथराव करने वाले उपद्रवियों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई: बी.वाई. विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने चेतावनी दी है कि अगर कार्ल मार्क्स नगर, दावणगेरे में हिंदुओं के घरों पर पथराव और उन पर अत्याचार करने वाले उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो पुलिस की स्थिति और गंभीर बन जाएगी। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा

कि कांग्रेस सरकार के दौरान हिंदू समुदाय पर सांप्रदायिक उपद्रवियों के हमले लगातार जारी रहे हैं। उन्होंने दावणगेरे में सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले बैनर लगाकर, पथराव करके, भय का माहौल बनाकर और हिंदुओं पर अत्याचार करके हिंदू समुदाय के घरों को निशाना बनाने की घटना की कड़ी निंदा की। पुलिस को हिंदुओं पर अत्याचार करने और भय का माहौल बनाने वाले मुस्लिम सांप्रदायिक उपद्रवियों को तुरंत गिरफ्तार करना चाहिए। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि देश के कई हिस्सों में हिंदुओं को भड़काने के लिए 'आई लव मोहम्मद' लिखे बैनर लगाकर विवाद पैदा किया गया है और यह दावणगेरे के रास्ते राज्य में भी प्रवेश कर गया है। विजयेन्द्र ने मांग की कि पुलिस विभाग इस घटना को बहुत गंभीरता से ले और सांप्रदायिक हिंसा को राज्य के अन्य हिस्सों में फैलने से रोकने के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाए।

समीर वानखेड़े को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका

आर्यन खान की वेबसीरीज पर दायर मानहानि याचिका खारिज

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

आईआरएस अधिकारी और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। वानखेड़े ने अभिनेता शाहरुख खान और गौरी खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट, ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स और अन्य के खिलाफ 2 करोड़ रुपए की मानहानि का दावा करते हुए याचिका दाखिल की थी।

अदालत का कहना है कि यह याचिका यहां विचार योग्य नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने उनको याचिका में संशोधन करने और उपयुक्त फोरम में दोबारा दाखिल करने की छूट दे दी है।

यह मामला साल 2021 में चर्चित क्रूज ड्रग्स केस से जुड़ा है, जिसमें समीर वानखेड़े ने आर्यन खान को गिरफ्तार किया था। आर्यन को इस मामले में 27 दिन तक जेल में रहना पड़ा था, लेकिन

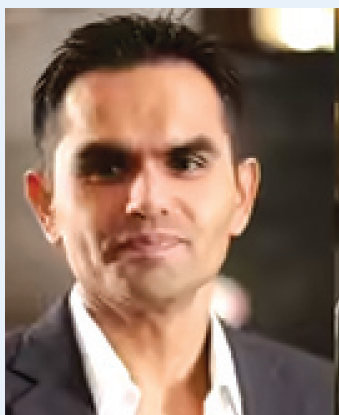

बाद में उन्हें क्लीन चिट मिल गई। आर्यन खान ने इसी अनुभव को आधार बनाकर वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' बनाई, जिसे नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया।

समीर वानखेड़े का आरोप है कि इस सीरीज में उन्हें नाम लिए बिना दिखाया गया है और एक किरदार उनकी तरह की यूनिफॉर्म, अंदाज और भूमिका निभाता है, जिससे उनकी व्यक्तिगत और पेशेवर छवि को नुकसान पहुंचा है। उनका कहना है कि यह वेब सीरीज दुर्भावनापूर्ण इरादे से बनाई गई है ताकि उन्हें बदनाम किया जा सके।

उन्होंने आरोप लगाया कि सीरीज में ड्रग विरोधी एजेंसियों को गलत तरीके से पेश किया गया है, जिससे आम जनता का इन संस्थाओं पर विश्वास कमजोर होता है।

वानखेड़े ने अपनी याचिका में कोर्ट से अपील की थी कि इस सीरीज को प्रतिबंधित किया जाए और रेड चिलीज और नेटफ्लिक्स को 2 करोड़ रुपए हर्जाना देने का आदेश दिया जाए।

उन्होंने बताया कि यह रकम टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में कैंसर मरीजों की मदद के लिए दान में दी जाएगी।

वानखेड़े ने एक विशेष सीन पर भी आपत्ति जताई, जिसमें एक किरदार 'सत्यमेव जयते' का नारा लगाने के बाद गलत इशारा दिखाता है। उनका कहना है कि यह भारत के राष्ट्रीय प्रतीक का अपमान है और इससे देश की भावनाओं को ठेस पहुंची है। इसके साथ ही उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के उल्लंघन की बात भी कही।

श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग के हाल ही में बंद होने से

कश्मीर के बागवानी क्षेत्र को 1500 करोड़ का नुकसान

जम्मू, 26 सितंबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले बागवानी क्षेत्र को श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग के बंद होने के कारण भारी नुकसान हुआ है। अनुमान है कि लगभग 1,500 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

सोपोर स्थित एशिया की दूसरी सबसे बड़ी फल मंडी के अध्यक्ष फैयाज अहमद मलिक उर्फ काका जी ने आरोप लगाया कि सरकार संकट के अनुसार गंभीरता से काम करने में विफल रही, जिससे उत्पादकों और व्यापारियों को भारी वित्तीय झटका झेलना पड़ा। केंद्र शासित प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद के लिए महत्वपूर्ण बागवानी उद्योग बढ़ते नुकसान से जूझ रहा है क्योंकि जल्दी खराब होने वाले फलों की खेप कई दिनों तक फंसी रही। मलिक ने कहा कि अगर प्रशासन राष्ट्रीय राजमार्ग को सुचारू रूप से फिर से खोलना सुनिश्चित नहीं कर सकता था, तो उन्हें इस तरह की अराजकता से बचने के लिए तत्काल रक्षा सहायता मांगनी चाहिए थी।

स्थिति की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए फैयाज अहमद मलिक ने खुलासा किया कि अकेले सोपोर फल मंडी को लगभग 600-700 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जबकि पूरे कश्मीर में कुल नुकसान अनुमानित 1,500 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। उन्होंने आग्रह किया कि सरकार को इस संकट को गंभीरता से लेना चाहिए और उत्पादकों को हर संभव मुआवजा प्रदान करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि अधिकारियों को फल उत्पादकों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण माफ करना चाहिए और साथ ही बागवानी उद्योग को बचाने के लिए केंद्र सरकार से एक विशेष राहत पैकेज की मांग करनी चाहिए। यह उल्लेखनीय है कि श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग, घाटी का देश के बाकी हिस्सों से एकमात्र बारहमासी सड़क संपर्क, हाल के हफ्तों में लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण बार-बार बंद हुआ, जिससे सेब और अन्य जल्दी खराब होने वाली उपज का परिवहन ऐसे समय में बाधित हुआ जब कश्मीर अपने चरम फसल के मौसम के बीच में है।

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध में हीलाहवाली पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा-केंद्र बनाए ठोस नीति

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध के अपने आदेश को प्रभावी ढंग से लागू न करने पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि सभी हितधारकों के साथ मिलकर प्रतिबंध लागू करने की एक ठोस नीति तैयार की जाए।

सर्वोच्च अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि सभी हितधारकों जैसे पटाखा निर्माताओं, राज्य सरकारों और पर्यावरण विशेषज्ञों के साथ मिलकर प्रतिबंध लागू करने की एक ठोस नीति तैयार की जाए।

इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों (पर्यावरण-अनुकूल पटाखों) के निर्माण को सशर्त अनुमति दे दी है। बेंच ने शर्त लगाई कि ये पटाखे दिल्ली-एनसीआर में कहीं भी बेचे या इस्तेमाल नहीं किए जाएंगे।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों की बिक्री को लेकर सुप्रीम कोर्ट अगली सुनवाई में अंतिम फैसला लेगा। मामले में अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी।

इससे पहले, 12 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण को लेकर कड़ी टिप्पणी की थी। सीजेआई बीआर गवई ने कहा था कि अगर दिल्ली-एनसीआर के लोगों को स्वच्छ हवा का अधिकार है, तो दूसरे शहरों के निवासियों को क्यों नहीं?

उन्होंने जोर देकर कहा था कि प्रदूषण नियंत्रण की नीतियां सिर्फ राजधानी तक सीमित नहीं रह सकतीं, बल्कि पैन-इंडिया स्तर पर लागू होनी चाहिए।

सीजेआई ने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया था, मैं पिछले साल सर्दियों में अमृतसर गया था। वहां प्रदूषण की स्थिति दिल्ली से भी बदतर थी। अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है तो पूरे देश में लगना चाहिए।

स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती को दिल्ली कोर्ट से झटका, अग्रिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को कथित वित्तीय अनियमितताओं के लिए जांच के घेरे में आए स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। यह आदेश पटियाला हाउस कोर्ट द्वारा पारित किया गया, जिसमें कहा गया कि आरोपों की प्रकृति जांच के इस चरण में हिरासत में पूछताछ की मांग करती है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अदालत ने एक स्वयंभू धर्मगुरु के खिलाफ कथित धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक

षड्यंत्र के मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

एफआईआर छद्म रूप में धोखाधड़ी, किसी व्यक्ति को संपत्ति सौंपने या उसे रखने की सहमति देने के लिए बेईमानी से प्रेरित करके धोखाधड़ी, जालसाजी, जाली दस्तावेज़ या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तैयार करके उसे असली के रूप में इस्तेमाल करने और आपराधिक षड्यंत्र के आरोपों के तहत दर्ज की गई थी। दिल्ली पुलिस ने कहा कि उनकी जाँच से पता चला है कि सरस्वती ने कथित तौर पर जगद्गुरु शंकराचार्य महासंस्थानम दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम, जो इसे संचालित करता है, की संपत्तियों को वित्तीय लाभ के लिए निजी कंपनियों को किराए पर देकर संस्थान पर अपना नियंत्रण मजबूत कर लिया था।

आज की अग्रिम ज़मानत वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े आरोपों से संबंधित है, वहीं स्वयंभू धर्मगुरु स्वामी चैतन्यानंद भी अपने खिलाफ कथित यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज होने के बाद सुर्खियों में रहे। स्वयंभू धर्मगुरु पर दिल्ली के एक निजी प्रबंधन संस्थान की 17 छात्राओं के साथ छेड़छाड़ और उत्पीड़न का आरोप है। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने कहा कि वह राष्ट्रीय राजधानी के वसंत कुंज उत्तर पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के आधार पर कथित यौन उत्पीड़न मामले में फरार चैतन्यानंद सरस्वती को पकड़ने के लिए सभी प्रयास कर रही है।

बरेली में इस्लामिक कट्टरपंथियों ने किया बवाल, पुलिस ने तोड़ा

बरेली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

बरेली में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद कट्टरपंथी मुसलमानों ने प्रदर्शन किया और सड़कों पर उतर कर तोड़फोड़ की। पुलिस ने स्थिति पर काबू पाने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस ने कट्टरपंथियों को उकसाने वाले मौलाना तौकीर रजा को नजरबंद कर लिया है। डीआईजी रेंज बरेली अजय कुमार साहनी ने कहा कि नमाज शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई लेकिन कुछ शरारती तत्व माहौल खराब करना चाहते थे, उन्हें खदेड़ दिया गया।

श्यामगंज में पुलिस ने प्रदर्शन करने वालों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान एसपी क्राइम से नोकझोंक भी हुई, लेकिन जुलूस के रूप से भीड़ नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ती गई। स्थिति को देखते हुए श्यामगंज में पुलिस ने दुकानें भी बंद करा दी गईं। नौमहला मस्जिद के बाहर भी सैकड़ों लोग जुटे। लोगों ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। वहीं, खलील स्कूल के पास प्रदर्शनकारियों ने अचानक वाहनों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माने। प्रदर्शनकारियों को शांत कराने के लिए पुलिस ने लाठियां पटकीं तो भगदड़ मच गई।

इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के ऐलान के बाद से शहर में गहमागहमी का माहौल है। शुक्रवार को सुबह से ही इस्लामिया मैदान और बिहारीपुर को छावनी में तब्दील कर दिया गया। श्यामगंज मंडी वाले रोड पर बैरिकेडिंग करने के साथ भारी फोर्स तैनात की गई। सैलानी इलाका बंद रहा। दोपहर होते-होते लोग घरों से निकलने लगे। जुमे की नमाज के बाद लोग जुलूस के रूप से नारेबाजी करते हुए सड़कों पर निकले। इस दौरान कुछ लोगों ने हंगामा और तोड़फोड़ शुरू कर दी।

इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां ने शुक्रवार सुबह एक वीडियो जारी कर कहा था कि मीडिया जो खबरें चल रही हैं, वह सरासर गलत हैं। पुलिस प्रशासन के साथ कुछ मुखबिरों ने मिलकर साजिश रचकर यह काम किया है। मौलाना ने कहा कि उन्होंने जो ऐलान किया था। उसके मुताबिक अमल किया जाएगा। जुमे की नमाज नौमहला मस्जिद में पढ़ेंगे। उसके बाद बहुत ही जिम्मेदारी और अमन के साथ हम अपनी तकलीफों और परेशानियों के लिए डीएम के जरिए राष्ट्रपति को ज्ञापन देना चाहते हैं। इसमें किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं है। अगर जिला प्रशासन लोगों को रोक-टोक करेगा या उनके साथ बदतमीजी की जाएगी। ज्यादती की जाएगी तो उसकी जवाबदेही जिला प्रशासन की खुद होगी।

कलाकारों की सुर साधना से सजेगा उत्तर प्रदेश

यूपी के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर 27 सितंबर से होगा कार्यक्रम

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार के नेतृत्व में नवरात्रि के दौरान उत्तर प्रदेश के कई जनपदों में स्थानीय कलाकार सुर साधना करेंगे। यह आयोजन 27 सितंबर शनिवार से प्रारंभ होगा। इसके जरिए योगी सरकार पंजीकृत कलाकारों को मंच मुहैया कराएगी। यह आयोजन राजधानी लखनऊ, वाराणसी, झांसी, मथुरा, गोरखपुर, आगरा, सीतापुर, अयोध्या समेत अनेक जनपदों में होगा। राजधानी लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क व कुड़िया घाट समेत प्रदेश के दो दर्जन से अधिक धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर यह आयोजन

होगा। सरकार लोक नृत्य के कलाकारों को 15 हजार, लोकगायकों को 10 हजार और अन्य विधाओं के कलाकारों को पांच हजार रुपए पारिश्रमिक स्वरूप भी देगी।

योगी सरकार पंजीकृत लोक कलाकारों को मंच प्रदान करने, सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने, पारंपरिक लोक कलाकारों के संरक्षण व संवर्धन, शहरी/ग्रामीण दर्शकों को लोक संस्कृति से जोड़ने व सांस्कृतिक चेतना विकसित करने के उद्देश्य से यह आयोजन करा रही है। 27 सितंबर से होने वाली सुर साधना में कलाकारों द्वारा लोकगायन, भजन/कीर्तन, लोकनृत्य/लोकनाट्य प्रस्तुति, कठपुतली/जादू, शास्त्रीय गायन/वादन, किस्सागोई/दास्तानगोई व काव्य पाठ आदि होगा।

उत्तर प्रदेश के संस्कृति विभाग ने पर्यटकों के साथ-साथ आम लोगों को भी लोककलाओं की तरफ आकर्षित करने की कवायद शुरू की है। इसके तहत प्रदेश के धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर लोक कलाकारों की प्रस्तुति होगी। सुर साधना में स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता दी जाएगी। कलाकारों को मंच मुहैया कराने के साथ ही पारिश्रमिक भी दिया जाएगा। लोकनृत्य के लिए 15 हजार रुपए, भजन/लोकगायन के लिए 10 हजार रुपए व अन्य विधाओं- जादू, कठपुतली, किस्सागोई दास्तानगोई, काव्य पाठ आदि के लिए कलाकारों को पांच हजार रुपए प्रदान किया जाएगा।

प्रदेश के जिन स्थानों पर आयोजन होगा उनमें कुसुमवन सरोवर मथुरा, झांसी का किला झांसी, रामघाट चित्रकूट, नया अस्सी घाट वाराणसी, त्रिवेणी घाट प्रयागराज, जनेश्वर मिश्र पार्क लखनऊ, कुड़िया घाट लखनऊ, शिल्पग्राम आगरा, बटेश्वर धाम आगरा, डाइट ऑडिटोरियम विकास भवन बदायूं, नैमिषारण्य धाम सीतापुर, रामगढ़ताल गोरखपुर, राम की पैड़ी अयोध्या, सामौर बाबा धाम फिरोजाबाद, सीता समाहित स्थल भदोही, पाल्हमेश्वरी देवी मंदिर आजमगढ़, विंध्यवासिनी देवी मंदिर विंध्याचल, प्रेम मंदिर वृंदावन, शुक्र तीर्थ मुजफ्फरनगर, देवीपाटन मंदिर बलरामपुर, गढ़ मुक्तेश्वर हापुड़, मां शाकुंभरी देवी मंदिर सहारनपुर और शीतला माता मंदिर मैनपुरी शामिल हैं।

झारखंड में दो सड़क हादसों में छह की मौत, सात घायल

रांची, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

झारखंड में 12 घंटे के भीतर दो अलग-अलग सड़क हादसों में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए।

मृतकों की पहचान नंद किशोर (47), कमल (38) और जगदीश भोक्ता (45) के रूप में हुई है। इस हादसे में सात लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें से दो को धनबाद स्थित मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

हादसे की जानकारी मिलते ही एसडीपीओ जीतवाहन उरांव के

साथ ताराटांड थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस व स्थानीय लोगों ने बड़ी मशक्कत से घायलों को बाहर निकाला।

बताया गया कि पिकअप वैन पर सवार ज्यादातर लोग गिरिडीह के बेंगाबाद के निवासी थे और हजारीबाग में मजदूरी करते थे। वे दुर्गा पूजा की छुट्टी में गांव लौट रहे थे।

इसके पहले गुरुवार देर रात पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के एनएच-18 पर झरिया मोड़ के पास भी भीषण सड़क हादसा हुआ।

कोलकाता से जमशेदपुर जा रही एक मारुति स्विफ्ट कार को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसके परखच्चे उड़ गए और उसपर सवार तीनों की मौके पर मौत हो गई।

मृतकों की पहचान कार चालक गणेश राय (50), जमशेदपुर निवासी कुसुमिता पटनायक (55) और उनकी बेटी मोनिका पटनायक (28) के रूप में की गई है। कार में सवार लोग किसी निजी कार्य के लिए कोलकाता गए थे और जमशेदपुर लौट रहे थे। शुक्रवार दोपहर शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

सीएम योगी ने चार लाख छात्र-छात्राओं को दी छात्रवृत्ति

वंचित पांच लाख छात्रों को दीपावली से पहले मिलेगी छात्रवृत्ति

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

अनुसूचित जाति-जनजाति के करीब पांच लाख छात्रों को संस्थान की ओर से डाटा अपलोड न करने की वजह से छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई क्योंकि डाटा लॉक हो गया था। ऐसे छात्रों को दीपावली से पहले छात्रवृत्ति देने के लिए पैसा तैयार कर लिया गया है। छात्रवृत्ति से वंचित सभी छात्रों को दीपावली से पहले उनके खाते में छात्रवृत्ति भेज दी जाएगी। वहीं जिनकी वजह से छात्रों को स्कॉलरशिप नहीं मिल पाई है, उनकी भी जवाबदेही तय की जाएगी ताकि आने वाले समय में ऐसी त्रुटि न हो। किसी भी देश और प्रदेश की आर्थिक प्रगति का पैमाना शिक्षा से शुरू होता है। ऐसे में छात्रों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को आईजीपी में आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह में कही। इस दौरान सीएम योगी ने कई छात्रों को छात्रवृत्ति वितरित की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले छात्रवृत्ति वितरित की जाती थी, लेकिन छात्र के खाते में पहुंचती नहीं थी। इसमें मनमानी होती थी। वहीं जो छात्रवृत्ति छात्रों को सितंबर-अक्टूबर में प्राप्त होनी चाहिए थी, वह छात्रवृत्ति मार्च-अप्रैल तक पहुंचती थी।

इसमें भी भेदभाव होता था। वर्ष 2016 में अनुसूचित-जनजाति के छात्रों की छात्रवृत्ति ही नहीं दी गई। जब वर्ष 2017 में हमारी सरकार आई, तो हमने वर्ष 2016-17 और 2017-18 की छात्रवृत्ति प्रदेश के एक-एक बच्चे को दी गयी। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण विभाग द्वारा 9 से 12 वीं के अनुसूचित जाति-जनजाति और सामान्य जाति के 4 लाख छात्रों को छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें पहले चरण में 1 लाख 12 हजार छात्र छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के ढाई लाख से अधिक छात्र-छात्राएं और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के 25,000 छात्र-छात्राएं सुविधा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि वर्ष 2017-18 से वित्तीय वर्ष 2024-25 तक अनुसूचित जाति-जनजाति के 1 करोड़ 23 लाख छात्रों को 9,150 करोड़ रुपए की धनराशि वितरित की गई है। यह पैसा डीबीटी के माध्यम से उनके अकाउंट में भेजा गया। वर्ष 2017-18 से 2024-25 में सामान्य वर्ग के 58 लाख 90 हजार छात्र-छात्राओं को 5,945 करोड़ रुपए उनके अकाउंट में भेजे गए।

सीएम योगी ने छात्रों से कहा कि आपके हाथों में आने वाली पीढ़ी का नेतृत्व आने वाला है, उसके लिए अभी से मानसिक रूप से तैयार रहिये। हम कैसा भारत चाहते हैं, इस पर अभी से सोचना होगा। याद रखिएगा विभाजनकारी ताकतों ने देश को गुलाम बनाया था। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के लिए अभियान चलाया जा रहा है। वहीं कुछ लोग आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए फिर से बाधक बन करके समाज को बांटने का काम कर रहे हैं। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हमें बंटना नहीं है, हमें एकजुट होकर के बेहतर शिक्षा के लिए हर छात्र को स्कूल तक पहुंचाना है। हर छात्र और वंचित को स्कूली शिक्षा के साथ जोड़ना है। उसकी शिक्षा के उन्नयन के लिए प्रयास करना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017-18 में 1,648 करोड़ 91 लाख, 2018-19 में 1,883 करोड़ 96 लाख, 2019-20 में 1,887.29 करोड़, 2020-21 में 1,505 करोड़ 53 लाख, 2021-22 में 1,581 करोड़ 42 लाख, 2022-23 में 1,813 करोड़ 97 लाख, 2023-24 में 2,608 करोड़ 13 लाख, 2024-25 में 2,861 करोड़ 38 लाख और 2025-26 में 3,124 करोड़ 45 लाख रुपए छात्रवृत्ति दी गयी। सीएम ने कहा कि वर्ष 2017-18 में 1,648 करोड़ छात्रवृत्ति दी जाती थी और आज 2025-26 में स्कॉलरशिप दोगुनी हो चुकी है। आज 3,124 करोड़ 45 लाख रुपए छात्रवृत्ति पिछड़े वर्ग के छात्रों को उपलब्ध करायी जा रही है। सरकार द्वारा लगातार राशि में वृद्धि करते हुए छात्रों को योजना से जोड़ा जा रहा है। सरकार द्वारा छात्रवृत्ति को तकनीक से बेहतर करने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से वेरिफिकेशन की कार्रवाई को आगे बढ़ाना, डीबीटी के माध्यम से छात्रों के अकाउंट में पैसा भेजने की कार्रवाई की जा रही है ताकि बीच में किसी का भी हस्तक्षेप न हो। सीएम ने कहा कि सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स, सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में शिक्षा की बड़ी भूमिका है। दुनिया में जहां भी वंचित और उपेक्षित तबका है, अगर उन्हें विकास के लक्ष्य को प्राप्त करना है तो सबसे पहले उनकी प्रायोरिटी शिक्षा होती है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में वंचित छात्रों को स्कॉलरशिप और शुल्क प्रतिपूर्ति की व्यवस्था के साथ जोड़ा जा रहा है।

सीएम ने कहा कि हमारे देश ने ही शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाया। आरटीई के तहत हर छात्र स्कूली शिक्षा प्राप्त कर सके, इसे अनिवार्य किया गया है। वहीं हर छात्र स्नातक तक शिक्षा फ्री में प्राप्त हो सके, इसके लिए अनेक स्कीम तैयार की गई और राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनायी गयी है। इसके अलावा हर छात्र को छात्रवृत्ति प्राप्त हो सके, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वन नेशन वन स्कॉलरशिप' की व्यवस्था लागू की है। इसी को ध्यान में रखते हुए अकेले केवल वर्ष 2025-26 में वंचित वर्ग को 2,825 करोड़ की छात्रवृत्ति वितरित की गयी है। वर्ष 2017 से 2025 तक 2 करोड़ से अधिक छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त कर चुके हैं।

छात्रों को देखेंगे तो 2 करोड़ 7 लाख 53,457 छात्र-छात्राओं को पिछड़े वर्ग के 13,535 करोड़ से अधिक की राशि 2017-18 से 2024-25 के बीच में वितरित हुई है। यानी सरकार इस मामले में लगातार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और उस कार्यक्रम के साथ हर छात्र-छात्रा को जोड़ने का कार्य कर रही है। सरकार ने 2016-17 में पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण की व्यवस्था के संचालन के लिए 11 करोड़ से बढ़ाकर 35 करोड़ किया। इसी के साथ छात्रावासों के अनुदान के लिए भी धनराशि की व्यवस्था की गई है। सीएम ने कहा कि पहले कस्तूरबा गांधी विद्यालय आठवीं तक चलते थे, अब 12वीं तक संचालित हो रहे हैं। एक ही कैंपस में गरीब घर के अनुसूचित जाति-जनजाति और पिछड़े वर्ग की बेटियों की पढ़ाई की व्यवस्था की जा रही है। छात्रावास में रहने-खाने की व्यवस्था दी जा रही है, स्कॉलरशिप दी जा रही है, यूनिफॉर्म दिए जा रही है। बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में 1 करोड़ 60 लाख बच्चों के लिए दो यूनिफॉर्म, जूता, मोजा, फ्री स्वेटर की भी व्यवस्था की जा रही है जिससे वे बच्चे पढ़-लिख जाएं।

सीएम योगी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों को सुदृढ़ किया जा रहा है। इन केंद्रों में 3 से 6 वर्ष के बच्चों को पोषण मिशन से जोड़ा जा रहा है।

वर्तमान में आश्रम पद्धति के विद्यालय बनाए जा रहे हैं, जहां पर अनुसूचित जाति-जनजाति के बच्चों को उत्तम पढ़ाई करवाई जा रही है। अटल आवासीय विद्यालय बन रहे हैं, जहां रजिस्टर्ड श्रमिकों के बच्चों और ओबीसी बोर्ड में रजिस्टर्ड परिवार के बच्चों को छठी से लेकर के 12वीं तक की क्लास की उत्तम शिक्षा की व्यवस्था उपलब्ध करायी जा रही है। इन्हे सैनिक स्कूल के तर्ज़ पर आगे बढ़ाया जा रहा है।

इतना ही नहीं मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय और पीएम श्री विद्यालय के माध्यम से शिक्षा के उन्नयन के लिए अनेक कार्यक्रम आगे बढ़ाए जा रहे हैं। सरकार यह सारे कदम इसलिए उठा रही है ताकि हर बच्चों अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति वितरण का आज का कार्यक्रम एक शुरुआत है। सीएम ने कहा कि सिर्फ चार लाख बच्चे नहीं बल्कि कई गुना बच्चों को छात्रवृत्ति देने के लिए सरकार ने बजट तैयार किया है। सीएम ने सभी संस्थानों से आग्रह किया कि वह छात्रवृत्ति से वंचित छात्रों का डाटा अपलोड करें ताकि दीपावली से उन्हे छात्रवृत्ति का लाभ दिया जा सके। इस अवसर पर मंत्री नरेंद्र कश्यप, असीम अरुण, राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी, संजीव गौड़, अनुसुचित जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, मेयर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, लालजी प्रसाद निर्मल, अवनीश कुमार सिंह और विधानसभा सदस्य जया देवी आदि मौजूद रहे।

बहराइच में मदरसे के शौचालय में बंद मिलीं 40 नाबालिग लड़कियां

जिला प्रशासन ने छापा मार कर बच्चियों को मुक्त कराया

बहराइच, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

बहराइच जिले में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। अवैध रूप से संचालित एक मदरसे के शौचालय में 40 नाबालिग लड़कियां बंद पाई गईं। बच्चियों को बदहाल अवस्था में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मुक्त कराया गया। एसडीएम अश्विनी कुमार पांडे के नेतृत्व में की गई एक गोपनीय छापेमारी में बच्चियां मुक्त कराई जा सकीं।

प्रशासन को गुप्त सूचना मिली थी कि शहर में एक मदरसा बिना किसी सरकारी अनुमति के चलाया जा रहा है और वहां कई बच्चों को अनुचित परिस्थितियों में रखा गया है।

सूचना के आधार पर एसडीएम अश्विनी कुमार पांडे ने पुलिस टीम के साथ त्वरित कार्रवाई की और मदरसे पर छापा मारा। छापे के दौरान अधिकारियों को मदरसे के एक शौचालय में 40 नाबालिग लड़कियां बंद मिलीं। सभी लड़कियां भयभीत और सहमी हुई थीं। उन्हें तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए एसडीएम ने तत्काल प्रभाव से अवैध मदरसे को बंद करने का निर्देश दिया है। इसके लिए अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को जरूरी निर्देश दिए गए हैं। मदरसे से बरामद सभी 40 लड़कियों का बयान दर्ज करने के बाद उन्हें उनके परिजनों के पास सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था की गई। प्रशासन अब मदरसे के संचालकों की पहचान करने और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) रामानंद प्रसाद कुशवाहा ने कहा, इस मामले में अभी तक पुलिस को कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। लेकिन पुलिस अपनी ओर से एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करेगी।

योगी सरकार का बड़ा अभियान, हर कार्यस्थल होगा महिलाओं के लिए सुरक्षित

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर चलाया जा रहा मिशन शक्ति 5.0 अब प्रदेशव्यापी जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है। इसी कड़ी में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शुक्रवार को प्रदेश के सभी 75 जनपदों में एक साथ सुरक्षित कार्यस्थल-सशक्त नारी अभियान और सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा और यौन उत्पीड़न से संरक्षण संबंधी कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निषेध अधिनियम (प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हैरेसमेंट एक्ट-पीओएसएच) के प्रावधानों के प्रति प्रतिभागियों और आमजन को जागरूक करना था। अभियान के पहले दिन विभिन्न आयोजनों में प्रदेश की लगभग 50,000 महिलाओं ने हिस्सा लिया।

जागरूकता अभियान में सरकारी-निजी कार्यालयों के अधिकारी, कर्मचारी, महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यें, कॉलेज छात्राएं, अधिवक्ता, श्रमिक संगठन और स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधि शामिल रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महिला सशक्तिकरण मुहिम का हिस्सा यह अभियान कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतिकार) अधिनियम, 2013 (पीओएसएच) और कामकाजी महिलाओं के वित्तीय-कानूनी

अधिकारों पर केंद्रित है, जो नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में नया आयाम जोड़ रहा है।

मिशन शक्ति-5.0 का प्रमुख उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना है। इन आयोजनों में पीओएसएच अधिनियम के प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिनियम कार्यस्थल पर शारीरिक, मौखिक या गैर-मौखिक आचरण को, जो महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाता है, यौन उत्पीड़न की श्रेणी में परिभाषित करता है। दस से अधिक कर्मचारियों वाले संगठनों में आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है, जबकि जिला स्तर पर स्थानीय समिति शिकायतों की सुनवाई करती है। शिकायत दर्ज करने की समय-सीमा तीन महीने है, जिसे आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है। 90 दिनों के भीतर जांच पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना जरूरी है। यह अधिनियम महिला की गोपनीयता की रक्षा करता है और दोष सिद्ध होने पर नियोक्ता को अनुशासनात्मक कार्रवाई या जुर्माना का प्रावधान है। नियोक्ता का दायित्व है कि कार्यस्थल सुरक्षित बने, जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हों और समिति की सिफारिशों का पालन हो।

कार्यक्रमों में पीओएसएच अधिनियम के अलावा कामकाजी महिलाओं के वित्तीय और कानूनी अधिकारों पर भी चर्चा की गई। मातृत्व अवकाश के लाभ, समान कार्य के लिए समान वेतन का अधिकार, कार्यस्थल पर स्वास्थ्य-सुरक्षा प्रावधान, श्रमिक कानूनों के तहत विशेष सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग और बीमा योजनाओं तक पहुंच जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने अपने संबोधन में कहा कि आर्थिक सशक्तिकरण ही वास्तविक महिला सुरक्षा का आधार है। यह अभियान मिशन शक्ति-5.0 के तहत महिलाओं के प्रति सकारात्मक व्यवहारिक परिवर्तन लाने का प्रयास है, ताकि वे कानूनों, योजनाओं और अवसरों से जुड़कर सशक्त समाज की आधारशिला बन सकें।

यह अभियान मिशन शक्ति-5.0 के तहत नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को मजबूत करने का प्रयास है। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत यह आयोजन कार्यस्थलों को महिलाओं के लिए वीमेन फ्रेंडली बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इसके अलावा विभाग ने 22 से 25 सितंबर तक के विभिन्न कार्यक्रमों में 3,85,681 व्यक्तियों को जागरूक किया, जिसमें 1,65,822 पुरुष-बालक और 2,19,857 महिलाएं-बालिकाएं शामिल रहीं। यह पहल योगी सरकार की 'सशक्त नारी, सुरक्षित कार्यस्थल' की थीम को साकार कर रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव लीना जौहरी ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं है, बल्कि यह एक सतत सामाजिक परिवर्तन का अभियान है। पीओएसएच अधिनियम के प्रति जागरूकता इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमारा लक्ष्य है कि हर कार्यस्थल महिलाओं के लिए न केवल सुरक्षित हो, बल्कि ऐसा वातावरण बने जहां वे सम्मान और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सकें। हर महिला और बच्चा तभी सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनेगा, जब समाज स्वयं जिम्मेदारी लेकर आगे आए।

प्रमुख सचिव ने बताया कि विभाग ने यह भी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है कि आगामी महीनों में प्रत्येक जिले में नियमित अंतराल पर पीओएसएच से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। नियोक्ताओं और संगठनों को उनकी जिम्मेदारियों के प्रति उत्तरदायी बनाया जाएगा। महिलाओं की कानूनी साक्षरता और वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे। समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी से सशक्त नारी, सुरक्षित कार्यस्थल का सपना साकार किया जाएगा।

सिखों को लेकर विवादित टिप्पणी देने में फंसे राहुल गांधी

चुनौती याचिका खारिज, दर्ज हो सकती है एफआईआर

प्रयागराज, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

रायबरेली के सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा है। स्पेशल कोर्ट वाराणसी के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। राहुल गांधी पर मुकदमा दर्ज होगा या नहीं अब स्पेशल कोर्ट इस मामले की सुनवाई के लिए कार्रवाई को आगे बढ़ा सकेगी। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की अदालत ने दिया है।

यह मामला सितंबर 2024 का है। राहुल गांधी ने अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर कहा था कि भारत में सिखों के लिए माहौल अच्छा नहीं है, क्या सिख पगड़ी पहन सकते हैं, कड़ा रख सकते हैं और

गुरुद्वारे जा सकते हैं? उनके इस बयान को भड़काऊ और समाज में विभाजनकारी बताते हुए विरोध हुआ था।

वाराणसी निवासी नागेश्वर मिश्रा ने इस बयान के खिलाफ सारनाथ थाने में एफआईआर दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन सफलता न मिलने पर उन्होंने अदालत का रुख किया। न्यायिक मजिस्ट्रेट (द्वितीय) ने 28 नवंबर 2024 को यह कहते हुए वाद खारिज कर दिया कि मामला अमेरिका में दिए गए भाषण से जुड़ा है और यह उनके क्षेत्राधिकार से बाहर है।

इसके बाद नागेश्वर मिश्रा ने सत्र न्यायालय में निगरानी याचिका दाखिल की जिसे 21 जुलाई 2025 को विशेष न्यायाधीश (एमपी/एमएलए) की अदालत ने स्वीकार कर लिया।

इस फैसले के खिलाफ राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दाखिल की थी।

दलील दी गई थी कि वाराणसी अदालत का आदेश गलत, अवैध और अधिकार क्षेत्र से बाहर है। लिहाजा जब तक यह मामला हाईकोर्ट में लंबित है तब वाराणसी अदालत के आदेश पर रोक लगाई जाए। लेकिन हाईकोर्ट ने यह मांग अस्वीकृत करते हुए याचिका खारिज कर दी।

संपादकीय

लद्दाख कितना 'जेन जी'

लेह लद्दाख जैसे शांत और शीतल क्षेत्र में अचानक आगजनी, पत्थरबाजी, सरकारी वाहनों का दहन और उत्तेजित-भडक़ाऊ नारे... ! अचानक यह हिंसक माहौल देख-सुन कर देश चौकन्ना हो गया होगा ! लद्दाख 2250 मीटर से 7742 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ऐसा क्षेत्र है, जहां रूहानियत और सुकून बसते हैं। यह सीमावर्ती क्षेत्र भी है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के आसपास भारत और चीन के हजारों सशस्त्र सैनिक, कुछ समय पहले तक, तैनात थे। अब सेनाएं काफी पीछे हट चुकी हैं, क्योंकि दोनों देशों के बीच समझौता-वार्ता के दौर जारी हैं। पहले तो युद्ध-सा माहौल था। लद्दाख में जिस तरह विरोध-प्रदर्शन किए गए, उन्हें देख कर चीन की निगाहें भी फैल गई होंगी ! बेशक आमरण अनशन पर 15 दिन से बैठे सोनम वांगचुक ने विरोध-प्रदर्शन की तुलना अरब स्प्रिंट और नेपाल के 'जेन ज़ी' विद्रोह से की, लेकिन यह देश-विरोधी बयान है, क्योंकि युवा इससे और भी ज्यादा भडक़ सकते हैं। सोनम ने अपना अनशन भी वापस ले लिया और शांति की अपील भी की। यह कैसा दोगलापन है ! लद्दाख को केंद्रशासित क्षेत्र का दर्जा मोदी सरकार ने ही दिया था, अलबत्ता यह क्षेत्र दशकों से जम्मू-कश्मीर की छाया तले अपने स्वतंत्र अस्तित्व के विकास और विस्तार के लिए तरस रहा था। 2019 के बाद अब जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दोनों ही केंद्रशासित क्षेत्र हैं। आंदोलन हिंसक क्यों हुआ, जिसमें 4-5 मौतें हो गईं और 70 से अधिक लोग घायल हो गए? प्रशासन को कफ्र्यू लगाना पड़ा, इंटरनेट की सप्लाई रोकनी पड़ी और 4 या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर पाबंदी चस्पां करनी पड़ी। अर्थात लेह-लद्दाख में अब रैलियों, विरोध-प्रदर्शनों और जलसे-जुलूस पर फिलहाल पाबंदी है। पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े, लाठियां भांजनी पड़ी और प्रदर्शनकारियों ने स्थानीय भाजपा दफ्तर को फूंक दिया। भाजपा नेतृत्व ने इस हिंसक आयोजन के पीछे स्थानीय कांग्रेस पार्षद की साजिश का आरोप लगाया है। बेशक सोनम वांगचुक लद्दाख के एक विख्यात चेहरा हैं। वह अभियंता, नवाचारी और शिक्षा सुधारक हैं और जलवायु परिवर्तन पर भी उनके खास सरोकार हैं। वह भी क्षुब्ध बताए जा रहे हैं, क्योंकि हिंसक आंदोलन उनकी मानसिकता के अनुरूप नहीं था। वह इसके पक्षधर नहीं हैं, लिहाजा उन्होंने अनशन भी तोड़ा। यह भी बताया जाता है कि लद्दाख के युवाओं और छात्रों के भीतर, बीते कुछ समय से, एक उबाल हिलोरें मार रहा था। वे लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और उसे छठी अनुसूची में रखने की मांग लगातार कर रहे थे। हालांकि 2019 में जब लद्दाख को केंद्रशासित क्षेत्र बनाया गया, तो पूर्ण राज्य बनाने का कोई राजनीतिक और प्रशासनिक आश्वासन नहीं दिया गया था। लद्दाख बहुत छोटा क्षेत्र है। उसकी आबादी करीब 2.75 लाख है। क्षेत्रफल 59,146 वर्ग किमी. है। राजधानी लेह के जिले में 113 छोटे-छोटे गांव हैं। कारगिल जिले में भी 98 गांव बताए जाते हैं। लद्दाख में बौद्ध धर्म सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। सभ्यता-संस्कृति भी काफी प्राचीन है। क्या भारत सरकार उसे पूर्ण राज्य का दर्जा देगी, जबकि जम्मू-कश्मीर और दिल्ली के ऐसे मांग-पत्र अब भी विचाराधीन हैं। केंद्र और लेह शीर्ष निकाय के बीच चार माह के अंतराल के बाद 6 अक्तूबर को बैठक तय थी, लेकिन उससे पहले ही यह हिंसक विरोध-प्रदर्शन कर दिया गया। हमारे सूत्रों की जानकारी है कि सरकार चाहती है कि सोनम वांगचुक को केंद्र-लेह की वार्ताओं से बाहर रखा जाए, क्योंकि वह अभी तक बाधा साबित होते रहे हैं। दूसरी तरफ वांगचुक का दावा है कि गुरुवार को गृह मंत्रालय के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की उन्हें उम्मीद है। उनकी शिकायत है कि लोग निराश हैं, क्योंकि अगले चुनाव होने वाले हैं और केंद्र ने पिछले चुनावी वायदे अभी तक पूरे नहीं किए। सवाल है कि 'जेन ज़ी' की तर्ज पर छेड़े गए आंदोलन और हिंसक प्रदर्शन के जरिए लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाया जा सकता है? भारत नेपाल के बीच जमीन-आसमान का अंतर है। हमें नहीं लगता कि लद्दाख जैसे छोटे-छोटे इलाकों में बसे क्षेत्र को एक स्वतंत्र राज्य बनाया जाए और फिर केंद्र सरकार अनुदान देकर उसे पालती-पोसती रहे।

लद्दाख 2250 मीटर से 7742 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ऐसा क्षेत्र है, जहां रूहानियत और सुकून बसते हैं। यह सीमावर्ती क्षेत्र भी है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के आसपास भारत और चीन के हजारों सशस्त्र सैनिक, कुछ समय पहले तक, तैनात थे। अब सेनाएं काफी पीछे हट चुकी हैं, क्योंकि दोनों देशों के बीच समझौता-वार्ता के दौर जारी हैं। पहले तो युद्ध-सा माहौल था। लद्दाख में जिस तरह विरोध-प्रदर्शन किए गए, उन्हें देख कर चीन की निगाहें भी फैल गई होंगी! बेशक आमरण अनशन पर 15 दिन से बैठे सोनम वांगचुक ने विरोध-प्रदर्शन की तुलना अरब स्प्रिंट और नेपाल के 'जेन ज़ी' विद्रोह से की, लेकिन यह देश-विरोधी बयान है, क्योंकि युवा इससे और भी ज्यादा भडक़ सकते हैं। सोनम ने अपना अनशन भी वापस ले लिया और शांति की अपील भी की। यह कैसा दोगलापन है! लद्दाख को केंद्रशासित क्षेत्र का दर्जा मोदी सरकार ने ही दिया था, अलबत्ता यह क्षेत्र दशकों से जम्मू-कश्मीर की छाया तले अपने स्वतंत्र अस्तित्व के विकास और विस्तार के लिए तरस रहा था। 2019 के बाद अब जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दोनों ही केंद्रशासित क्षेत्र हैं।

विश्व पर्यटन दिवस- 27 सितम्बर, 2025 पर विशेष

विश्व पर्यटकों के लिये अनंत संभावनाओं का देश है भारत

ललित गर्ग

विश्व पर्यटन दिवस- 27 सितम्बर, 2025 इस बात का स्मरण कराता है कि पर्यटन केवल मनोरंजन का साधन भर नहीं है, बल्कि यह किसी भी राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का आधार स्तंभ है। इस वर्ष की थीम कुछ स्रोतों में 'पर्यटन और हरित निवेश' या 'पर्यटन और सतत परिवर्तन' बतायी जा रही है जिसका उद्देश्य पर्यटन को स्थिरता और समावेशिता के साथ बढ़ावा देना है। यह थीम स्थायी पर्यटन के लिए हरित निवेश की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है, जो समुदायों और ग्रह दोनों के लिए फायदेमंद है। जिसके माध्यम से, पर्यटन में वैश्विक सहयोग और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा दिया जाएगा, जिसमें हरित निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को कम करना शामिल है। यह दिवस मनाते हुए भारत की पर्यटन संभावनाओं पर चिन्तन-मंथन करना जरूरी है। क्योंकि भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में पर्यटन की संभावनाएं अनंत हैं। यहाँ हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर गोवा और अंडमान के समुद्र तटों तक, काशी और बोधगया की आध्यात्मिक आभा से लेकर अजमेर और पुष्कर की आस्था तक, केरल के बैकवाटर्स से लेकर राजस्थान के रेगिस्तान तक हर अनुभव अपने आप में अद्वितीय है। यही कारण है कि भारत का पर्यटन उद्योग आज नई उड़ान भर रहा है और वैश्विक मानचित्र पर अपनी पहचान बना रहा है। विश्व पर्यटन दिवस दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिये तो आमंत्रित करता ही है, लेकिन भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण दुनिया के पर्यटकों के लिये विशेष आकर्षक का केन्द्र बन रहा है। जो जीवन में खुशियां एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर भी करता है। आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल बदलते समय के साथ विश्व पर्यटन दिवस नई पहलों, नीतिगत सुधारों और क्षेत्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले दिन के रूप में विकसित हुआ है। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन, विश्व मानवता को बल देना, युद्धमुक्त वातावरण और विविध वैश्विक सांस्कृतिक विरासत और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देकर विश्व समुदायों को सशक्त बनाना है। भारत में पर्यटन के आर्थिक प्रभाव बेहद व्यापक हैं। यह भारत की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देता है और करोड़ों लोगों के लिए रोजगार का सबसे बड़ा साधन बन चुका है। गाँवों और कस्बों तक पर्यटन का असर पहुँच रहा है, जिससे स्थानीय हस्तशिल्प, लोककला और खानपान को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है। विदेशी पर्यटक न केवल हमारी संस्कृति और आध्यात्मिकता से प्रभावित होते हैं। पर्यटन के सामाजिक प्रभाव भी उल्लेखनीय हैं। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बनकर विभिन्न धर्मों, भाषाओं और परंपराओं के बीच सद्भाव और भाईचारे को बढ़ाता है। महिला सशक्तिकरण और युवा उद्यमिता को पर्यटन ने नया आयाम दिया है। होम-स्टे, गाइडिंग, हस्तशिल्प और लोक-

कलाओं में महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। यही नहीं, ग्रामीण पर्यटन ने गाँवों को विकास के नए अवसर प्रदान किए हैं और पलायन की समस्या को कम करने की क्षमता दिखाई है। राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से भी पर्यटन भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूत करता है। 'इनक्रेडिबल इंडिया' और 'देखो अपना देश' जैसे अभियानों ने भारत की वैश्विक पहचान को और गहरी किया है। हाल के वर्षों में भारत ने जी-20 जैसे आयोजनों के जरिए अपने पर्यटन स्थलों की भव्यता और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया, जिससे न केवल राजनीतिक विश्वास बढ़ा बल्कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति का विस्तार भी हुआ। पड़ोसी देशों के साथ बौद्ध और आध्यात्मिक सर्किट की योजनाओं ने भारत को एशिया का आध्यात्मिक केंद्र स्थापित करने में मदद की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यटन को भारत की शक्ति बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा', 'देखो अपना देश' अभियान और 'प्रोजेक्ट आध्यात्मिक सर्किट' जैसी योजनाओं के माध्यम से पर्यटन को जन-आंदोलन का रूप दिया है। योग और आयुर्वेद को विश्वभर में लोकप्रिय बनाने के उनके प्रयासों ने भारत को हेल्थ और वेलनेस टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बना दिया है। मोदी सरकार स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स, हवाई अड्डों का विस्तार, चारधाम परियोजना, उच्च गति रेल और 'भारतमाला' जैसी योजनाएं पर्यटन को नई सुविधाओं से जोड़ रही हैं। प्रधानमंत्री का यह मानना है कि भारत का हर गाँव और हर शहर अपने आप में एक अनोखा पर्यटन स्थल है और उसकी कहानी दुनिया तक पहुँचाई जानी चाहिए। आज जब डिजिटलाइजेशन ने पर्यटन को नई दिशा दी है, ऑनलाइन टिकटिंग, वर्चुअल टूर और एआई आधारित यात्रा मार्गदर्शन ने पर्यटन को आधुनिक युग से जोड़ दिया है। सस्टेनेबल टूरिज्म पर जोर देकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रकृति और संस्कृति दोनों की सुरक्षा बनी रहे। मिलेनियल्स और नई पीढ़ी अनुभव-आधारित और साहसिक पर्यटन की ओर आकर्षित हो रही है और भारत इस अवसर को भुनाने में आगे बढ़ रहा है। भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन बाजार बनने के लिए तैयार है। भारत में पर्यटन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार बनने की उम्मीद है। 2023 में, भारत में पर्यटन पर होने वाला खर्च 2019 के 127 बिलियन डॉलर से बढ़कर 174 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। सबसे ज्यादा पर्यटक तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित 5 राज्यों में गए, जहाँ कुल मिलाकर 65 प्रतिशत पर्यटक आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से धार्मिक पर्यटन को नये पंख लगे हैं, अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का मन्दिर एवं प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने धार्मिक पर्यटन के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा दी जा रही है। भारत असंख्य पर्यटन अनुभवों और मोहक स्थलों का देश है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों, नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हो, इसके चमकीले रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। केरल, शिमला, गोवा, आगरा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मथुरा, काशी जैसी जगहें तो अपने विदेशी पर्यटकों के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या एवं काशी की कायाकल्प करके दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। भारत में अपने लोगों के साथ लाखों विदेशी लोग प्रतिवर्ष भारत घूमने आते हैं। भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों या खूबसूरत समुद्री-तटों की यात्रा पर निकले हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में तो लोगों को घूमते-घूमते महीना बीत जाते हैं। भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक धरोहर के कारण दुनिया के प्रमुख पर्यटन देशों में शुमार होता है। यहां के हर राज्य की अलौकिक और विलक्षण विशिष्टताएं हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। उन पर्यटकों के लिए भारत-यात्रा का विशेष आकर्षण है जो शांत, जादुई, सौंदर्य और रोमांच की तलाश में रहते हैं। इन पर्यटकों के लिये भारत में विपुल यात्रा साहित्य अपनी एक विशेष पहचान और उपयोगिता को लेकर प्रस्तुत होता रहा है। पुखराज सेठिया की पुस्तक 'आओ घूमे अपना देश' एक सार्थक एवं उपयोगी पुस्तक है। विश्व पर्यटन दिवस हमें यह संदेश देता है कि भारत के पास विश्व को दिखाने के लिए अनंत वैभव और विविधता है। यदि हम पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक सुविधाओं और वैश्विक मानकों को ध्यान में रखते हुए पर्यटन का विकास करें तो आने वाले समय में भारत न केवल एक पर्यटन शक्ति बनेगा बल्कि अपनी आध्यात्मिक विरासत और सांस्कृतिक धरोहर से विश्व का नेतृत्व भी करेगा।

पर्यटन केवल मनोरंजन का साधन भर नहीं है, बल्कि यह किसी भी राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का आधार स्तंभ है। इस वर्ष की थीम कुछ स्रोतों में 'पर्यटन और हरित निवेश' या 'पर्यटन और सतत परिवर्तन' बतायी जा रही है जिसका उद्देश्य पर्यटन को स्थिरता और समावेशिता के साथ बढ़ावा देना है। यह थीम स्थायी पर्यटन के लिए हरित निवेश की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है, जो समुदायों और ग्रह दोनों के लिए फायदेमंद है। जिसके माध्यम से, पर्यटन में वैश्विक सहयोग और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा दिया जाएगा, जिसमें हरित निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को कम करना शामिल है। यह दिवस मनाते हुए भारत की पर्यटन संभावनाओं पर चिन्तन-मंथन करना जरूरी है। क्योंकि भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में पर्यटन की संभावनाएं अनंत हैं।

कुछ अलग

गांधी को आने दो

वर्मा सर, आप तो पूरे दफ्तर में अपने ईमानदार कार्यों के लिए मशहूर हैं, शायद इसीलिए आपने अपने कमरे में गांधी जी की तस्वीर लगा रखी है। पर दो-दो क्यों ?एक आपकी आंखों के सामने लटकी है और दूसरी आपके पीठ के पीछे। ऐसा क्यों ?' अधीनस्थ शर्मा जी अपने बॉस वर्मा जी से पूछ रहे थे। 'वो इसलिए शर्मा जी कि मेरे सामने बैठा आगंतुक मेरे पीछे लगी गांधी जी की तस्वीर को देखकर झूठ न बोले।' 'और आपके सामने? उसका क्या रहस्य है?' 'रहस्य?' वर्मा जी कैसे बताते अपनी कारिस्तानी को, कि जब मैं झूठ बोलता हूं तो निश्चिंत रहता हूं कि झूठ बोलते समय गांधी जी मुझे देख नहीं रहे हैं। चूंकि दस में से आठ झूठ तो रोज मैं, बोल ही लेता हूं।इसलिए अंडर दि टेबल काम करते हुए मैं कभी-कभी चपरासी को बुलाकर कुछ आदेश देता हूं। फिर चपरासी दो घंटे में लौटता है, बस इस बीच मैं अपने दो-तीन ठेके, दलालों के साथ झूठ बोलते-बोलते निपटा ही देता हूं। 'सब कुछ सीक्रेट है शर्मा जी, सीक्रेट।' वर्मा जी कैसे यह और बताते कि मुझे तस्वीर पर लदी धूल से दरअसल कोई दिक्कत नहीं है। बस जब मुझे झूठ बोलना होता है तो उससे पहले ही मैं चपरासी को बुलाकर अपने सामने वाली इस तस्वीर को साफ करने को कहता हूं। शर्मा जी बिना कुछ कहे सब कुछ समझ गए। सभी सरकारी कर्मचारी चूंकि अक्सर एक ही मिट्टी के बने होते हैं, इसलिए एक-दूसरे को समझने के लिए उन्हें ज्यादा बोलना नहीं पड़ता। इसलिए बोले- 'समझ गया, समझ गया, सरतभी शायद आपके सामने वाली तस्वीर पर धूल नहीं दिखती है, पर आपके पीछे वाली धूल से भरी है, फिर अचानक बोले, 'वर्मा जी, आज चाय-वाय नहीं पिलाएंगे क्या?' 'नहीं, नहीं शर्मा जी, अभी नहीं, अभी मीटिंग चालू हैपहले गांधी को आने दो।..फिर पिलाएंगे चाय आपको।

देश दुनिया से

आस्था-विश्वास का प्रतीक कालीघाट मंदिर

पश्चिम बंगाल के कोलकाता का कालीघाट शक्तिपीठ सबसे प्रसिद्ध स्थानों में से एक है। यहां माता के बाएं पैर का अंगूठा गिरा था। देवी यहां कालिका रूप में विराजमान हैं और भैरव को नकुशील कहा जाता है। कालीघाट मंदिर विश्वविख्यात है और लाखों श्रद्धालु प्रतिवर्ष यहां दर्शन के लिए आते हैं। कोलकाता के लोगों के लिए, कालीघाट मंदिर न केवल पूजा का स्थान है बल्कि शहर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी है। मंदिर का एक प्राचीन और आकर्षक इतिहास है। माना जाता है कि इसकी स्थापना 12वीं शताब्दी में हुई थी। यह मंदिर अनेक वर्षों से अनगिनत भक्तों के लिए आस्था व भक्ति का स्रोत रहा है। यहां भक्त अपने जीवन के सुख-दुख में देवी काली से आशीर्वाद लेने आते हैं। मंदिर के बाहर लगी दुकानों से प्रसाद की डलिया और मां को चढ़ाने के लिए 'शंखा-पोला' मिलता है। बंगाली संस्कृति में 'शंखा-पोला' पहनना विवाहित स्त्रियों के लिए बहुत शुभ और अनिवार्य माना जाता है। कालीघाट मंदिर, हिंदू देवी काली को समर्पित है और यह भारत के सबसे प्रसिद्ध काली मंदिरों में से एक है। यह आदि गंगा के तट पर स्थित है, जो हुगली नदी से मिलने वाली एक छोटी-सी नहर है। हर दिन हज़ारों काली भक्त मंदिर में आते हैं और पूजा करते हैं। यह एक शक्ति पीठ है। कालीघाट मंदिर से जुड़ी कई कहानियां हैं। बहुचर्चित कहानियों में से एक आत्माराम नामक ब्राह्मण की है, जिसने भागीरथी नदी में एक मानव पैर के आकार की संरचना देखी। लोगों का मानना है कि उसे एक प्रकाश की किरण द्वारा निर्देशित किया गया था जो पानी से आती हुई प्रतीत हो रही

थी। उसे सपने में बताया गया कि पैर की अंगुली देवी सती की है। उसे सपनों में मां काली का एक मंदिर स्थापित करने के लिए कहा गया। उसे नकुलेश्वर भैरव के स्वंभू लिंगम् की तलाश करने के लिए भी कहा गया। ब्राह्मण ने शंभु लिंगम् पाया, और लिंगम और पैर के आकार की संरचना की पूजा करना शुरू कर दिया। कालीघाट मंदिर का संदर्भ पंद्रहवीं शताब्दी के मानसर भाषन के संश्लेषण और कवि चंडी में पाया गया है। कालीघाट काली मंदिर का उल्लेख लालमोहन बिद्यानिधि के 'संबंदा निर्णय' में भी किया गया है। वर्तमान मंदिर 200 साल पुराना है और इसे उन्नीसवीं शताब्दी में बनाया गया था। जेस्सोर के राजा राजा बसंत रॉय ने मूल मंदिर का निर्माण कराया था। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवी सती ने अपने पिता के घर में अपने पति शिव को मान न देने पर खुद को यज्ञ की अग्नि में जिंदा जला दिया था। जिससे भगवान शिव क्रोधित हो गए और उन्होंने सती के शरीर को अपने कंधे पर रख लिया। उन्होंने तांडव नृत्य करना शुरू कर दिया था। इससे देवता घबरा गए और भयभीत हो गए। उन्होंने भगवान विष्णु से हस्तक्षेप करने के लिए कहा। भगवान विष्णु ने तब सती की पार्थिव देह को खंडित किया तो ऐसा माना जाता है कि कालीघाट वह स्थान है जहां सती के दाहिने पैर की उंगलियां गिरी थीं। यहां प्रतिदिन देवी काली की पूजा हजारों लोग करते हैं जो भारत और दुनिया भर के हिस्सों से आते हैं। यहां देवी काली की मूर्ति, उनकी अन्य मूर्तियों से अलग है। मूर्ति में तीन आंखें, चार हाथ और एक लंबी उभरी हुई जीभ शामिल है। उनकी जीभ प्रतिमा में स्वर्ण से बनी है। मूर्ति को आत्माराम गिरि और ब्रह्मानंद गिरि द्वारा बलुआ पत्थर से बनाया गया है। देवी के एक हाथ में राक्षस शुम्भ का सिर है। दूसरे हाथ में एक तलवार है जो दर्शाती है कि अहंकार का अंत होता है। इस मंदिर में यूं तो सालभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है लेकिन दुर्गा पूजा और काली पूजा के समय विशेष रूप से श्रद्धालु यहां आते हैं। दुर्गापूजा और काली पूजा यानी दिवाली के समय तो यहां की शोभा देखते बनती है। इस मंदिर की स्नान यात्रा भी बहुत प्रसिद्ध है। पुजारी अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर मूर्तियों को स्नान कराते हैं। मंदिर में लोगों की भीड़ हो जाती है जिससे कभी-कभी भक्तों को संभालना मुश्किल हो जाता है। यह मंदिर अपनी खूबसूरत और अनोखी वास्तुकला के लिए जाना जाता है। यहां तीन पत्थर हैं जो देवी षष्ठी, शीतला और मंगल चंडी का प्रतिनिधित्व करते हैं। यहां सभी पुजारी महिलाएं हैं। माना जाता है कि मंदिर में एक तालाब में गंगा का पानी है जिसे बहुत पवित्र माना जाता है। इस स्थान को 'काकू-कुंड' के नाम से जाना जाता है। भक्तों का मानना है कि तालाब में स्नान करने से कई लाभ होते हैं। ऐसा माना जाता है कि कई निःसंतान दंपति संतान प्राप्ति के लिए यहां स्नान करते हैं। स्नान घाट को जोर-बांग्ला के नाम से जाना जाता है। यहां राधा-कृष्ण को समर्पित एक स्थान भी है, जिसे शमो-रे मंदिर के नाम से जाना जाता है। वर्तमान दृश्य मंदिर की स्थापना सन 1809 में हुई थी। यह मंदिर कोलकाता के सबर्ण रॉय चौधरी नामक धनी व्यापारी के सहयोग से पूरा हुआ। इसके अलावा 15वीं और 17वीं शताब्दी की कुछ प्राचीन मूर्तियों में भी इस मंदिर का जिक्र मिलता है। कालीघाट मंदिर में गुप्त वंश के कुछ सिक्के मिलने के बाद यह पता चलता है कि गुप्त काल के दौरान भी इस मंदिर में लोगों का आना-जाना बना हुआ था। यह मंदिर जितना प्राचीन है उतना ही भव्य है। कोलकाता का नाम भी कलकत्ता, इसी मंदिर के नाम पर रखा गया था। कालीघाट मंदिर, कोलकाता की पहचान है जिसके प्रति न केवल यहां के लोग बल्कि दूसरे राज्यों और देशों के भक्तों की श्रद्धा भी उन्हें यहां खींच लाती है।

आप का नजरिया

ये हवाएं टकराएंगी

हिमाच में आंदोलनों के संदर्भ बदलने लगे हैं और यह सामाजिक अधिकारों की नई व्याख्या का प्रकटीकरण है। आश्चर्य यह कि दो आंदोलनों ने इस बार कांगड़ा की बिसात को गर्माहट दी है। पहला संघर्ष ओबीसी जमात के संवैधानिक अधिकारों की पैरवी में राजनीति के कई अध्याय खोल गया, तो उसके बाद अदालत के आदेशों पर अवैध निर्माण की पैमाइश के विरोध में आंदोलन का माहौल बन गया। जनता में आक्रोश की भुजाएं यूं ही नहीं उठतीं और जहां 'मेरा घर-मेरा अधिकार-मेरा रोजगार' के नारे लगे वहां युवा ऊर्जा का मेला देखा जा सकता है। हम हाल की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के सदके माहौल की कुंठाओं को अगर नजरअंदाज करेंगे, तो पड़ोसी राज्यों की हवाएं इधर भी टकराएंगी। लद्दाख में आक्रोश की गलियों में विस्फोट को कानून व्यवस्था की दृष्टि से सही न भी ठहराएं, मगर मुद्दों की रगड़ को पहचानना होगा। बेशक वहां आंदोलन में राजनीतिक समानता के प्रश्न, भौगोलिक अस्तित्व की उम्मीदें और बेरोजगारी के जख्म रिसे हैं, लेकिन लगातार नजरअंदाज हुए युवाओं ने सडक़ को समय का घाव बता दिया। कमोबेश ऐसा ही संघर्ष देहरादून के राजधानी पथ पर लाल होता दिखा, तो मानना पड़ेगा कि अब देश के प्रश्न युवाओं की जुबान पर और उनके लिए राजनीति और शासन को बदलना पड़ेगा। इधर हिमाचल में युवा पीढ़ी और शासन की सीढ़ी में सामंजस्य की दरकार है। हमने औद्योगिक विकास पर भले ही सत्तर फीसदी हिमाचली रोजगार टांग दिया, लेकिन देखा नहीं कि इस अधिकार की प्रेरणा में बीबीएन का मानचित्र कब मुकम्मल होगा। सरकारी नौकरी के ढोल फटे के फटे रह गए, तो शिक्षा के प्रांगण का चरित्र जीने का एहसास नहीं दिला सका। राजनीति के सारे वक्तव्य कब युवा के संबोधन बने। माफ करना, अब इमारतें नहीं, युवा बोल रहे हैं। डिग्रियां नहीं बेरोजगारी बोल रही है। पिछले दो तीन दशकों से प्रदेश की राजनीति ने जो मिल बांट के खाया, आज उसके विपरीत भूखे मुद्दे शेर बने नजर आ रहे हैं। विश£षण यह होना चाहिए कि हिमाचल की सरकारों ने कैसे बजट, विकास, सामाजिक आस और सार्वजनिक चरित्र पैदा किया कि राज्य की महत्त्वाकांक्षा भी राजनीतिक, लेकिन प्रदेश अपने व्यवहार में सरकारी नौकर हो गया। सरकारी नौकरी में रोजगार को परिभाषित करते-करते राज्य के सारे पांव उधार के दलदल में धंस गए हैं और अब मुसीबत यह कि आर्थिक सुधारों की जरूरत पर भी सत्ता बनाम विपक्ष करके हम आने वाली पीढ़ी को सिर्फ आक्रोश दे रहे हैं। जब राजनीति के बड़े पर्दे पर युवा खुद को नहीं देखते, तो उनकी हसरतें उन्मादी हो सकती हैं। आश्चर्य है कि रोजगार की विसंगतियों को दुरुस्त करने के बजाय सरकारी नौकरी के उपहार और पुरस्कार इस हद तक तैयार होते हैं कि बड़े पदों के आला अधिकारी रिटायरमेंट के बाद भी सेवा विस्तार के पात्र बने रहते हैं। नौकरी तिलिस्म हो सकता है, लेकिन रोजगार आशा का सबसे बड़ा सबब है। हमारे रोजगार का ढांचा आखिर है क्या। कुछ रोजगार कार्यालयों का विस्तार, कर्मचारी चयन आयोग, राज्य सेवा आयोग या कुछ अन्य परीक्षाएं। इस समय हिमाचल की 28 से तीस प्रतिशत युवा आबादी या तो पढ़ कर खुद को कोस रही है या शिक्षा की प्रक्रिया में भविष्य के मंसूबे जोड़ रही है। रोजगार के लिए सरकारी कार्यालयों का विस्तार नहीं स्वरोजगार का ढांचा, निजी निवेश को प्रोत्साहन, नवाचार का आधार तथा आई टी व औद्योगिक पार्कों का विस्तार आवश्यक हो जाता है, वरना युवा पीढ़ी जिन रास्तों पर धक्के खा रही है, उन्हीं के पत्थर उठा कर, किसी न किसी बहाने जीने के अधिकार पर अपने गुस्से का इजहार करेगी। नीतियां, समाधान व प्राथमिकताएं बदल कर युवा महत्त्वाकांक्षा की सार्थकता को प्रदेश की ताकत बनाने की जरूरत है। सरकारी कर्मचारी नहीं, हिमाचल के युवा को जीने का पुख्ता आधार देना होगा।

पहला संघर्ष ओबीसी जमात के संवैधानिक अधिकारों की पैरवी में राजनीति के कई अध्याय खोल गया, तो उसके बाद अदालत के आदेशों पर अवैध निर्माण की पैमाइश के विरोध में आंदोलन का माहौल बन गया। जनता में आक्रोश की भुजाएं यूं ही नहीं उठतीं और जहां 'मेरा घर-मेरा अधिकार-मेरा रोजगार' के नारे लगे वहां युवा ऊर्जा का मेला देखा जा सकता है। हम हाल की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के सदके माहौल की कुंठाओं को अगर नजरअंदाज करेंगे, तो पड़ोसी राज्यों की हवाएं इधर भी टकराएंगी। लद्दाख में आक्रोश की गलियों में विस्फोट को कानून व्यवस्था की दृष्टि से सही न भी ठहराएं, मगर मुद्दों की रगड़ को पहचानना होगा। बेशक वहां आंदोलन में राजनीतिक समानता के प्रश्न, भौगोलिक अस्तित्व की उम्मीदें और बेरोजगारी के जख्म रिसे हैं, लेकिन लगातार नजरअंदाज हुए युवाओं ने सडक़ को समय का घाव बता दिया। कमोबेश ऐसा ही संघर्ष देहरादून के राजधानी पथ पर लाल होता दिखा, तो मानना पड़ेगा कि अब देश के प्रश्न युवाओं की जुबान पर और उनके लिए राजनीति और शासन को बदलना पड़ेगा। इधर हिमाचल में युवा पीढ़ी और शासन की सीढ़ी में सामंजस्य की दरकार है। हमने औद्योगिक विकास पर भले ही सत्तर फीसदी हिमाचली रोजगार टांग दिया, लेकिन देखा नहीं कि इस अधिकार की प्रेरणा में बीबीएन का मानचित्र कब मुकम्मल होगा।

दृष्टि कोण

दीनदयाल उपाध्याय का जीवन दर्शन और राजनीति

दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक थे। 1950 में जब भारतीय जनसंघ का गठन हुआ तो वे जनसंघ का कार्य देखने लगे। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था यदि मुझे दीनदयाल उपाध्याय जैसे चार कार्यकर्ता मिल जाएं, तो मैं देश की राजनीति बदल सकता हूं। शायद यही कारण था कि जब जनसंघ की स्थापना के दो वर्ष के भीतर ही डा. मुखर्जी की श्रीनगर की जेल में संदिग्ध हालात में मृत्यु हो गई तो बहुत से लोगों को लगता था कि अब जनसंघ चल नहीं पाएगा। दीनदयाल ने इस आशंका को निर्मूल सिद्ध किया और जनसंघ प्रगति पथ पर बढने लगा। उपाध्याय जी जोडने की कला में माहिर थे। वे भारत की सांस्कृतिक चेतना से अनुप्राणित विद्वानों की खोज में निरंतर लगे रहते थे। 1962 में चीनी आक्रमण से आहत और आक्रमण से पूर्व पंडित नेहरु को चीन की कुटिल मानसिकता से सावधान करते रहने वाले आचार्य रघुवीर ने नेहरु की अव्यावहारिकता चीन नीति से दुखी होकर कांग्रेस को अलविदा कह दी तो उनको भारतीय जनसंघ से जोडने में उपाध्याय की ही महत्त्वपूर्ण भूमिका थी (1962 में जब चीन ने भारत पर आक्रमण कर दिया तो आचार्य रघुवीर की आशंका सही साबित हुई)। इतना ही नहीं उपाध्याय जी ने आचार्य रघुवीर को जनसंघ का अखिल भारतीय अध्यक्ष भी बनाया था। भारतीय जनसंघ के 1962 में हुए दसवें अधिवेशन में रघुवीर जी का दिया गया उनका भाषण, आज भी भाजपा का आधारभूत दस्तावेज माना जाता है। 1962 तक आते- आते भारतीय जनसंघ की अपनी विशिष्ट वैचारिक पहचान बनने लगी थी। अभी तक देश में बहस इस बात को लेकर होती रही थी कि भारत के लिए कौन सी विदेशी विचारधारा श्रेयस्कर है। साम्यवाद या पूंजीवाद। भारतीय राजनीति में अपना स्थान स्थापित करने के बाद जनसंघ ने यह बहस चला दी थी कि भारत के लिए भारतीय जीवन दर्शन से निकली वैचारिक गंगा ही श्रेयस्कर हो सकती है। इस हेतु 11-15 अगस्त, 1964 को ग्वालियर में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों का एक शिविर आयोजित

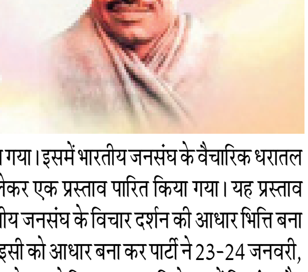

किया गया। इसमें भारतीय जनसंघ के वैचारिक धरातल को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया गया। यह प्रस्ताव भारतीय जनसंघ के विचार दर्शन की आधार भित्ति बना और इसी को आधार बना कर पार्टी ने 23-24 जनवरी, 1965 के अपने विजयवाड़ा अधिवेशन में सिद्धांत और नीति दस्तावेज तैयार किया। इस प्रस्ताव को आधार बना कर दीनदयाल उपाध्याय ने विजयवाड़ा अधिवेशन के तीन मास बाद 22-25 अप्रैल, 1965 को मुंबई में जनसंघ कार्यकर्ताओं के एक शिविर में चार व्याख्यान दिए थे। उपाध्याय के ये चार व्याख्यान बौद्धिक जगत में एकात्म मानववाद के नाम से प्रसिद्ध हुए। लेकिन बाद के वर्षों में जनसंघ के भीतर ही बहस शुरू हुई कि किसी भी विचार को 'वाद' बना कर उसे जड़ता की हालत में कैसे रहने दिया जा सकता है? कोई भी विचार, प्रयोग या सत्य अंतिम तो नहीं हो सकता। वाद, विचार या प्रयोग के आगे दीवार बन कर उसके विकास का रास्ता अवरुद्ध कर देता है। वाद शब्द किसी भी विचार सारिणी के आगे दीवार बन जाता है और चिंतन की निरंतरता को अवरुद्ध करता है। कोई भी वक्तवय, ऐसे ही लिखा जा सकता है कि अभी तक जितना पता चला है, उसके बाद रास्ता खुला रखना होगा ताकि भावी पीढियां उसमें कुछ अपना योगदान पा सके। शाश्वत तथ्यों को छोड़ कर कुछ भी अंतिम नहीं है। इसमें तुरंत 'एकात्म मानववाद' को 'एकात्म मानवदर्शन' का नाम दे दिया गया। वाद पश्चिम का रास्ता है, दर्शन भारत का रास्ता है। दीनदयाल का रास्ता विचार यात्रा का यही सनातन रास्ता था। अर्थनीति में प्रचलित दो विचार धाराओं मसलन पूंजीवाद और साम्यवाद/माक्र्सवाद से बेहतर एकात्म मानव दर्शन हो सकता है, विश्वविद्यालयों में इस पर भी चर्चा प्रारंभ हो गई। वैसे भी दीनदयाल उपाध्याय पूंजीवाद और माक्र्सवाद को एक ही सिक्के के दो पहलू मानते थे। उनका मानना था कि इन दोनों चिंतनों में कोई मौलिक अंतर नहीं है। मोटे तौर पर दोनों दर्शन मनुष्य को एक आर्थिक प्राणी मान कर चलते हैं और मानते हैं कि यदि उसकी भौतिक आवश्यकताएं पूरी हो जाएं तो वह सुखी हो सकता है। दोनों दर्शनों में केवल एक ही मुद्दे को लेकर विवाद है कि संपत्ति पर या उत्पादन के साधनों पर नियंत्रण किसका हो? व्यक्ति का या राज्य का? साम्यवाद राज्य का नियंत्रण चाहता है और पूंजीवाद व्यक्ति का नियंत्रण चाहता है। इसलिए अपने मौलिक रूप में ये दोनों विचारधाराएं भौतिकवादी हैं। दोनों मनुष्य को पदार्थ या मैटर के रूप में ही देखती हैं। लेकिन मूल प्रश्न तो दूसरा है। क्या दुनिया भर में मनुष्य का व्यवहार सचमुच भौतिकता (मैटर) से ही संचालित होता है? पदार्थ या मैटर तो जड़ है।

बलुचिस्तान लिबरेशन फ्रंट का खारान में सुरक्षा बलों के केंद्रीय शिविर पर हमला, सोराब में हथियार और वाहन छीने

क्वेटा (बलुचिस्तान)पाकिस्तान, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

बलोचिस्तान के खारान शहर के बीचों-बीच स्थित पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के केंद्रीय शिविर पर बड़ा हमला हुआ है। हमले में हुए जान-माल की क्षति की तत्काल पुष्टि नहीं हो सकी। उधर, सोराब में अज्ञात बंदूकधारियों ने संघीय सरकार के सुरक्षा कर्मचारियों को बंधक बनाकर उनके हथियार और वाहन छीन लिए। इस बीच, पूर्व बलोच छात्र नेता जुबैर बलोच को उनके पैतृक गांव मस्तुंग में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। पाकिस्तान सुरक्षा बलों के छापे में उनकी मौत हो गई थी। खारान हमले और सोराब की घटना पर अभी तक कोई सरकारी बयान सामने नहीं आया है।

रिपोर्ट के अनुसार खारान हमले की जिम्मेदारी बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने ली है। फ्रंट के प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने कहा कि गुरुवार दोपहर एक बजे लड़ाकों ने आधुनिक हथियारों और ग्रेनेड लांचरों के साथ खारान शहर के केंद्र में कब्जे वाले पाकिस्तानी बलों के केंद्रीय शिविर पर हमला किया। प्रवक्ता ने दावा किया कि इससे सुरक्षा बलों को काफी नुकसान हुआ है। फ्रंट बलोचिस्तान के गांवों, पहाड़ों, शहरों और राजमार्गों पर जबरिया कब्जा करने वाली पाकिस्तान की सेना को उखाड़कर ही दम लेगा।

सोराब की घटना की अभी तक किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है। रिपोर्ट के अनुसार, सोराब तारिकी डैम इलाके में दर्जनों हथियारबंद लोगों ने हमला कर इलाके पर कब्जा कर लिया। इस दौरान हथियारबंद लोगों ने सीमा शुल्क विभाग के दो सरकारी वाहन, हथियार और अन्य सरकारी उपकरण छीन कर अधिकारियों को बंधक बना लिया। इसके अलावा हथियारबंद लोगों ने पास की लेवी और कस्टम चेक पोस्टों पर हमलाकर हथियार और रसद सामग्री लूट ली।

एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, दलबंदिन क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना के हाथों मारे गए बलोच छात्र संगठन के पूर्व अध्यक्ष, राजनीतिक कार्यकर्ता और वकील जुबैर बलोच की जनाजे की नमाज गुरुवार को उनके पैतृक गांव मस्तुंग में अदा की गई। इसके बाद बलोच को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया गया। इस मौके पर बलोच छात्र संगठन सहित विभिन्न प्रगतिशील राजनीतिक दलों के नेता, नागरिक समाज के प्रतिनिधि, लेखक, बुद्धिजीवी और अन्य विचारधारा के लोग मौजूद रहे। बलोचिस्तान के राजनीतिक, सामाजिक और मानवाधिकार संगठनों ने जुबैर की हत्या की कड़ी निंदा की और कहा कि राज्य बलोचिस्तान में आवाजों को बलपूर्वक दबाने की कोशिश कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

शहबाज-मुनीर की फिर इंटरनेशनल बेइज्जती ट्रंप से मिलने के लिए व्हाइट हाउस में करना पड़ा लंबा इंतजार

वाशिंगटन,26 सितंबर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप से ओवल ऑफिस में मुलाकात के दौरान कूटनीतिक असहजता देखने को मिली। मुलाकात से पहले दोनों नेताओं को करीब एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। इसी दौरान ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में चुटकी लेते हुए कहा, *पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल शायद इस कमरे में मौजूद हों, क्योंकि हम देर से हैं।* इस टिप्पणी को लेकर पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा।

23 सितंबर को भी हुई थी अनौपचारिक मुलाकात

इससे पहले 23 सितंबर को शहबाज शरीफ की ट्रंप से एक अनौपचारिक मुलाकात हुई थी। यह बैठक ट्रंप और आठ इस्लामिक-अरब देशों के नेताओं के साथ हुई वार्ता के बाद आयोजित की गई थी।

उस समय पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इशाक डार भी मौजूद थे। कूटनीतिक जानकारों का मानना है कि यह मुलाकात हाल के वर्षों में बिगड़े रिश्तों के बाद अमेरिका और पाकिस्तान के बीच बढ़ती नजदीकियों का संकेत है।

अमेरिका को पुरानी बीमारियों पर संयुक्त राष्ट्र का घोषणापत्र अस्वीकार

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। अमेरिका ने गुरुवार को पुरानी बीमारियों से निपटने और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने संबंधी संयुक्त राष्ट्र के राजनीतिक घोषणापत्र को अस्वीकार कर दिया। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इसकी भाषा पर उसे आपत्ति है। संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधियों से बात करते हुए स्वास्थ्य एवं मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश में पुरानी बीमारियों की महामारी को हल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन यह घोषणापत्र संयुक्त राष्ट्र की उचित भूमिका से आगे बढ़कर सबसे जरूरी स्वास्थ्य मुद्दों की अनदेखी करता है। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन के बार-बार उल्लेख पर भी आपत्ति जताई और कहा कि जब तक इसमें आमूल-चूल सुधार नहीं हो जाते, तब तक यह संगठन विश्वसनीयता या नेतृत्व का दावा नहीं कर सकता। द हिल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने जनवरी में अपने कार्यकाल की शुरुआत में ही वैश्विक स्वास्थ्य संस्था से अमेरिका को अलग करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। कैनेडी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के संकट से निपटने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन की पहली प्राथमिकता अमेरिका को फिर से स्वस्थ बनाने की है। कैनेडी ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और उनसे जुड़ी चिकित्सीय एवं शारीरिक बीमारियों के खिलाफ वैश्विक स्तर पर प्रयासों का नेतृत्व करना चाहते हैं।

ट्रंप ने दवाओं पर लगाया 100 फीसदी टैरिफ, 1 अक्टूबर से होगा लागू, भारत पर भी पड़ेगा असर

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रात दिन टैरिफ ही दिखाई दे रहा है। उन्हे जब जहां मौका दिखता है वे टैरिफ लगाने में कोताही नहीं बरतते हैं। उन्होंने गुरुवार को ब्रैंडेड पेटेंट दवाओं पर 100 फीसदी टैरिफ की घोषणा कर दी है। ये नई दरें 1 अक्टूबर से लागू हो जाएंगी। माना जा रहा है कि भारत के दवा निर्माताओं को भी यह बड़ा झटका है। दवाओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का असर भारत की दवा कंपनियों पर ज्यादा पड़ने वाला है। साल 2024 में भारत ने 31,626 करोड़ से ज्यादा की दवाओं का अमेरिका में निर्यात किया था। वहीं 2025 में अब तक ही भारत अमेरिका को 32,5050 करोड़ रुपये की दवाएं दे चुका है। भारत की कम कीमत में मिलने वाली जेनरिक दवाओं की मांग अमेरिका में भी ज्यादा है। डॉ. रेड्डी, सन फार्मा, ल्यूपिन और अरबिंदो जैसी कंपनियां अमेरिका में व्यापार करके भारी मुनाफा कमाती हैं। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप ने सिर्फ ब्रैंडेड और पेटेंट दवाओं पर ही टैरिफ लगाया है। अभी यह बात स्पष्ट भी नहीं है कि कॉम्प्लेक्स जेनरिक दवाओं पर कितना टैरिफ लागू होगा। बता दें अमेरिका ने पहले से ही भारत पर 50 फीसदी का टैरिफ लगाया है।

डेमोक्रेट्स शटडाउन पर ट्रंप से दो-दो हाथ करने को तैयार

वाशिंगटन (अमेरिका), 26 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में सरकारी शटडाउन की आहट के बीच डेमोक्रेट्स के सामने करो या मरो की स्थिति है। ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि इस बार वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप से दो-दो हाथ करने को तैयार हैं। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का मानना है कि सबसे बड़ा पाप शटडाउन की लड़ाई में ट्रंप से हारना नहीं, बल्कि लड़ने से इनकार करना होगा।

एनबीसी न्यूज चैनल के अनुसार, इंडिविजिबल की सह कार्यकारी निदेशक लीह ग्रीनबर्ग का कहना है कि डेमोक्रेट्स को यह समझ में आ गया है कि हालात कितने गंभीर, कितने नुकसानदेह और कितने खतरनाक हो गए हैं। वे जवाबी कार्रवाई के लिए अपने पास मौजूद संसाधनों और ताकत का इस्तेमाल करने के लिए तैयार हैं। इंडिविजिबल प्रगतिशील जमीनी स्तर का समूह है। इसकी अमेरिका में हजारों शाखाएं हैं।

इस संबंध में सीनेट के अल्पसंख्यक नेता चक शूमर ने कहा कि इस बार उन्होंने कमर कस ली है। मार्च में हालात दूसरे थे। इस बार ट्रंप प्रशासन को गलत नीतियों के खिलाफ झंडा बुलंद किया जाएगा। फिलिबस्टर के जरिए रोका जाएगा। माना जा रहा है कि बुधवार रात 12:01 बजे संघीय एजेंसियों का खजाना खाली हो चुका है। डेमोक्रेटिक समर्थक अपने नेताओं पर दबाव बढ़ा रहे हैं कि वे ट्रंप से रियायतें हासिल करें। कम से कम लाखों अमेरिकियों के स्वास्थ्य बीमा की लागत को सीमित करने वाली अफोर्डेबल केयर एक्ट की समाप्त हो रही सब्सिडी का विस्तार करें। कुछ का मत है कि ऐसा न होने पर शटडाउन होने दिया जाए।

कहा जा रहा है कि ट्रंप ने डेमोक्रेटिक नेताओं के साथ बातचीत करने से इनकार कर दिया है। उनके बजट निदेशक रस वॉट ने इस सप्ताह धमकी दी है कि अगर डेमोक्रेट्स नवंबर तक सरकार को वित्तपोषित करने वाले रिपब्लिकन पार्टी के विधेयक को स्वीकार नहीं करते तो वे हजारों संघीय कर्मचारियों को नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। रस के इस आक्रामक रुख ने डेमोक्रेटिक सांसदों के सामने धर्मसंकट खड़ा कर दिया है।

शूमर और हाउस माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ्रीज के लिए शटडाउन गतिरोध को दूर करना बहुत मुश्किल दिख रहा है। वे अपनी सीमित शक्ति का इस्तेमाल कर रिपब्लिकन ट्राइफेक्टा को अपने कुछ नीतिगत लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मजबूर कर सकते हैं, पर शायद ही ऐसा हो। डेमोक्रेटिक मतदाता अपनी पार्टी से नाखुश हैं और चाहते हैं कि वे ट्रंप के प्रति अधिक टकरावपूर्ण और कम समझौतावादी रुख अपनाएं।

एनबीसी ने बुधवार को जेफ्रीज से पूछा कि क्या ओबामाकेयर फंडिंग में विस्तार पर्याप्त होगा, तो उन्होंने इस सवाल को टाल दिया। उन्होंने कहा कि डेमोक्रेट्स चाहते हैं कि रिपब्लिकन मेडिकेड में कटौती को वापस लिया जाए। उन्होंने मौजूदा संकट पर रिपब्लिकन के साथ बातचीत की मेज पर आने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा,अमेरिकी लोगों की स्वास्थ्य सेवा की सुरक्षा से संबंधित कोई भी समझौता ठोस और कानून के दायरे में होना चाहिए।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि डेमोक्रेट्स रिपब्लिकन के साथ कोई भी समझौता करने से इसलिए कतराते हैं क्योंकि राष्ट्रपति को कांग्रेस के फैसले को दरकिनार करने और उन कार्यक्रमों पर खर्च करने से इनकार करने का अधिकार है, जो उन्हें पसंद नहीं हैं। यह दृष्टिकोण 1974 के इंपाउंडमेंट कंट्रोल एक्ट के विपरीत है और सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। इस बीच डेमोक्रेट-कनेक्टिकट सीनेटर क्रिस मर्फी ने डेमोक्रेट्स से ट्रंप के खिलाफ अपनी रणनीति में बदलाव करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि अगर ट्रंप उन पहलुओं को नजरअंदाज कर सकते हैं जो उन्हें पसंद नहीं हैं, तो खर्च का कोई समझौता नहीं हो सकता।

हाउस और सीनेट चुनाव में शामिल डेमोक्रेटिक रणनीतिकार रेबेका किर्स्ज़नर काट्ज़ ने कहा कि आम डेमोक्रेट वाशिंगटन के बजट मुकाबले को लेकर विशेष उत्साहित नहीं हैं, लेकिन वे ट्रंप के खिलाफ जवाबी कार्रवाई देखना चाहते हैं। और, इस समय नेतृत्व को आगे आकर यह दिखाना होगा।

नेब्रास्का में डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष जेन क्लीब का विचार भी कुछ ऐसा ही है। उल्लेखनीय है कि यह स्थिति 2018-2019 के पिछले ट्रंप शटडाउन की याद दिलाती है। यह अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर दीवार बनाने के लिए फंड की मांग को लेकर हुआ था। इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन माना जाता है।

बलुचिस्तान की खनिज संपदा पर अमेरिका ने पाक से समझौता कर हारे हुए घोड़े पर दांव लगायाः मीर यार

क्वेटा,26 सितंबर (एजेंसियां)।

बलोचिस्तान स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता मीर यार बलोच ने पिछले दिनों अमेरिका और पाकिस्तान के बीच बलोचिस्तान की खनिज संपदा को लेकर हुए समझौते पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के भ्रष्ट जनरलों के साथ इस संबंध में समझौता कर एक हारे हुए घोड़े पर दांव लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने ट्रंप को दुर्लभ खनिज निकालने का झूठा आश्वासन देकर यह समझौता किया है। मीर यार बलोच ने यह प्रतिक्रिया 25 सितंबर को एक्स पोस्ट पर दी।

बलोच नेता मीर यार ने लिखा, बलूचिस्तान के खनिजों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति का पाकिस्तान के भ्रष्ट जनरलों के साथ समझौता, एक हारे हुए घोड़े पर दांव लगाने और एक निरर्थक उद्यम में पैसा लगाने से कम नहीं है। जिस समय असीम मुनीर और शहबाज शरीफ डोनाल्ड ट्रंप को दुर्लभ खनिज निकालने के झूठे आश्वासन दे रहे थे, उसी समय बलोच स्वतंत्रता सेनानी और रक्षा बल उन खनिज समृद्ध क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण घोषित कर रहे थे, जिससे पाकिस्तान का झूठ बेहद अपमानजनक तरीके से उजागर हो रहा था।

मीर यार बलोच ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि कल रात बलूच रक्षा और सुरक्षा इकाइयों ने सुरब और कलात के दो महत्वपूर्ण जिलों पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर अपनी चौकियां स्थापित कर दीं। कब्जा करने वाली सेना के दो वाहनों को हथियारों और रसद के साथ अपने कब्जे में ले लिया। बलोच ने कहा कि यह इस बात का सबूत है कि बलोच आंदोलन मजबूत हो रहा है और कब्जा करने वाली संघीय सेना अपना प्रभावी नियंत्रण खो चुकी हैं। उन्होंने अमेरिका के प्रति सहानुभूति दिखाते हुए ट्रंप को सलाह दी कि वह पाकिस्तान के बजाय खनिज संपदा के असली मालिकों से सीधे बात करें। आपसी सम्मान, दीर्घकालिक साझेदारी और क्षेत्र के बेहतर भविष्य का निर्माण करने का यही एकमात्र तरीका है। बलोच ने कहा कि कपटी पाकिस्तान ने अपने निर्माण के बाद से दुनिया को धोखा के अलावा कुछ नहीं दिया है। एक ऐसा तथ्य है, जिसे अमेरिकी सैन्य प्रमुखों, नेताओं और यहां तक कि खुद ट्रंप ने भी बार-बार उजागर किया है।

इजराइल सीरिया से समझौता नहीं करता है तो मध्य-पूर्व उथल-पुथल में घिर सकता है

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासभा में संबोधन के लिए अपनी पहली ऐतिहासिक यात्रा पर पहुंचे सीरिया के नए राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने पिछले दिनों चेतावनी दी थी कि यदि इजराइल उनकी अंतरिम सरकार के साथ सुरक्षा समझौता नहीं करता, जो सीरिया की संप्रभुता को सुरक्षित रखे, तो पूरा मध्य-पूर्व एक नए दौर की उथल-पुथल में घिर सकता है। इस दौरान उन्होंने ये भी स्वीकार किया कि वे इजराइल के लिए खतरा नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय तक सत्ता में रहे बशर अल-असद को दिसंबर में उखाड़ फेंकने के बाद शरा ने सीरिया की सत्ता संभाली थी। शरा ने साफ कहा कि उनकी प्राथमिकता इजराइल के साथ सुरक्षा समझौता है, लेकिन उन्होंने यहूदी देश पर आरोप लगाया कि वह जानबूझकर बातचीत टाल रहा है और सीरिया की हवाई और जमीनी सीमाओं का उल्लंघन जारी रखे हुए है। सीरिया के नए राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने पिछले दिनों दी थी चेतावनी शरा ने एक कार्यक्रम में कहा कि हम इजराइल के लिए कोई समस्या खड़ी नहीं कर रहे हैं। इजराइल की तरफ से बातचीत में देरी और हमारी सीमाओं का उल्लंघन कई तरह के जोखिम खड़े कर रहे हैं। उन्होंने सीरिया के बंटवारे की किसी भी चर्चा को खारिज करते हुए कहा कि उनकी सरकार ड्रूज अल्पसंख्यक के हितों की रक्षा कर रही है। शरा ने कहा कि जॉर्डन दबाव में है और सीरिया के बंटवारे की कोई भी बात इराक और तुर्की को भी नुकसान पहुंचाएगी।

एआई के जरिए गाजा में तबाही के आरोप पर माइक्रोसॉफ्ट ने इजराइल में बंद की सेवा

गाजा, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

बीते कई महीनों से इजरायल ने गाजा पर कई सटीक और लक्षित हमले किए हैं। इसमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए। आरोप लगा कि इजरायल एआई का उपयोग करके तबाही मचा रहा है। इसके बाद यहां माइक्रोसॉफ्ट सेवा बंद कर दी गई।

माइक्रोसॉफ्ट ने इजरायली सेना की एक यूनिट को अपनी कुछ सेवाएं देनी बंद कर दी हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने दावा किया है कि इजरायली सेना उसकी क्लाउड कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल गाजा में फिलिस्तीनियों के सर्विलांस के लिए कर कहा था। माइक्रोसॉफ्ट का कहना है कि इजरायल गाजा में कई बार हमले करने के लिए उसकी तकनीक का इस्तेमाल करता है ऐसे में इन सेवाओं पर रोक लगा देना जरूरी है।

इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह इजरायल को वेस्ट बैंक पर कब्जा नहीं करने देंगे। दरअसल इजराइल के अधिकारी कुछ वक्त से कह रहे हैं कि उनकी सरकार वेस्ट बैंक के कुछ हिस्सों पर कब्जा करने के कदम उठा सकती है, इस संबंध में पूछे जाने पर ट्रंप ने यह बात कही। उन्होंने गुरुवार को एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा, मैं इजराइल को वेस्ट बैंक पर कब्ज़ा करने की इजाजत नहीं दूंगा। ऐसा नहीं होगा। हाल के वक्त में अमेरिका के प्रमुख सहयोगी देशों ब्रिटेन, कनाडा आदि ने फलस्तीन को देश के तौर पर मान्यता देने का ऐलान किया है और इसी के बीच इजराइल का वेस्ट बैंक पर कब्जे की संभावना की बात सामने आई है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की है और वह कब्जे की इजाजत नहीं देंगे।

रिपोर्ट में बताया गया था कि कैसे इजरायली सेना गाजा में युद्ध और वेस्ट बैंक में कब्जा करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के एज्यूर प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल करती है। माइक्रोसॉफ्ट के प्रेसिडेंट ब्रैड स्मिथ ने एक ब्लॉग पोस्ट में बताया कि सेवाओं के नियमों का पालन के करने के लिए ही यह कदम उठाया गया है। दावा किया गया था कि माइक्रोसॉफ्ट डेटा के मुताबिक इजरायल गीगाबाइट्स में स्टोरेज का इस्तेमाल कर रहा था। इसके अलावा लैंग्वेज ट्रांसलेशनके लिए भी वह एआई सेवा का इस्तेमाल करता है।

नेपाल में ओली, देउवा समेत दर्जन भर नेताओं के पासपोर्ट निलंबित, बड़े नेताओं पर निगरानी बढ़ी

काठमांडू, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए। इनमें पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउवा, उनकी पत्नी डॉ. आरजू राणा सहित कई पूर्व मंत्रियों का पासपोर्ट तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्य सचिव एकनारायण अर्याल के तरफ से शुक्रवार को विदेश मंत्रालय को पत्र भेज कर ओली, देउवा सहित एक दर्जन नेताओं का पासपोर्ट निलंबित करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा विघटित प्रतिनिधि सभा के सभी सांसदों के डिप्लोमेटिक पासपोर्ट सस्पेंड करने का भी निर्देश दिया गया है।

विदेश मंत्रालय के सचिव अमृत राई ने इस बात को स्वीकार किया कि नेताओं के पासपोर्ट को लेकर उनके पास मुख्य सचिव का निर्देश आया है। हालांकि उन्होंने नेताओं का नाम बताने से इनकार कर दिया।

विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक विघटित प्रतिनिधि सभा के सभी सदस्य, सभी राजनीतिक दल के शीर्ष नेताओं का पासपोर्ट निलंबित करने का निर्देश मिला है। विदेश मंत्रालय ने इस निर्देश के बाद इसकी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की जानकारी दी है।

मुख्य सचिव की तरफ से गृह मंत्रालय के मार्फत इमिग्रेशन विभाग को सभी पूर्व प्रधानमंत्री, ओली सरकार के सभी मंत्री, राजनीतिक दल के सभी शीर्ष नेताओं को उच्च निगरानी में रखने और उनके द्वारा बिना सरकार की अनुमति या एनओसी के विदेश यात्रा नहीं करने देने का निर्देश दिया गया है।

नेपाल पुलिस, सशस्त्र प्रहरी बल और राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग को गृह मंत्रालय के मार्फत सीमावर्ती जिलों में रहने वाले सभी नेता, सांसद, निवर्तमान मंत्रियों पर निगरानी रखने और सड़क के माध्यम से सीमा पार करने की आशंका को लेकर सतर्कता बरतने और ऐसी किसी जानकारी की सूचना तत्काल हेडक्वार्टर में देने का निर्देश दिया गया है।

कैबिनेट बैठक के बाद नेपाल के एंटी करप्शन ब्यूरो, अख्तियार दुरुपयोग अनुसंधान आयोग और केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो को अलग-अलग पत्र भेज कर अब तक जांच की जा रही सभी हाई प्रोफाइल केस की स्टेटस रिपोर्ट दो दिनों के भीतर प्रधानमंत्री तथा मंत्रि परिषद के कार्यालय में देने का निर्देश दिया गया है।

साथ ही सभी हाई प्रोफाइल केस में जो भी बयान रुका है, उसमें संलग्न नेताओं और अधिकारियों को बुला कर तुरंत बयान लेने, जिस केस में बयान हो चुका है उसकी चार्जशीट तैयार करते हुए विशेष अदालत में दाखिल करने की तैयारी करने का निर्देश दिया गया है।

इस बात का संकेत बीते दिन कैबिनेट बैठक के बाद गृहमंत्री ओम प्रकाश अर्याल और सूचना संचार मंत्री जगदीश खरेल ने पत्रकारों को प्रतिक्रिया देते हुए दिया था। गृहमंत्री अर्याल ने कहा कि पासपोर्ट सस्पेंड करने से लेकर भ्रष्टाचार में संलग्न नेताओं को जेल तक भेजने की तैयारी है।

गृहमंत्री ओमप्रकाश अर्याल ने बताया कि अख्तियार और सीआईबी को यह पूरी छूट दी गई है कि अगर उन्हें किसी मामले में कोई गिरफ्तारी करनी हो चाहे कितना भी बड़ा व्यक्ति हो बिना, किसी को जानकारी दिए उसे गिरफ्तार करना है। ऐसे मामलों में जो बयान नहीं देने के लिए आता है उसे भी गिरफ्तार करना है।

गैरी स्टीड ने न्यूज़ीलैंड क्रिकेट में संभाली हाई परफॉर्मेंस कोचिंग की जिम्मेदारी

वेलिंगटन,26 सितंबर (एजेंसियां)।

न्यूज़ीलैंड के पूर्व मुख्य कोच गैरी स्टीड ने न्यूज़ीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) में हाई परफॉर्मेंस कोचिंग की नई भूमिका स्वीकार कर ली है। इस पद पर उनका काम सहायक खिलाड़ियों और कोचों को विकसित करना तथा हाई परफॉर्मेंस कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना होगा।

स्टीड ने इस साल की शुरुआत में न्यूज़ीलैंड के मुख्य कोच के रूप में आठ वर्षों का कार्यकाल पूरा किया था। उनके नेतृत्व में टीम ने 2021 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जीती, 2021 में टी20 विश्व कप और 2019 में वनडे विश्व कप के फाइनल तक पहुँची। इसके अलावा 2025 में टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल भी खेला। उनकी कोचिंग में पिछले साल भारत के खिलाफ ऐतिहासिक व्हाइटवॉश जीत भी दर्ज की गई थी। गैरी स्टीड का न्यूज़ीलैंड क्रिकेट से जुड़ाव लगभग 34 वर्षों का रहा है। खिलाड़ी के रूप में उन्होंने देश के लिए पाँच टेस्ट खेले और 100 से अधिक प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए मैचों में हिस्सा लिया। खेल से संन्यास के बाद उन्होंने कोचिंग की ओर रुख किया। स्टीड 2004–09 तक कोच डेवलपमेंट मैनेजर रहे। 2005–06 में एनजेडसी अकादमी में असिस्टेंट कोच बने। 2009 से 2012 तक न्यूज़ीलैंड महिला टीम के मुख्य कोच रहे इसके बाद छह साल तक कैंटरबरी के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट रहे। 2018 में उन्हें न्यूज़ीलैंड पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। स्टीड ने कहा कि उनका जुनून अभी भी कोचिंग को लेकर बरकरार है और वे अपने अनुभव से व्यापक क्रिकेट नेटवर्क को लाभान्वित करना चाहते हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, न्यूज़ीलैंड क्रिकेट मेरे दिल के बहुत करीब है और खेल से जुड़े रहना मेरे लिए बेहद खास है। अगर मैं अपनी स्किल्स और अनुभव खिलाड़ियों व कोचों तक पहुँचा पाऊं और ब्लैककैप्स व वाइट फर्न्स को विश्व स्तर पर जीत में मदद कर पाऊं, तो यह मेरे लिए बड़ी संतुष्टि की बात होगी।, गौरतलब है कि हाल ही में उन्हें भारतीय घरेलू टीम आंध्र का 2025–26 रणजी ट्रॉफी सीज़न के लिए मुख्य कोच भी नियुक्त किया गया है। उन्होंने एनजेडसी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्हें संगठन से बाहर काम करने और अपने अनुभव को और व्यापक बनाने का मौका मिल रहा है, जिससे वे नई सीख को फिर से न्यूज़ीलैंड क्रिकेट में वापस ला सकें।

न्यूज़ ब्रीफ

पूर्व आर्सेनल युवा खिलाड़ी बिली विगर का निधन, मैच के दौरान लगी चोट बनी वजह

लंदन। इंग्लैंड की नॉन लीग प्रीमियर डिवीजन में खेलते हुए पूर्व आर्सेनल अकादमी खिलाड़ी बिली विगर का निधन हो गया।

वह केवल 21 वर्ष के थे। चिचेस्टर सिटी क्लब ने गुरुवार को उनके निधन की पुष्टि की। इंग्लिश फुटबॉल एसोसिएशन (एफए) ने भी गहरी संवेदना जताते हुए कहा, हम बिली विगर के निधन से बेहद दुखी हैं। इस कठिन समय में हम उनके परिवार, दोस्तों और चिचेस्टर सिटी एफसी के सभी लोगों के साथ हैं। आर्सेनल क्लब ने भी शोक व्यक्त करते हुए लिखा, हमारे पूर्व अकादमी खिलाड़ी बिली विगर के निधन की खबर बेहद चौंकाने वाली और दुखद है। कौन थे बिली विगर फॉरवर्ड खिलाड़ी विगर ने 2017 में आर्सेनल की अकादमी जॉइन की थी और 2022 में प्रोफेशनल कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। उन्हें एक शक्तिशाली और बहुमुखी फॉरवर्ड बताया जाता था। उन्होंने डर्बी काउंटी के लिए लोन पर भी खेला और हाल ही में चिचेस्टर सिटी की ओर से सक्रिय खिलाड़ी थे। कैसे हुआ हादसा पिछले शनिवार को विगर विंगेट एंड फिंचली एफसी के खिलाफ मुकाबले में खेल रहे थे। इसी दौरान उनका टकराव मैदान के किनारे स्थित दीवार से हो गया और उन्हें गंभीर दिमागी चोट लगी और वो कोमा में चले गए। परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया, मंगलवार को उनकी सर्जरी की गई थी जिससे कुछ सुधार की उम्मीद थी, लेकिन चोट इतनी गंभीर थी कि गुरुवार (25 तारीख) की सुबह उनका निधन हो गया। शोक में फुटबॉल जगत इस हादसे के बाद चिचेस्टर का शनिवार को लुईस के खिलाफ होने वाला मैच स्थगित कर दिया गया है। वहीं, इस सप्ताहांत सभी मैचों से पहले एक मिनट का मौन रखा जाएगा और खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरेंगे।

जनपदीय क्रिकेट प्रतियोगिता में पारकर इंटर कॉलेज की टीम का लहराया परचम

मुरादाबाद। उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद के माध्यमिक स्कूलों की जनपदीय क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब पारकर इंटर कॉलेज ने अपने नाम किया है।

जनपदीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर ने बताया कि विजेता टीम 30 सितंबर को बिजनौर में होने वाली मंडलीय प्रतियोगिता में जनपदीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। जीजी हिंदू इंटर कॉलेज के संयोजन में शुक्रवार को पारकर इंटर कॉलेज मैदान पर खेले गए। प्रतियोगिता के खिताबी मुकाबले में एसएस इंटर कॉलेज और पारकर इंटर कॉलेज के बीच भिड़ंत हुई। मुकाबले में पारकर इंटर कॉलेज ने आठ विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। मैच में आर्यन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इससे पहले सेमीफाइनल मैच में पारकर इंटर कॉलेज ने हैविट मुस्लिम इंटर कॉलेज को नौ विकेट से और एसएस इंटर कॉलेज ने चित्रगुप्त इंटर कॉलेज को 45 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रधानाचार्य डॉ. कुलदीप बरनवाल, परीक्षा प्रभारी अरविंद मोहन पांडेय, उप प्रधानाचार्य डेविड वॉल्टर और खेल प्रभारी सैयद आसिफ हसन ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। डॉ. कुलदीप ने अपने संबोधन में कहा कि खिलाड़ियों को अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करके खेलों में प्रतिभाग करना चाहिए।

इरफान पठान ने पाक सलामी बल्लेबाज सैम अयूब को टीम में जगह मिलने पर सवाल उठाये

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज सैम अयूब को टीम में जगह मिलने पर ही सवाल खड़े कर दिये हैं। पठान ने कहा कि बेहद खराब बल्लेबाजी के बाद भी सैम को गेंदबाजी के तौर पर टीम को जगह मिलना हैरानी की बात है। पठान ने कहा कि सैम ने अब तक के पांच मैचों में केवल 23 रन बनाये हैं और वह चार बार शून्य पर ही आउट हुए हैं। अगर ऐसा प्रदर्शन किसी अन्य देश में होता तो करियर ही समाप्त हो जाता पर सैम कैसे टीम में बने हुए हैं, समझ नहीं आ रहा। सैम अयूब एशिया कप में बल्लेबाज के तौर पर फ्लाप रहे हैं। वह भारत के खिलाफ सुपर 4 के पहले मैच में 21 रन जबकि श्रीलंका के खिलाफ 2 रन ही बना पाये। बाकि के मैचों में शून्य पर आउट हुए। सैम अयूब के बांग्लादेश के खिलाफ सुपर सिक्स मैच में शून्य पर आउट होने के बाद पठान ने कमेंट्री के दौरान करा, अगर ऐसा प्रदर्शन किसी और देश के लिए होता तो करियर कब का खत्म हो जाता।

भारत की नैतिक जीत: आईसीसी ने हारिस रऊफ पर लगाया 30% जुर्माना, साहिबजादा फरहान को फटकार

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की शिकायत के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और ओपनर साहिबजादा फरहान के खिलाफ कार्रवाई की है। यह मामला भारत–पाकिस्तान के बीच 21 सितंबर को खेले गए मैच के दौरान हुए विवादों से जुड़ा है। आईसीसी ने हारिस रऊफ पर उनकी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया है, जबकि साहिबजादा फरहान को चेतावनी के साथ फटकार लगाई गई है। इस कार्रवाई को भारत की नैतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है।

क्या हुआ था मैच के दौरान?

मैच के दौरान हारिस रऊफ ने भारतीय प्रशंसकों द्वारा 'कोहली कोहली' के नारे लगाने पर आपत्तिजनक इशारे किए। उन्होंने भारतीय सैन्य कार्रवाई का मजाक उड़ाते हुए विमान गिराने का इशारा किया और भारतीय सलामी बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल को गालियां दीं। दूसरी ओर, साहिबजादा फरहान ने अपनी पारी के दौरान अर्धशतक बनाने के बाद बल्ले को मशीनगन की तरह इस्तेमाल कर बंदूक चलाने का जश्न मनाया, जिसकी सोशल मीडिया और क्रिकेट हलकों में व्यापक आलोचना हुई।

आईसीसी की सुनवाई और फैसला

आईसीसी के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने शुक्रवार को पाकिस्तान टीम के होटल में इस मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान को बुलाया गया, और दोनों ने पहले ही अपने लिखित बयान जमा किए थे। सुनवाई में पाकिस्तान टीम के मैनेजर नवीद अकरम चीमा भी मौजूद रहे। एक टूर्नामेंट सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, रिची रिचर्डसन ने शुक्रवार दोपहर सुनवाई पूरी की। हारिस रऊफ पर आक्रामक व्यवहार के लिए 30% मैच फीस का जुर्माना लगाया गया, जबकि साहिबजादा फरहान को चेतावनी दी गई।

साहिबजादा फरहान का बयान

साहिबजादा फरहान ने अपने जश्न पर सफाई देते हुए कहा, यह सिर्फ एक पल था। मैंने 50 रन पूरे करने के बाद जश्न नहीं मनाया था, लेकिन उस समय मेरे दिमाग में अचानक यह विचार आया और मैंने ऐसा किया। मुझे नहीं पता कि लोग इसे कैसे लेंगे और मुझे इसकी परवाह भी नहीं है। हालांकि, उनके इस बयान ने विवाद को और हवा दी, जिसके बाद बीसीसीआई ने आईसीसी से शिकायत की थी।

भारतीय बल्लेबाजों का जवाब

हारिस रऊफ के आक्रामक रवैये और गालियों का जवाब भारतीय सलामी बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से दिया। दोनों ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तानी गेंदबाजों को जवाब दिया और भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

भारत की नैतिक जीत

आईसीसी की इस कार्रवाई को भारत की नैतिक जीत माना जा रहा है, क्योंकि बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के अभद्र व्यवहार के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया था। हारिस रऊफ पर जुर्माना और साहिबजादा फरहान को फटकार क्रिकेट में खेल भावना को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एशिया कप के फाइनल में पहुंचने पर पाक कोच बोले पिछली हार मायने नहीं रखतीं

दुबई,26 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच माइक हेसन एशिया कप के फाइनल में पहुंचने से उत्साहित हैं। हेसन के अनुसार लीग और सुपर फोर का अब कोई महत्व नहीं रह गया है क्योंकि टीम पहले ही फाइनल में पहुंच गयी है। पाक कोच के अनुसार रविवार को जब दोनो ही टीमें फाइनल में उतरेंगी तो केवल जीत मायने रखेगी। भारतीय टीम ने अब तक पाकिस्तान को ग्रुप स्तर और उसके बाद सुपर–4 में छह विकेट से हराया था। तब भी हेसन ने कहा था कि केवल फाइनल महत्वपूर्ण होता है।

उन्होंने कहा, हमने 14 और 21 तारीख को मैच खेले, पर जिस मैच को याद रखा जाएगा वह अब होगा। इसलिए हमारी पूरी ऊर्जा उसी पर होगी। साल 1984 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से ही पहली बार भारत और पाक एशिया कप के फाइनल में आमने–सामने होंगे। यह अपने आप में बड़ा अवसर है। हेसन का मानना है कि उनकी टीम फाइनल में पहुंच है और अब उसके ऊपर है कि यहां कैसे खेलती है। जगह तक पहुंचने का हक बनाया है। उन्होंने कहा, अब ये हमारे ऊपर है कि हम कैसे अवसर का लाभ उठाते हैं। शुरुआत से ही हम यही बात कर रहे थे कि अपने को ट्रॉफ़ी जीतने की स्थिति में लाना है।

पाकिस्तान टीम कई विवादों में भी घिरी है पर हेसन इस सब प ध्यान नहीं दे रहे। उन्होंने साफ कहा, हमारा ध्यान सिर्फ क्रिकेट पर है। अधिक दबाव वाले मैचों में तनाव होना स्वाभाविक है पर हमारा काम अच्छा क्रिकेट खेलना है। वहीं पाक बल्लेबाज़ों की स्पिन खेलने की क्षमताओं को लेकर हो रही आलोचनाओं को लेकर उन्होंने कहा कि हर बार गेंद समझन जरूरी नहीं होती। असली बात है सही पोजिशन लेना और पिच से गेंद को खेलना। हालांकि उन्होंने माना कि दबाव में सही फ़ैसला न ले पाना टीम की एक कमजोर रही है। पावरप्ले के बाद की कठिन पिचों पर हालात और भी खराब रहे हैं।

भारत से दो बार हारने के बावजूद हेसन मानते हैं कि फाइनल में परिणाम बदल सकता है पर इसके लिए सही समय पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

सख्त ट्रेनिंग के कारण युवराज भी मुझे हिटलर कहता था : योगराज

चंडीगढ़। अपने विवादास्पद बयानों के लिए चर्चाओं में रहने वाले पूर्व क्रिकेटर एक्टर योगराज सिंह ने कहा है कि वह ट्रेनिंग के दौरान बेहद सख्त रहे हैं। यही कारण है कि कई लोग उनसे चिढ़ते थे। यहां तक कि उनका बेटा युवराज सिंह भी उन्हें हिटलर कहता था। वहीं उन्होंने युवराज की शादी को लेकर कहा कि उन्होंने एक बार युवराज को जीवनसाथी चुनते समय 'नस्ल बदलने' को कहा था। योगराज ने कहा कि उन्हें आयरिश या इंग्लिश लड़की चाहिए थी और उनकी ये इच्छा भी पूरी हुई।' उनकी बहू हेजल कीच आधी ब्रिटिश और आधी मॉरिशियन हैं। युवराज के साथ हेजन ने साल 2016 में शादी की थी। योगराज ने कहा, 'हेजल वैसी ही हैं जैसी उन्होंने चाही थी. उनके इतने प्यारे बच्चे हैं और वो मुझे दोस्त की तरह मानते हैं। मैं हेजल को बहू नहीं कहता, वह मेरी बेटी है।' योगराज ने कहा कि उन्होंने युवराज से कहा था कि मैं तुम्हारे लिए जीवनसाथी नहीं चुन सकता, ये तुम्हारी जिंदगी है पर एक बार नस्ल बदलने का प्रयास करो तो अच्छा रहेगा हालांकि लोग इस बात का विरोध करेंगे। पर मैं चाहता था कि हमारे परिवार में आयरिश या इंग्लिश लड़की आए युवराज और हेजल के दो बच्चे हैं. बेटा ओरियन और बेटी ऑरा। दोनों सोशल मीडिया पर अक्सर अपने बच्चों और परिवार के पलों को साझा करते रहते हैं।

भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को 5 विकेट से हराकर दो मैचों की सीरीज 1–0 से अपने नाम की

लखनऊ,26 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत ए ने शुक्रवार को लखनऊ में खेले गए दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ए को पांच विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने अंतिम दिन टी के पहले 412 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर दो मैचों की सीरीज 1–0 से अपने नाम की।

इस ऐतिहासिक जीत में केएल राहुल और बी.साई सुदर्शन के शानदार शतकों का योगदान रहा। राहुल ने नाबाद 176 रन बनाए, जबकि सुदर्शन ने 100 रनों की तेज पारी खेली। कप्तान ध्रुव जुरेल ने तेजी से 50 रन बनाकर टीम को यादगार जीत तक पहुंचाया। यह जीत भारतीय फर्स्ट–क्लास क्रिकेट में 400+ रनों के केवल छठवें सफल रन चेज़ के रूप में दर्ज की गई। इससे पहले का उच्चतम लक्ष्य 2010 में दलीप ट्रॉफी फाइनल में वेस्ट जोन ने 536 रनों के लक्ष्य को 3 विकेट से पूरा किया था।

भारत में फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में सबसे बड़ी सफल रन चेज़:

- 536 – वेस्ट जोन ने दक्षिण जोन को 3 विकेट से हराया (2010)
- 501 – साउथ जोन ने इंग्लैंड ए को 6 विकेट से हराया (2004)
- 480 – रेस्ट ऑफ इंडिया ने मुंबई को 4 विकेट से हराया (2016)
- 424 – कॉमनवेल्थ 11 ने बंगाल सीएमओ 11 को 1 विकेट से हराया (1964)
- 421 – रेस्ट ऑफ इंडिया ने दिल्ली को 5 विकेट से हराया (1982)
- 412 – भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को 5 विकेट से हराया (2025)।

आर्चरी प्रीमियर लीग से खेल को फैंस के करीब लाने की उम्मीद: रिषभ यादव

नई दिल्ली,26 सितंबर (एजेंसियां)।

दो से 12 अक्टूबर तक नई दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने वाली पहली आर्चरी प्रीमियर लीग में भारत और विश्व के शीर्ष आर्चर्स भाग लेंगे। विश्व और एशिया चैम्पियन रिषभ यादव इस लीग में भाग लेने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस प्रतियोगिता में पांच बार के ओलंपियन अमेरिकी आर्चर ब्रेडी एलिसन भी हिस्सा लेंगे। यह लीग पहली बार आयोजित होने वाला मिक्स्ड टीम इवेंट है, जिसमें छह फ्रेंचाइजी—प्रिथ्वीराज योद्धा (दिल्ली), राजपूताना रॉयल्स (राजस्थान), काकतीय नाइट्स (तेलंगाना), माइटी मराठा (महाराष्ट्र), चेरो आर्चर्स (झारखंड) और चोला चीफ्स (तमिलनाडु)—एक–दूसरे से मुकाबला करेंगी। गुरुग्राम के रिषभ यादव, जो चोला चीफ्स की ओर से कंपाउंड मेन्स कैटेगरी में खेलेंगे, ने कहा, आर्चरी प्रीमियर लीग हमारे खेल के लिए एक बड़ा कदम है। यह खिलाड़ियों को एक प्रमुख मंच देगा और आर्चरी को पूरे देश में फैंस के करीब लाएगा।

रिषभ यादव ने हाल ही में ज्योति सुरेखा वेण्णम के साथ मिक्स्ड टीम वर्ल्ड रिकॉर्ड (1431 अंक) भी बनाया और व्यक्तिगत रूप से 716 अंक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अगस्त 2025 में उन्होंने वर्ल्ड गेम्स में भारत का पहला व्यक्तिगत पदक जीतकर इतिहास रचा। उनके मार्गदर्शक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, यादव ने विश्व चैम्पियनशिप और एशिया चैम्पियनशिप में कई पदक जीते हैं। रिषभ ने कहा, लीग न केवल खेल को बढ़ावा देगी, बल्कि खिलाड़ियों के लिए ओलंपिक की तैयारी का भी बेहतरीन मंच है।

अकरम ने एशिया कप फाइनल के लिए पाक का मनोबल बढ़ाया, टिप्स भी दिये

लाहौर। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के खिलाफ अपने अंतिम सुपरसिक्स मैच को जीतकर एशिया कप क्रिकेट के फाइनल में प्रवेश किया है। यहां उसका मुकाबला भारतीय टीम से होगा। पाक टीम को इस टूर्नामेंट में लीग और सुपरसिक्स स्तर पर भारतीय टीम से करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में पाक टीम का मनोबल बढ़ाने पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम उसे फाइनल में भारत को हराने के टिप्स दे रहे हैं। अकरम ने माना है कि फाइनल में भारतीय टीम अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए जीत की प्रबल दावेदार है पर पाक को भी अपना मनोबल बनाये रखते हुए प्रयास करना चाहिये क्योंकि जीत अच्छा प्रदर्शन करने वाली की ही होगी। फाइनल में कुछ भी हो सकता है, इसलिए पाक को अपने पर भरोसा बनाये रखते हुए समझदारी से खेलना चाहिए। मैच में अगर पाक टीम शुरुआती विकेट ले लेती है तो भारतीय टीम पर दबाव बनाया जा सकता है। जीत बेहतर खेलने वाले की होगी। टूर्नामेंट में पहले ही दो बार हारी पाक टीम के लिए ये मुकाबला काफी कठिन रहेगा। उसके लिए लय में चल रहे भारतीय बल्लेबाजों को रोकना बेहद कठिन होगा। इस टूर्नामेंट में अब तक सबसे ज्यादा रन भारत के अभिषेक शर्मा ने बनाये हैं। वहीं सबसे ज्यादा विकेट कुलदीप यादव ने लिए हैं। वहीं सुपर सिक्स में हार के बाद बांग्लादेश के कार्यवाहक कप्तान जाकिर अली ने बल्लेबाजों को दोषी करार दिया और कहा कि वे रन बनाने में विफल रहे।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नेट बैंकिंग अच्छी है, लेकिन घर में नगदी रखना भी है जरुरी

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

यह सच है कि इस डिजिटल युग में नेट बैंकिंग और डिजिटल भुगतान ने लेन-देन को आसान और तेज़ बना दिया है। ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि केवल डिजिटल भुगतान पर पूरी तरह निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। घर में कुछ नगद भी होना चाहिए, क्योंकि यह वित्तीय सुरक्षा और आपातकालीन परिस्थितियों के लिए बेहद जरूरी हो जाता है।

घर में नगद रखने की सलाह देने वाले विशेषज्ञ डिजिटल लेन-देन संबंधी समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि तकनीकी समस्याएं, व्यापक स्वीकृति का अभाव, छोटे खर्चों में होने वाली असुविधा होती है। तकनीकी समस्याएँ अर्थात इंटरनेट न होना या बिजली गुल होना डिजिटल भुगतान को असंभव बना सकता है। ऐसे समय में नकद ही एकमात्र विकल्प बचता है।

व्यापक स्वीकृति का अभाव: छोटे व्यापारी और विक्रेता अक्सर केवल नकद स्वीकार करते हैं या उनके पास सुविधाजनक डिजिटल विकल्प नहीं होते। वहीं दूसरी तरफ छोटे खर्चों में असुविधा होती है। छोटी-मोटी खरीदारी के लिए हर बार डिजिटल भुगतान करना सुविधाजनक नहीं होता, खासकर सीमित सुविधाओं वाले स्थानों पर। सबसे बड़ा सवाल साइबर जोखिम का है। डिजिटल भुगतान सुरक्षित होते हुए भी साइबर धोखाधड़ी और डेटा हैकिंग का खतरा बना रहता है, जिससे वित्तीय नुकसान हो सकता है। ऐसे में घर में मौजूद नगद काम आता है।

नगद रखने के फायदे

नगद घर में रखने की सलाह देने वाले कहते हैं कि ऐसा करने से तत्काल आवश्यकता पूरी होती है। आपातकालीन समय में या जब डिजिटल विकल्प उपलब्ध न हो, नगद तुरंत उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा नगद हर जगह स्वीकार्य होता है और इसे भौतिक रूप से हमेशा इस्तेमाल किया जा सकता है। छोटे लेनदेन, टिपिंग या स्थानीय बाजार में नगद सबसे सरल और प्रभावी माध्यम है।

डिजिटल भुगतान ने जीवन को सुविधाजनक बना दिया है, लेकिन केवल उसके भरोसे रहना सही नहीं है। वित्तीय स्थिरता और सुरक्षा के लिए डिजिटल और नगद दोनों का संतुलित उपयोग करना सबसे अच्छा तरीका है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि अपनी वित्तीय ज़रूरत और जीवनशैली के हिसाब से नेट बैंकिंग के साथ कुछ नगद हमेशा हाथ में रखें, ताकि किसी भी तकनीकी या आकस्मिक स्थिति में आप तैयार रहें।

न्यूज ब्रीफ

सितंबर 2025: भारतीय आईपीओ बाजार का नया इतिहास

मुंबई। सितंबर 2025 भारतीय आईपीओ बाजार के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है। मुख्य बोर्ड और एसएमई प्लेटफॉर्म मिलाकर इस महीने तीन दशक में सबसे ज्यादा आईपीओ आए हैं। सितंबर अंत तक मुख्य बोर्ड पर 25 आईपीओ पूरे हो जाएंगे। यह जनवरी 1997 के बाद किसी भी महीने में सबसे बड़ी संख्या है। एसएमई सेगमेंट में भी 56 आईपीओ आए, जो 2012 में इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत के बाद अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। अधिकतर गतिविधियां स्मॉलकैप सेगमेंट में केंद्रित रहीं। मुख्य बोर्ड ढ्ढक्क का औसत आकार लगभग 530 करोड़ रहा।मार्च से मई के बीच सुस्ती रही लेकिन 30 सितंबर की नियामकीय समय सीमा से पहले कंपनियों ने पूंजी जुटाने की प्रक्रिया तेज की। दूसरी छमाही की फंडिंग योजनाओं और लिस्टिंग के बाद मजबूत प्रदर्शन ने कंपनियों को आईपीओ लाने के लिए प्रेरित किया। घरेलू नकदी प्रवाह और रिटेल निवेशकों की मजबूत भागीदारी ने बाजार को सहारा दिया। फिलहाल 70 कंपनियां सेबी की मंजूरी के साथ 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक जुटाने की तैयारी कर रही हैं। इसके अलावा 90 कंपनियां अनुमानित 1.6 लाख करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। बड़े आकार के आईपीओ जैसे टाटा कैपिटल, ग्रो और एलजी अगले महीने आ सकते हैं।

कोल इंडिया गैर-कार्यकारी कर्मचारियों को देगी 1.03 लाख के इनाम

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) जैसी कोयला क्षेत्र की कंपनियों ने त्योहारों के मद्देनजर अपने गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के लिए 1.03 लाख रुपये के पुरस्कार की शुक्रवार को घोषणा की। प्रदर्शन-आधारित पुरस्कार (पीएलआर) किसी व्यक्ति को विशिष्ट, मापनीय लक्ष्य प्राप्त करने के लिए दिया जाने वाला भुगतान या लाभ है।इसका उद्देश्य कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सभी अनुषंगी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला खनन कंपनी सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के योगदान एवं कड़ी मेहनत को मान्यता देना और यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें उनके प्रयासों के लिए उचित पुरस्कार मिले। पीएलआर से सीआईएल, उसकी अनुषंगी कंपनियों के करीब 2.1 लाख गैर-कार्यकारी संवर्ग के कर्मचारियों और ससीसीएल के करीब 38,000 गैर-कार्यकारी संवर्ग के कर्मचारियों को लाभ होगा। कोल इंडिया, घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देती है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि कोयला उद्योग के लिए संयुक्त द्विपक्षीय समिति की मानकीकरण समिति की छठी बैठक के बाद इस प्रोत्साहन राशि की घोषणा की गई।

औषधि पर अमेरिकी शुल्क का जेनेरिक दवाओं पर असर नहीं होगा असर: आईपीए

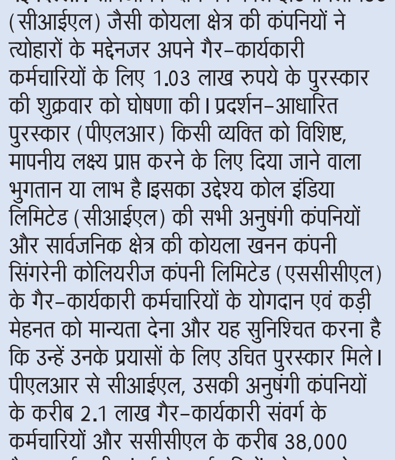

नई दिल्ली। भारतीय औषधि गठबंधन (आईपीए) ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका के एक अक्टूबर से औषधियों पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लागू करने का असर केवल पेटेंट और ब्रांडेड उत्पाद पर पड़ेगा जेनेरिक दवाओं पर नहीं। आईपीए के एक अधिकारी ने कहा, यह शुल्क जेनेरिक दवाओं पर लागू नहीं होगा। न्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान अमेरिका को आपूर्ति किए जाने वाले पेटेंट और ब्रांडेड उत्पादों के बारे में है। ईपीए 23 अग्रणी भारतीय दवा कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है जिनमें डॉ. रेड्डी, सन फार्मा, ल्यूपिन, जायडस लाइफसाइंसेज शामिल हैं। रतलब है कि ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा था '' हम एक अक्टूबर 2025 से सभी ब्रांडेड या पेटेंटेड औषधि उत्पाद पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे, जब तक कि कोई कंपनी अमेरिका में अपना दवा विनिर्माण संयंत्र स्थापित नहीं करती।

ट्रंप के टैरिफ बम के कारण शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, निवेशकों के 6.60 लाख करोड़ स्वाहा

लगातार छठे कारोबारी दिन कमजोरी के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के नए ऐलान, आईटी सेक्टर के शेयरों में आई गिरावट, कमजोर ग्लोबल संकेतों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार लगातार छठे दिन गिरावट का शिकार हो गया। कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर के लिए खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की भी कोशिश की, लेकिन इसके बाद पूरे दिन बाजार में बिकवाली का दबाव बना रहा। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.90 प्रतिशत और निफ्टी 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। फार्मास्यूटिकल, आईटी, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके साथ ही पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.96 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े छह करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद घट कर 450.75 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 457.35 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 6.60 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,280 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,073 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,064 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 143 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,784 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 458 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,326 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 5 शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 7 शेयर हरे निशान में और 43 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 203.67 अंक की कमजोरी के साथ 80,956.01 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 81,033.09 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके तुरंत बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ती चली गई। हालांकि खरीदार बीच-बीच में लिवाली का जोर बढ़ाने की कोशिश करते रहे, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि ये सूचकांक लगातार गिरता चला गया। खासकर, दोपहर 1 बजे के बाद बाजार में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से अगले 1 घंटे के कारोबार में ये सूचकांक जबरदस्त गिरावट का शिकार होकर 827.27 अंक टूट कर 80,332.41 अंक तक गिर गया। कारोबार के अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली खरीदारी के कारण सेंसेक्स निचले स्तर से 90 अंक से अधिक की रिकवरी करके 733.22 अंक की गिरावट के साथ 80,426.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने 72.30 लुढ़क कर 24,818.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 50 अंक उछल कर 24,868.60 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। थोड़ी देर बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की गिरावट तेज हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक 261.40 अंक की गिरावट के साथ 24,629.45 अंक तक आ गया। हालांकि आखिरी वक्त में दिन के सौदों के निपटारे के कारण निफ्टी निचले स्तर से करीब 25 अंक की रिकवरी करके 236.15 अंक की कमजोरी के साथ 24,654.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से लार्सन एंड टूब्रो 2.34 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 1.29 प्रतिशत, आईटीसी 1.25 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 0.87 प्रतिशत और रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.78 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 3.78 प्रतिशत, इटरनल 3.39 प्रतिशत, टाटा स्टील 2.89 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस 2.73 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

त्यौहारों से ऑटो एफएमसीजी भरेंगे उड़ान आईटी रहेगा कमजोर

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

सितंबर 2025 तिमाही के नतीजे बहुत बढ़िया नहीं, लेकिन ठीक-ठाक रह सकते हैं। ऑटो, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और कुछ बड़े बैंकों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। त्योहारों की मांग और सरकार के जीएसटी रिफार्म से कंपनियों को फायदा मिल सकता है। बाजार के जानकारों ने कहा कि जीएसटी सुधार से दूसरी छमाही में खपत थोड़ी बढ़ सकती है। इसके अलावा कंपनियों को स्टॉक मैनेजमेंट, पैसे की वसूली, टैक्स खर्च और कागजी काम में भी आसानी होगी। इससे मुनाफा और बैलेंस शीट दोनों मजबूत हो सकते हैं।

त्योहारों की वजह से ऑटो, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर को अच्छा फायदा होगा। बैंकों में भी लोन ग्रोथ और बेहतर एसेट क्वालिटी से सुधार दिख सकता है, हालांकि मुनाफे का मार्जिन दबाव में रहेगा। रिन्यूएबल एनर्जी में नई क्षमता और सरकारी मदद से अच्छे नतीजे आने की उम्मीद है। वहीं, आईटी कंपनियों की ग्रोथ धीमी रह सकती है, लेकिन जिनकी पकड़ क्लाउड और एआई सेवाओं में मजबूत है, वे बेहतर कर सकती हैं। वह कहते हैं, अमेरिकी फेड ने ब्याज दर घटाई है, लेकिन आरबीआई अभी जल्दी कदम नहीं उठाएगा। महंगाई थोड़ी कम हुई है, लेकिन रुपये की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतें चिंता का कारण हैं। इसलिए आरबीआई धीरे-धीरे और सोच-समझकर ही ब्याज दर घटा सकता है। मौजूदा हालात में सोना और सरकारी बॉन्ड सुरक्षित विकल्प रहेंगे। सोना महंगाई और संकट के समय काम आता है, जबकि बॉन्ड से स्थिर आय मिलती है। शेयर बाजार अभी महंगा है, इसलिए सिर्फ चुनिंदा और अच्छी कंपनियों में ही निवेश करना सही रहेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सोनम वांगचुक...

शांति, स्थिरता और सच्चाई के आजीवन समर्थक रहे सोनम को सिर्फ़ अपने वादों को पूरा करने की मांग करने पर सज़ा दी जा रही है। आज लेह में कर्फ्यू लगा हुआ है और इंटरनेट बंद है, जो कश्मीर के लंबे समय से चले आ रहे हालात की भयावह प्रतिध्वनि है. आज के भारत में सत्ता के सामने सच बोलने की भारी कीमत चुकानी पड़ती है, वरना एक ऐसा व्यक्ति जो जीवनभर शांति और अहिंसा के पक्ष में खड़ा रहा, आज सलाखों के पीछे कैसे पहुंच गया।

कांग्रेस नेता गुलाम अहमद मीर ने गिरफ्तारी को गलत बताते हुए कहा कि वांगचुक ने कभी हिंसा को बढ़ावा नहीं दिया। यह बीजेपी सरकार की लद्दाख मुद्दों को संभालने में नाकामी को छिपाने की कोशिश है। सीपीआई (एमएल) लिबरेशन ने इसे मोदी सरकार की विट्चहंटिंग एजेंडा बताया है।

वांगचुक का आंदोलन लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग पर केंद्रित है। उन्होंने 10 सितंबर से 15 दिनों की भूख हड़ताल शुरू की थी, जो 24 सितंबर को हिंसा के कारण समाप्त हुई। हिंसा का तात्कालिक ट्रिगर दो भूख हड़तालियों के अस्पताल में भर्ती होने के बाद बंद का आह्वान था।

गुरुवार को ही गृह मंत्रालय ने वांगचुक की संस्था मस्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाखफ का एफसीआरए लाइसेंस रद्द कर दिया है, जिसमें विदेशी फंडिंग के उल्लंघनों का आरोप लगाया गया। वांगचुक ने सभी आरोपों से इनकार किया है।

अमेरिका में...

माध्यम से आतंकवाद का दृढ़तापूर्वक मुकाबला करके तथा मजबूत ऊर्जा एवं आर्थिक सुरक्षा की आवश्यकता को समझकर सर्वोत्तम ढंग से किया जा सकता है, उन्होंने कहा।

जयशंकर के इस स्पष्ट, सीधे और सिद्धांत-आधारित भाषण ने न्यूयॉर्क के अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की आवाज को एक नई ऊंचाई दी। उनके शब्दों ने न केवल वैश्विक नेताओं को सोचने पर मजबूर किया, बल्कि यह भी दिखाया कि भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं देता - वह वैश्विक एजेंडा तय करने वाला एक जिम्मेदार और दृढ़ नेता बन चुका है।

पीएम मोदी-नीतीश ...

आगे भी गठन लगातार जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा बिहार के विकास में केंद्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है। 2024 के केंद्रीय बजट में बिहार को विशेष आर्थिक सहायता के रूप में सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य, पर्यटन, बाढ़ नियंत्रण के लिए बड़ी राशि देने की घोषणा की गई। फिर 2025 के केंद्रीय बजट में बिहार में मखाना बोर्ड, एयरपोर्ट की स्थापना, पश्चिमी कोसी नहर के लिए वित्तीय सहायता आदि की घोषणा की गई है। केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2018 से देश के कुछ राज्यों में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन बिहार में हुआ, जो गौरव की बात है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नमन करता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे विश्वास है कि सभी माताएं एवं बहनें आज दी जा रही राशि का सदुपयोग करेंगी, अपने परिवार को खुशहाल बनाएंगी और राज्य तथा देश के विकास में अपना योगदान देंगी। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का पुनः अभिनंदन करता हूँ और उन्हें धन्यवाद देता हूँ। साथ ही उपस्थित सभी गणमान्य लोगों का मैं आभार व्यक्त करता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना पर आधारित एक लघु फिल्म की प्रस्तुति की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की 4 लाभुकों ने अपना अनुभव साझा किया। पश्चिम चंपारण जिले के बगहा 2 प्रखंड के बेलाहवा पंचायत के मदनपुर की रंजीता काजी दीदी ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का अभिवादन करते हुए कहा कि मैं वाल्मीकिनगर वन क्षेत्र के आदिवासी समाज से आती हूं। हमलोगों के लिए बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा जो कभी सपना था उसको राज्य सरकार द्वारा पूरा कर समाज की मुख्यधारा से हमलोगों को जोड़ा गया। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री भईया और मुख्यमंत्री भईया को कोटि-कोटि प्रणाम करती हूं। आपने महिलाओं को आरक्षण देकर संबल बनाया है। उज्ज्वला योजना के तहत घरेलू गैस कनेक्शन मिलने के बाद से धुआं रहित खाना बनाने में सहुलियत होती है। पहले कच्चा मकान था अब हमारा पक्का का मकान हो गया है। 125 यूनिट बिजली मुफ्त मिल रही है, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि 400 से बढ़ाकर 1100 रुपया कर दी गई है, इसका लाभ मिल रहा है। आज जो 10 हजार की राशि आई है उससे मैं पंपिंग सेट लूंगी, इसके बाद जो 2 लाख रुपया की राशि मिलेगी उससे ज्वार-बाजरा की खेती कर उसके आटा की पैकिंग कर रोजगार को आगे बढ़ाउंगी।

यह योजना बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से ठीक पहले लॉन्च की गई है, जो महिलाओं के सशक्तीकरण को बढ़ावा देने का दावा करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बिहार की डबल इंजन सरकार से जल्द ही देश में सबसे अधिक लाखपति दीदियां बिहार से होंगी। यह योजना केंद्र की लाखपति दीदी अभियान को मजबूत करेगी। कुल 3.06 करोड़ आवेदनों में से पहले चरण में 75 लाख महिलाओं का चयन किया गया है।

इस आयोजन ने बिहार की महिलाओं में उत्साह का संचार किया है और राज्य के विकास की नई दिशा प्रदान की है।

नितिन गडकरी ने ...

37 वाहनों के साथ 500 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है। उन्होंने आगे कहा, इन ट्रायल को सपोर्ट करने के लिए नौ हाइड्रोजन रिफ्यूलिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। ये गलियारे भारत के पहले हाइड्रोजन हाईवे के रूप में काम करेंगे, जिससे स्वच्छ, लंबी दूरी की आवाजाही के लिए इकोसिस्टम तैयार होगा।

गडकरी ने जोर देकर कहा कि भारत को कच्चे तेल के आयात पर अपनी निर्भरता जल्द से जल्द कम करनी चाहिए, जो अभी मांग का 87 प्रतिशत है और देश को सालाना लगभग 22 लाख करोड़ रुपए का खर्च उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन भारत के समक्ष सबसे बड़ा चुनौती है, और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने से देश 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है।

इस समिट में नीति निर्माताओं, उद्योग नेताओं और वैश्विक विशेषज्ञों ने एक सस्टेनेबल हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने के लिए नियामक ढांचे, फाइनेंसिंग मॉडल और व्यापार गलियारों पर गहन चर्चा की। चर्चा में केमिकल कंपनियां स्वच्छ उत्पादन प्रक्रियाओं के लिए हाइड्रोजन का उपयोग कैसे कर सकती हैं, उभरते इनोवेशन को कैसे अपना सकती हैं और सस्टेनेबल औद्योगिक परिवर्तन के लिए रणनीतियां कैसे लागू की जा सकती हैं, जैसे विषय शामिल थे।इसके अलावा, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों ने उर्वरक उत्पादन में ग्रे हाइड्रोजन को ग्रीन विकल्पों से बदलने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। पैनल ने अमोनिया और यूरिया के निर्माण के लिए ग्रीन हाइड्रोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक व्यवहार्यता, सहयोग मॉडल और सप्लाई चेन साझेदारी की समीक्षा की। मुंबई पोर्ट अथॉरिटी और दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी के चेयरमैन सुशील कुमार सिंह ने इंटरनेशनल सर्टिफिकेशन आवश्यकताओं, डेडिकेटेड शिपिंग गलियारों और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास तथा भारत के हाइड्रोजन निर्यात को वैश्विक लागत और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप करने की रणनीतियों के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि 2030 तक 5 मिलियन टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रोजगार सृजन और निवेश आकर्षित करेगा।यह पहल भारत को स्वच्छ ईंधन में वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने का अवसर देगी, और केंद्रीय मंत्री गडकरी ने इसे मक्लीन फ्यूल्स में नेतृत्व करने का क्षणफ बताया। सरकार का लक्ष्य तेल आयात पर निर्भरता घटाकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता हासिल करना है।

तिरुपति लड्डू ...

अपना काम पूरी तरह बंद कर दिया है। तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर मंदिर के प्रसिद्ध लड्डू प्रसाद में मिलावटी घी इस्तेमाल किए जाने के आरोप ने देशभर में आस्था से जुड़े लाखों श्रद्धालुओं को झकझोर दिया था। मामला अब शीर्ष अदालत की निगरानी में है।

ट्रंप ने लगाए...

प्रभावित करेगा। इन कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को 2-5% की गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, म1 अक्टूबर 2025 से हम किसी भी ब्रांडेड या पेटेंट फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे, जब तक कि वह कंपनी अमेरिका में अपना फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट नहीं बना रही हो।फ यह घोषणा ट्रंप की व्यापक टैरिफ नीति का हिस्सा है, जो अमेरिकी विनिर्माण को बढ़ावा देने का दावा करती है।

अपने हालिया टैरिफ फैसले में ट्रंप ने किचन कैबिनेट और बाथरूम वैनिटीज पर 50% टैरिफ, कुर्सियों और सोफे जैसे सामान पर 30% और भारी ट्रकों पर 25% टैरिफ लगाया है। हालांकि ट्रंप ने इन टैरिफों के लिए कोई कानूनी वजह नहीं बताई, उन्होंने कहा कि ये टैक्स राष्ट्रीय सुरक्षा और अन्य कारणों के लिए जरूरी हैं, जिससे उनकी कमांडर-इन-चीफ के रूप में भूमिका की सीमाओं को चुनौती दी गई। यह कदम सेक्शन 232 के तहत लिया गया है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर आयातों पर टैरिफ लगाने की अनुमति देता है।

यह टैरिफ भारत के 30 अरब डॉलर के फार्मा निर्यात बाजार को धमकी दे सकता है, जहां अमेरिका सबसे बड़ा बाजार है। हालांकि जेनेरिक दवाओं पर अभी टैरिफ नहीं है, लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि नीति का विस्तार हुआ तो अमेरिका में दवा की कमी हो सकती है और भारतीय कंपनियों को नुकसान पहुंचेगा। फार्मेक्सिल के चेयरमैन ने कहा कि पेटेंटेड दवाओं का निर्यात न के बराबर होने से तत्काल प्रभाव कम होगा, लेकिन लंबे समय में अमेरिकी बाजार में निवेश बढ़ाने की जरूरत पड़ेगी। विदेश मंत्रालय की निगरानी के बीच सरकार द्विपक्षीय वार्ताओं के जरिए इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश कर सकती है।

अमेरिकी टैरिफ पर...

सार्वजनिक वक्तव्यों में अधिक जिम्मेदारी और सटीकता होनी चाहिए। ऐसी अटकलें, जो भारतीय प्रधानमंत्री के कथित संवाद को झूठा प्रस्तुत करती हैं, भारत के लिए पूरी तरह अस्वीकार्य हैं।विदेश मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा आयात नीति का मकसद भारतीय उपभोक्ताओं के लिए किफायती और स्थिर ऊर्जा उपलब्ध कराना है और इस पर कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं है। राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए भारत आगे भी सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

भारत ने नाटो महासचिव का दावा नकारते हुए यह भी संकेत दिया कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए कथित टैरिफ के बावजूद भारत अपनी ऊर्जा नीति और रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी में कोई बदलाव नहीं करेगा।हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के उप-प्रधानमंत्री दिमित्री पात्रुशेव से मुलाकात की थी और कारोबार तथा ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को लेकर चर्चा की थी। आने वाले महीनों में भारत-रूस शिखर सम्मेलन आयोजित होने वाला है, जिसमें भाग लेने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नई दिल्ली पहुंचेंगे।

नवरात्रि में कन्या पूजन से मिलेगी परेशानियों से मुक्ति

नवरात्रि के अंतिम दिन कन्या पूजन का विशेष महत्व होता है। व्रत रखने वाले भक्त कन्याओं को भोजन कराने के बाद ही अपना व्रत खोलते हैं। कन्याओं को देवी मां का स्वरूप माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन कन्याओं को भोजन कराने से घर में सुख, शांति एवं सम्पन्नता आती है। कन्या भोज के दौरान नौ कन्याओं का होना आवश्यक होता है। इस बीच यदि कन्याएं 10 वर्ष से कम आयु की हो तो जातक को कभी धन की कमी नही होती और उसका जीवन उन्नतशील रहता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस साल 22 सितंबर से शारदीय नवरात्रि शुरू हो गई है, जिसका समापन 1 अक्टूबर को होगा। सबसे खास बात यह है कि इस बार तृतीया तिथि की वृद्धि हुई है इस बार 24 और 25 सितंबर को तृतीया तिथि रहेगी। इस कारण शारदीय नवरात्रि का समापन 2 अक्टूबर को होगा और इसी दिन दशहरा भी मनाया जायेगा। नवरात्रि में कन्या पूजन का बहुत महत्व है। आमतौर पर नवमी को कन्याओं का पूजन करके उन्हें भोजन कराया जाता है। लेकिन कुछ श्रद्धालु अष्टमी को भी कन्या पूजन करते हैं। नवरात्रि में अष्टमी और नवमी के दिन कन्या भोजन का विधान ग्रंथों में बताया गया है। इसके पीछे भी शास्त्रों में वर्णित तथ्य यही हैं कि 2 से 10 साल तक उम्र की नौ कन्याओं को भोजन कराने से हर तरह के दोष खत्म होते हैं। कन्याओं को भोजन करवाने से पहले देवी को नैवेद्य लगाएं और भेंट करने वाली चीजें भी पहले देवी को चढ़ाएं। इसके बाद कन्या भोज और पूजन करें। कन्या भोजन न करवा पाएं तो भोजन बनाने का कच्चा सामान जैसे चावल, आटा, सब्जी और फल कन्या के घर जाकर उन्हें भेंट कर सकते हैं।

कन्या पूजन

नवरात्रि में कन्या पूजन को विशेष महत्व दिया गया है। सामान्यतः लोग सभी नौ दिनों में कन्याओं का पूजन कर सकते हैं, लेकिन अधिकांश श्रद्धालु दुर्गा अष्टमी और महानवमी पर ही इसे करते हैं। इस बार शारदीय नवरात्रि में कन्या पूजन 30 सितंबर और 1 अक्तूबर को महानवमी पर किया जाएगा।

शुभ योग और नक्षत्र

इस वर्ष दुर्गा अष्टमी पर शोभन योग बन रहा है, जो 1 अक्तूबर की रात 1:00 बजे तक रहेगा। उसके बाद अतिगंड योग प्रारंभ होगा। शोभन योग को अत्यंत मंगलकारी माना जाता है, जिसमें पूजा-पाठ और शुभ कार्य करना श्रेष्ठ होता है। इस दिन प्रातःकाल तक मूल नक्षत्र रहेगा और सुबह 6:17 बजे से पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र आरंभ होगा। इन शुभ संयोगों में मां दुर्गा की आराधना विशेष फलदायी मानी जाती है।

कन्या और देवी के शस्त्रों की पूजा

अष्टमी को विविध प्रकार से मां शक्ति की पूजा करें। इस दिन देवी के शस्त्रों की पूजा करनी चाहिए। इस तिथि पर विविध प्रकार से पूजा करनी चाहिए और विशेष आहुतियों के साथ देवी की प्रसन्नता के लिए हवन करवाना चाहिए। इसके साथ ही 9 कन्याओं को देवी का स्वरूप मानते हुए भोजन करवाना चाहिए। दुर्गाष्टमी पर मां दुर्गा को विशेष प्रसाद चढ़ाना चाहिए। पूजा के बाद रात्रि को जागरण करते हुए भजन, कीर्तन, नृत्यादि उत्सव मनाना चाहिए।

हर आयु की कन्या का होता है अलग महत्व

2 साल की कन्या को कौमारी कहा जाता है। इनकी पूजा से दुख और दरिद्रता खत्म होती है। 3 साल की कन्या त्रिमूर्ति मानी जाती है। त्रिमूर्ति के पूजन से धन-धान्य का आगमन और परिवार का कल्याण होता है। 4 साल की कन्या कल्याणी मानी जाती है। इनकी पूजा से सुख-समृद्धि मिलती है। 5 साल की कन्या रोहिणी माना गया है। इनकी पूजन से रोग-मुक्ति मिलती है। 6 साल की कन्या कालिका होती है। इनकी पूजा से विद्या और राजयोग की प्राप्ति होती है। 7 साल की कन्या को चंडिका माना जाता है। इनकी पूजा से ऐश्वर्य मिलता है। 8 साल की कन्या शांभवी होती है। इनकी पूजा से लोकप्रियता प्राप्त होती है। 9 साल की कन्या दुर्गा को दुर्गा कहा गया है। इनकी पूजा से शत्रु विजय और असाध्य कार्य सिद्ध होते हैं। 10 साल की कन्या सुभद्रा होती है। सुभद्रा के पूजन से मनोरथ पूर्ण होते हैं और सुख मिलता है।

कन्या पूजन से मिलेगी परेशानियों से मुक्ति

विवाह में देरी

यदि शादी में देरी हो रही है तो पांच साल की कन्या को खाना खिलाकर। श्रृंगार का सामान भेंट करें।

धन संबंधी समस्या

पैसों की कमी से परेशान हैं तो चार साल की कन्या को खीर खिलाएं। इसके बाद पीले कपड़े और दक्षिणा दें।

शत्रु बाधा और काम में रुकावटें

नौ साल की तीन कन्याओं को भोजन सामग्री और कपड़ें दें।

पारिवारिक क्लेश

तीन और दस साल की कन्याओं को मिठाई दें।

बेरोजगारी

छह साल की कन्या को छाता और कपड़ें भेंट करें।

सभी समस्याओं का निवारण

पांच से 10 साल की कन्याओं को भोजन सामग्री देकर दूध, पानी या फलों का रस भेंट करें। सौन्दर्य सामग्री भी दें।

पुराणों में है कन्या भोज का महत्व

पौराणिक धर्म ग्रंथों एवं पुराणों के अनुसार नवरात्री के अंतिम दिन कौमारी पूजन आवश्यक होता है। क्योंकि कन्या पूजन के बिना भक्त के नवरात्र व्रत अधूरे माने जाते हैं। कन्या पूजन के लिए सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को उपयुक्त माना जाता है। कन्या भोज के लिए दस वर्ष तक की कन्याएं उपयुक्त होती हैं।

अष्टमी-नवमी का महत्व

सनातन धर्म के लोगों के लिए नवरात्रि के हर दिन का खास महत्व है। जो लोग नवरात्रि के 9 दिन तक पूजा-पाठ या व्रत नहीं रख पाते हैं, वो केवल अष्टमी और नवमी का व्रत रखते हैं। नवरात्रि के पर्व का समापन नवमी के दिन पूजा-पाठ और कन्या पूजन के बाद होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, जो लोग इन दोनों तिथि के दिन सच्चे मन से पूजा-पाठ करते हैं, उन्हें मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है। बता दें कि नवमी को नवरात्रि का अंतिम दिन माना जाता है, जिस दिन माता दुर्गा ने महिषासुर राक्षस का वध किया था।

अष्टमी और नवमी

हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी 29 सितंबर को शाम 04:31 मिनट पर आरंभ हो रही है, जो 30 सितंबर को शाम 06:06 मिनट समाप्त होगी। इसके बाद नवमी तिथि आरंभ हो जाएगी, जो 01 अक्टूबर को रात 7:01 मिनट पर है।

महा अष्टमी - 30 सितंबर

अष्टमी तिथि की शुरुआत- 29 सितंबर को शाम 04:31 मिनट पर

अष्टमी तिथि का समापन- 30 सितंबर को शाम 06:06 मिनट पर

महानवमी- 1 अक्टूबर

नवमी तिथि की शुरुआत- 30 सितंबर को शाम 6:06 मिनट पर

नवमी तिथि का समापन- 01 अक्टूबर को रात 7:01 मिनट पर

इस तरह करें पूजन

कन्या पूजन के दिन घर आईं कन्याओं का सच्चे मन से स्वागत करना चाहिए। इससे देवी मां प्रसन्न होती हैं। इसके बाद स्वच्छ जल से उनके पैरों को धोना चाहिए। इससे भक्त के पापों का नाश होता है। इसके बाद सभी नौ कन्याओं के पैर छूकर आशीर्वाद लेना चाहिए। इससे भक्त की तरक्की होती है। पैर धोने के बाद कन्याओं को साफ आसन पर बैठाना चाहिए। अब सारी कन्याओं के माथे पर कुमकुम का टीका लगाना चाहिए और कलावा बांधना चाहिए। कन्याओं को भोजन कराने से पहले अन्य का पहला हिस्सा देवी मां को भेंट करें, फिर सारी कन्याओं को भोजन परोसे। वैसे तो मां दुर्गा को हलवा, चना और पूरी का भोग लगाया जाता है। लेकिन अगर आपका सामाथ्र्य नहीं है तो आप अपनी इच्छानुसार कन्याओं को भोजन कराएं। भोजन समाप्त होने पर कन्याओं को अपने सामथ्र्य अनुसार दक्षिणा अवश्य दें। क्योंकि दक्षिणा के बिना दान अधूरा रहता है। यदि आप चाहते हैं तो कन्याओं को अन्य कोई भेंट भी दे सकते हैं। अंत में कन्याओं के जाते समय पैर छूकर उनका आशीर्वाद लें और देवी मां को ध्यान करते हुए कन्या भोज के समय हुई कोई भूल की क्षमा मांगें। ऐसा करने से देवी मां प्रसन्न होती हैं और भक्तों के सभी कष्ट दूर होते हैं।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

नवरात्र में जरुर आजमाएं लौंग के ये सरल उपाय

नवरात्र के पावन दिन चल रहे हैं। नवरात्र में मां दुर्गा के 9 स्वरुपों की पूजा की जाती है और उन्हें विभिन्न भोग लगाएं जाते हैं। मां दुर्गा को लौंग और पान के पत्ते का भोग अति प्रिय है। नवरात्र के दिनों में लौंग से जुड़ी कुछ सरल और आसान उपाय करके आप मां दुर्गा को प्रसन्न कर सकते हैं।

नवरात्रि के दिनों में लौंग से जुड़े उपाय करने से घर में सुख समृद्धि और धन की प्राप्ति होती है। लौंग ने सिर्फ स्वास्थ्य के लिए अच्छा है बल्कि पूजा पाठ में भी इसका खूब इस्तेमाल किया जाता है।

लौंग से जुड़े सरल उपाय

नवरात्र के दिनों में मां दुर्गा की आरती करते समय दिए की बाती में दो लौंग रख दें इसके बाद उसमें बाती और घी डालकर मां की आरती उतारें। लौंग के धुएं से घर में नकारात्मकता दूर होती हैं और सकारात्मकता का वास होता है।

अगर किसी व्यक्ति को तरक्की नहीं मिल रही है तो नवरात्र के दिनों में लौंग का जोड़ा लेकर अपने सिर से लेकर पैर तक सात बार वारें। इसके बाद इन लौंग को एक लाल कपड़े में बांधकर मां दुर्गा के सामने अर्पित कर दें। इस उपाय को करने से आपको आर्थिक परेशानियों से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही तरक्की की राह भी आपके लिए आसान होगी।

अगर घर में कलह क्लेश ज्यादा रहता है। साथ ही बार बार आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है तो इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए नवरात्रि के दिनों में रोजाना शाम के समय घर के मुख्य द्वार पर लौंग के तेल का दीपक जलाएं। ऐसा करने से आपको अपनी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है। इस उपाय को करने से आपको घर में आने वाले संकट से भी छुटकारा मिल सकता है।

नवरात्र के दिनों में एक लाल रंग के कपड़े में लौंग का जोड़ा रखकर मां दुर्गा को अर्पित करें। इसके बाद इस पोटली को उठाकर अपने धन रखने के स्थान पर रख दें। ऐसा करने से आपको आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है।

अगर किसी की कुंडली में राहु केतु का अशुभ प्रभाव है तो नवरात्रे के दिनों में लौंग का दान मंदिर में जाकर करें। मंदिर में दो लौंग रखकर आएं। यह उपाय आपको नवरात्र से शुरू करते हर शनिवार करना है। कम से कम 11 शनिवार इस उपाय को करें।

नवरात्रि में गुड़हल फूल के उपाय करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है

नवरात्रि के पावन दिनों में मां दुर्गा की पूजा के समय उन्हें फूल-माला भी अर्पित की जाती है। वहीं, मां दुर्गा को गुड़हल के फूल बेहद प्रिय हैं। मान्यता है कि देवी की पूजा में लाल रंग के गुड़हल के फूल शामिल करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है और मां दुर्गा की विशेष कृपा साधक पर बनी रहती है। ऐसे में अगर आप इन दिनों में व्रत रखने और मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा करने के साथ-साथ गुड़हल के फूल से कुछ विशेष उपाय कर लें तो इससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है और धन-धान्य की कमी भी दूर हो सकती है।

घर में सुख-समृद्धि के लिए करें यह उपाय

नवरात्रि में प्रतिदिन नियमित रूप से मां दुर्गा को लाल रंग के गुड़हल के फूल अर्पित करें और विधि-विधान से उनकी पूजा-आरती करें। अगर आप श्रद्धापूर्वक इस आसान उपाय को आजमाते हैं तो जीवन से नकारात्मकता दूर हो सकती है और घर में सुख-समृद्धि आने लगती है। मां को लाल रंग बेहद प्रिय है। ऐसे में इन फूलों को चढ़ाने से देवी प्रसन्न होती हैं और इनकी कृपा साधक पर बनी रहती है। ऐसे नवरात्रि में इस उपाय को अवश्य करें।

धन-धान्य में वृद्धि का उपाय

इन पावन दिनों में मां सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करना चाहिए और पीले या लाल रंग के वस्त्र धारण करके मां दुर्गा की पूजा करें। पूजा के समय देवी को अर्पित करने के साथ-साथ 'ओम एम ह्रीं कलीम चामुण्डायै विच्चे' मंत्र का जाप करें। 108 बार इसका जप करना सबसे उत्तम माना गया है। ऐसा करने जातक को पैसों की तंगी से छुटकारा मिल सकता है और धन की तिजोरी कभी भी खाली नहीं रहती है। साथ ही, साधक की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो सकती है।

मनोकामना पूर्ति के लिए करें यह काम

नवरात्रि में रोजाना स्नानादि करने के बाद माता दुर्गा की विधि-विधान से पूजा करें और उन्हें प्रत्येक दिन एक लाल रंग का गुड़हल का फूल अर्पित करें। इसी दौरान में मन में देवी के सामने अपनी मनोकामना बोलें। इसके बाद, दशमी तिथि के दिन चढ़ाए गए फूलों को बहते जल में प्रवाहित कर दें। इस उपाय को करने से साधक की मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं और मां दुर्गा की कृपा प्राप्त होती है।

नकारात्मक ऊर्जा दूर करने का उपाय

इसके लिए नवरात्रि में दोपहर के समय गुड़हल का एक आधा खिला फूल ले आएं और उसे माता काली को प्रसाद के रूप में अर्पित करें। इसके बाद, पूजा के बाद फूल को घर के उस सदस्य को खिलाएं जिस पर नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव हो। इस उपाय को करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। लेकिन, अगर आपको गुड़हल के फूल से किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो इसे ग्रहण न करें।

अपनी राशि के अनुसार भोग-वस्त्र इस प्रकार करें अर्पण

मेष राशि- मेष राशि का राशि स्वामी तेजस्वी मंगल ग्रह है, नवरात्रि पूजा के दौरान देवी को गुलाब, गुड़हल, लाल फूल एवं लाल वस्त्र से अलंकृत करें, लाल मिष्ठान का भोग लगाने के बाद उसे सभी में बांटें, बाधाओं को दूर करने के लिए नौ दिन लाल चन्दन की माला से देवी मंत्र का जप करें।

वृष राशि- वृष एक भौतिक राशि है, जिसका स्वामी शुक्र ग्रह है, नवरात्रि की सफलता एवं मां के आशीर्वाद से धन-धान्य की वृद्धि के लिए नवरात्रि के नौ दिनों में स्फटिक की माला से सर्वाबाधा देवी मंत्र का जप करें, नैवेद्य में सफेद बर्फी या मिसरी का भोग लगाएं।

मिथुन राशि- मिथुन एक व्यवहारिक राशि है, जिसका स्वामी बुध ग्रह है, देवी को पेठे का भोग लगाएं, नवरात्रि के नौ दिनों में पूजन के साथ-साथ कन्याओं को हरे वस्त्र, पढ़ने-लिखने की सामग्री भेंट करने से चमत्कारिक शुभ फल प्राप्त होता है।

कर्क राशि- कर्क एक जल तत्व राशि है, जिसका राशि स्वामी चन्द्रमा है, घर-परिवार में सुख-शांति के लिए नवरात्रि के दिनों में सफेद चन्दन अथवा मोती की माला से देवी मंत्र का जाप करें, देवी को नैवेद्य में दूध से बनी मिठाई का भोग लगाएं।

सिंह राशि- सिंह राशि स्वामी सूर्य के कारण ऊर्जावान राशि है, नवरात्रि में पूजन के साथ देवी को गुड़, लाल मिष्ठान का भोग लगाएं, लाल वस्त्र, लाल पुष्प, लाल चन्दन, शहद, केसर, शुद्ध घी, कुमकुम आदि दक्षिणा सहित अर्पण के बाद दान करें।

कन्या राशि- कन्या दोहरे स्वभाव वाली राशि है, जिसका राशि स्वामी बुध ग्रह है, नवरात्रि में हवन-पूजन के साथ नैवेद्य में खीर का भोग लगाकर देवी को हरे वस्त्र अर्पण करें, तुलसी की माला से देवी मंत्रों का जप करना लाभदायक रहेगा।

तुला राशि- तुला एक संतुलित राशि है, जिसका राशि स्वामी शुक्र है, नवरात्रि की पूजा में कपूर, सुगंधित धूप, इत्र का प्रयोग करें, देवी को बर्फी का भोग लगाएं, कन्याओं को सफेद रूमाल भेंट करें, मां को सफेद वस्त्र अर्पण करें।

वृश्चिक राशि- वृश्चिक एक साहसी राशि है, जिसका राशि स्वामी मंगल है, नवरात्रि में पूजन के साथ देवी को गुड़, चने का भोग लगाएं, कन्याओं को माता की लाल चुनरी पहनाकर उनका आशीष अवश्य लें, नवरात्रि के दिनों में गाय के उपले पर लोबान जलाने से नजर दोष से मुक्ति मिलती है।

धनु राशि- धनु एक तीरंदाज राशि है, जिसका राशि स्वामी बृहस्पति ग्रह है, समृद्धि के लिए पूजा के दौरान हल्दी की माला से देवी मंत्रों का जप करें, पीली मिठाई व केले का भोग लगाएं, नवरात्रि के नौ दिनों में धर्मस्थल पर धार्मिक पुस्तक का दान करें।

मकर राशि- मकर शनि प्रधान कर्तव्यनिष्ठ राशि है, नवरात्रि की पूजा में मां का भूरे रंग के वस्त्रों से श्रृंगार करें, मां भगवती को हलुआ, चना का भोग लगाकर वितरित करें और जरूरतमंदों की सहायता अवश्य करें।

कुम्भ राशि- कुम्भ शनि प्रधान रहस्यमयी राशि है, नवरात्रि की पूजा में देवी के आगे नारियल की बली चढ़ाएं जिससे बाधाओं का शमन हो, नारियल का प्रसाद घर के सभी सदस्यों में बांटें, रुद्राक्ष की माला से देवी मंत्रों का जप करें।

मीन राशि- मीन बृहस्पति प्रधान जल तत्व की राशि है, मां को केसर आदि से युक्त पीली मिठाई का भोग लगाएं, कन्याओं को शिक्षा संबंधी वस्तु नौ दिनों तक भेंट कर आर्शीवाद अवश्य लें। नवरात्रि पूजन के दौरान मां का श्रृंगार पीले वस्त्रों से करें।

कन्या पूजन से खुश होते हैं नवग्रह!

जानें नवरात्रि का ये खास उपाय

नवरात्रि 2025 की शुरुआत हो चुकी है। हर तरफ माता रानी के भक्त उनकी भक्ति में लीन हैं। नवरात्रि की अष्टमी और नवमी तिथि को कन्या पूजन किया जाता है। जिसमें छोटी-छोटी कन्याओं को माता का स्वरूप मानकर उनकी पूजा अर्चना कर भोजन कराया जाता है।

मान्यताओं के मुताबिक प्रत्येक कन्याओं में माता का रूप विद्यमान होता है, इस वजह से नवरात्रि के दौरान कन्या पूजन करना बेहद जरूरी है।

कन्या पूजन का संबंध नवग्रहों से

नवरात्रि में सही तरीके से कन्या पूजन करने पर हम अपने नवग्रहों को खुश कर सकतो हैं, क्योंकि कन्या पूजन धार्मिक अनुष्ठान के साथ-साथ जीवन में सकारात्मक बदलाव, सुख, समृद्धि और यश को बुलाने का एक माध्यम भी है।

कन्या पूजन के दौरान बनने वाले प्रसाद का संबंध हमारे ग्रहों से भी होता है।

कन्या पूजन के दौरान जब आप पूरी बनाते हैं तो वो बुध का प्रतीक होता है।

आटे का हलवा सूर्य का प्रतीक है।

काले चने शनि का प्रतीक होते हैं।

जब हम जल से कन्याओं के पैर धोते हैं, वो चंद्रमा का प्रतीक होता है।

कन्याओं के हाथ में मौली पहनते हैं, वो मंगल का प्रतिनिधित्व करता है।

इसके बाद जब हम कन्याओं को जौ देते हैं, वो राहु का प्रतीक होता है।

कन्याओं को चुड़ियां देते हैं, वो बुध का प्रतिनिधित्व करता है।

जब आप कन्याओं को बिंदी और पैसे देते हैं, तो ये शुक्र का प्रतीक होता है।

वही जब आप कन्याओं के पैर छूते हैं तो इसे केतु की स्थिति में सुधार आता है।

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक कन्या पूजन को सही विधि से करने पर हम अपने 9 ग्रहों को एक्टिव करने का काम करते हैं और मां दुर्गा की कृपा पाते हैं।

कन्या पूजन कब है?

अष्टमी तिथि

नवरात्रि की अष्टमी तिथि को कन्या पूजन का विशेष महत्व होता है। इस दिन कन्याओं को माता का स्वरूप मानकर उन्हें भोजन कराया जाता है।

नवमी तिथि

बहुत से लोग कन्या पूजन नवमी तिथि को भी करते हैं। नवमी तिथि शक्ति साधना का अंतिम चरण माना जाता है। इस दिन भी कई जगह छोटी-छोटी कन्याओं को भोजन कराया जाता है।

बालों में गजरा और माथे पर बिंदी लगा विद्या बालन लगी सुंदर नारी

नवरात्रि के पहले दिन से ही बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। विद्या नवरात्रि के हर दिन के हिसाब से अपना नया लुक शेयर करती हैं। शुक्रवार को नवरात्रि के पांचवें दिन एक्ट्रेस ने मां स्कंदमाता को समर्पित लुक शेयर किया, जिसमें एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत लग रही हैं। एक्ट्रेस ने चार फोटोज शेयर की हैं।

विद्या बालन ने अपना सोशल मीडिया अपडेट किया है, जिसमें वो ग्रीन और रेड कलर के कॉम्बिनेशन की साड़ी में दिख रही हैं। एक्ट्रेस ने बालों का स्लीक बन बना रखा है और कानों में पीकॉक पैटर्न के ईयररिंग पहन रखे हैं। एक्ट्रेस ने गले में कुछ नहीं पहना है। लेकिन, सिंपल बिंदी लगाकर अपने लुक को सिंपल और एलीगेंट बना दिया है।

एक्ट्रेस का ओवरऑल लुक बेहद क्लासी है। एक्ट्रेस ने फ्लोर पर बैठकर पोज दिए हैं और ज्यादातर साइड पोज हैं। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, नवरात्रि का पांचवा लुक। फैंस भी एक्ट्रेस के लुक की खुलकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, विद्या मैम, हरे रंग का ये शेड आप पर जादू की तरह लग रहा है, एलिगेंस, टाइमलेस और ग्रेसफुल। इससे पहले एक्ट्रेस ने पीले रंग की साड़ी में फोटोज शेयर की थी, जिसमें पिंक कलर के बड़े फ्लावर बने थे। एक्ट्रेस ने रेड बैकग्राउंड के साथ क्लासी पोज दिए थे। एक्ट्रेस का हर लुक फैंस को पसंद आ रहा है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म दो और दो प्यार में देखा गया था। इसी साल एक्ट्रेस की सुपरहिट फिल्म परिणीति को सिनेमाघरों में री-रिलीज भी किया गया। इसके अलावा एक्ट्रेस ओटीटी पर भी डेब्यू कर चुकी हैं, जिसमें नियत, जलसा, हम पांच और नटखट जैसे शो शामिल हैं। फिलहाल एक्ट्रेस फिल्मों से दूर सोशल मीडिया पर लगातार अपडेट्स देती हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस को पॉडकास्ट शो करते भी देखा गया है।

राशि खन्ना का पीली साड़ी में दिलकश अंदाज

अभिनेत्री राशि खन्ना ने सोमवार को सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह साड़ी लुक में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने अपनी नई इंस्टाग्राम पोस्ट में पीले रंग की रेशमी साड़ी में सबका ध्यान खींचा है। इस साड़ी को उन्होंने सुनहरे रंग के स्टाइलिश कट-आउट स्लीव्स वाले ब्लाउज के साथ पहना है, जो उनके लुक को एक मॉडर्न और रॉयल टच दे रहा है। साड़ी की रेशमी चमक और सुनहरे ब्लाउज का मेल उनके फिगर से मैच ले रहा है। इस लुक को और भी आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने माथे पर एक छोटी सी बिंदी और कानों में खूबसूरत झुमके पहने हैं। वहीं, मेकअप को बिल्कुल हल्का और प्राकृतिक रखा गया है। बालों को मिनिमल स्टाइल में खुला छोड़ा गया है, हल्की वेव्स के साथ, जो पूरे लुक को कैजुअल येट एलिगेंट टच दे रहा है।

पहली तस्वीर में, वह सोफे पर आराम करती हुई दिख रही हैं, जिसमें उन्होंने अपने हाथों को स्टाइलिश अंदाज़ में क्रॉस कर रखा है और कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुरा रही हैं।

दूसरी तस्वीर में, उनका फोकस झुमकों पर है। उन्होंने अपना सिर थोड़ा झुकाया हुआ है, ताकि झुमके की चमक साफ-साफ नजर आए। तीसरी तस्वीर में, वह साइड प्रोफाइल में हैं और उनकी नजरें कहीं दूर टिकी हुई हैं।

बाकी तस्वीरों में राशि तरह-तरह के एक्सप्रेशंस दिखा रही हैं – कभी हल्की स्माइल के साथ आंखें बंद, तो कभी हाथों से साड़ी की प्लेट्स को एडजस्ट करती हुईं। एक शॉट में वो फ्लोर पर खड़ी हैं, बैकग्राउंड में सॉफ्ट लाइटिंग के साथ, जो लुक को और ड्रीमी बना रही है।राशि ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा है, बस यही एक बात है, जिसमें मैं हर बार दिल हार बैठती हूं। अभिनेत्री के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो उनकी कई फिल्में रिलीज के लिए लाइन में लगी हैं। आगामी फिल्म 'तेलुस कडा' की शूटिंग अब खत्म हो चुकी है। फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

लंदन फैशन वीक : सोनम कपूर ने इंडो-वेस्टर्न लुक से जीता फैंस का दिल

अनिल कपूर की लाडली और बॉलीवुड की फैशन डीवा सोनम कपूर ने अपने करियर में कम ही हिट फिल्म दी हैं, लेकिन फैशन के मामले में एक्ट्रेस हमेशा बॉलीवुड में सबसे पहले नंबर पर रही हैं। एक्ट्रेस हर बार ऐसा अतरंगी और स्टाइलिश गेटअप लेकर आती हैं कि फैशन इंडस्ट्री के लोग भी हैरान हो जाते हैं। अब एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपने नए इंडो-वेस्टर्न लुक से सबका दिल जीत लिया है।

सोनम कपूर ने अपना नया लुक अपडेट किया है और सोशल मीडिया पर इसकी बहुत सारी झलकियां शेयर की हैं। फोटोज में एक्ट्रेस ने एक नहीं, बल्कि तीन अटायर के कॉम्बीनेशन के साथ लुक क्रिएट किया है। एक्ट्रेस ने फुल एंब्रॉयडरी वाला ओवरकोट पहना है और उसके साथ व्हाइट शर्ट और साड़ी स्टाइल दुपट्टा कैरी किया है। एक्ट्रेस का अटैच दुपट्टा काफी यूनिक है क्योंकि उस पर ट्रेडिशनल ब्रोज लगा है। अपने लुक को पूरा करते हुए एक्ट्रेस ने शायनी ब्लैक पलाजो भी पहना है और हाथ में बंजारा पैटर्न के साथ एक क्लच भी लिया है। कुल मिलाकर सोनम का लुक वेस्टर्न लुक के साथ भारतीय संस्कृति को दिखाता है। ये खास लुक सोनम कपूर ने लंदन फैशन वीक 2025 के लिए लिया है।

पोज के मामले में भी सोनम कपूर ने फैंस का दिल जीत लिया है। एक्ट्रेस ने एलिगेंस तरीके से स्टाइलिश पोज दिए हैं। सोनम ने फोटोज के साथ कैप्शन में लिखा, मेरी पसंदीदा अनामिका खन्ना, आप हमेशा अतुलनीय और अद्भुत रहेंगी। लंदन में क्या शानदार शो था! आपसे प्यार करता हूं! दुनिया द्वारा आपको खोजे जाने का बेसब्री से इंतज़ार है।

बता दें कि ये खास लुक भारतीय फैशन डिजाइनर अनामिका खन्ना के वॉर्डरोब से आया है, जिसे सोनम कपूर ने लंदन फैशन वीक में रिप्रजेंट किया। बीते दिन भी एक्ट्रेस व्हाइट लॉन्ग ड्रेस में लंदन फैशन वीक 2025 में पहुंची थी। एक्ट्रेस की इस ड्रेस ने राजस्थान के पक्षी गोडावण की बढ़ती संख्या को दर्शाया था।

पर्पल ड्रेस में मोनालिसा ने दिखाईं दिलकश अदाएं

भोजपुरी फिल्मों और टीवी इंडस्ट्री की एक्ट्रेस मोनालिसा का जादू सोशल मीडिया पर लगातार देखने को मिलता रहता है। एक्ट्रेस जो कुछ पोस्ट करती हैं, वो आते ही सोशल मीडिया पर छा जाता है। अब एक्ट्रेस ने अपने पर्पल लुक से फैंस के दिलों की धड़कन को कुछ देर के लिए ही सही, लेकिन रोक दिया है। मोनालिसा ने अपना सोशल मीडिया अपडेट किया है, जिसमें वो पर्पल ड्रेस में दिख रही हैं।एक्ट्रेस ने स्किनी और शाइनी कपड़े वाली पर्पल ड्रेस पहनी है, जिसके साथ पोनी बनाकर एक्ट्रेस ने राउंड शेप के ईयररिंग पहने हैं।

अपने लुक को खूबसूरत बनाने के लिए मोनालिसा ने मिनिमल मेकअप किया है। एक्ट्रेस का ओवरऑल लुक इतना अट्रैक्टिव है कि कोई भी उसका दीवाना हो जाए। एक्ट्रेस ने पोज देने के मामले में भी बॉलीवुड डीवास को पीछे छोड़ दिया है। एक्ट्रेस कभी सोफे पर तो कभी दरवाजे पर सिजलिंग पोज दे रही हैं। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, पर्पल लव।फैंस भी मोनालिसा के लुक के दीवाने हो गए हैं। एक यूजर ने तारीफ कर लिखा, आप इस उम्र में भी बहुत-बहुत सुंदर हैं। दूसरे यूजर ने लिखा, हाय... कौन ऐसे लुक पर अपना दिल नहीं हारना चाहता।

बता दें कि मोनालिसा फिलहाल देश के अलग-अलग राज्यों में इवेंट्स कर रही हैं। उनका अभी कोई सीरियल पाइपलाइन में नहीं है। एक्ट्रेस का पूरा फोकस फेस्टिवल इवेंट्स है और बाकी सोशल मीडिया पर अपनी अदाओं से ही अपनी मौजूदगी का अहसास करा देती हैं। एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर 5.9 मिलियन लोग फॉलो करते हैं।

छोरियाँ चली गाँव में जैकी श्रॉफ ने कृष्णा श्रॉफ और उनकी सह-प्रतियोगियों को दिया सरप्राइज़

छोरियां चली गांव' के ताज़ा एपिसोड में प्रतियोगियों ने बमूलिया गांव की महिलाओं को मुंबई की चकाचौंध और रौनक से रूबरू कराया। यह अनुभव इन महिलाओं के लिए किसी सपने से कम नहीं था – पहली बार गाँव की सादगी से निकलकर उन्होंने महानगर की तेज़ रफ्तार ज़िंदगी को करीब से देखा। बांद्रा की गलियों से लेकर समंदर के किनारे तक, इन महिलाओं ने उस शहर को महसूस किया जिसे वे अब तक सिर्फ कहानियों और फिल्मों में देखती-सुनती आई थीं। शांत ग्रामीण जीवन से एकदम अलग, मुंबई की हर आवाज़, हर रंग, हर महक ने उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया।

हालांकि, उन्हें इस बात की उम्मीद नहीं थी कि उन्हें एक ऐसा दिल छू लेने वाला सरप्राइज मिलेगा जो उन्हें मंत्रमुग्ध कर देगा। इस अनुभव को और भी खास बना दिया – जैकी श्रॉफ की अप्रत्याशित एंट्री ने! कृष्णा श्रॉफ, उनकी सह-प्रतियोगी और खास मेहमान, सभी उस पल को हमेशा के लिए याद रखेंगे जब जैकी श्रॉफ अपने खास अंदाज़ में सेट पर आए। जैसे ही उन्होंने बेटी कृष्णा को गले लगाया, पूरा माहौल भावुक हो गया।

अपनी दिलकश मुस्कान और मस्तमौला अंदाज़ में जैकी श्रॉफ ने महिलाओं के साथ सहज बातचीत की, हंसी-मज़ाक किया और शो का जोश बढ़ा दिया। उनकी गर्मजोशी भरी मौजूदगी ने सबका दिल जीत लिया। उनके स्पष्ट और खुशमिजाज स्वभाव ने महिलाओं को सहज महसूस कराया, और उन्होंने हंसी-मजाक करते हुए सितारों से भरे इस पल का आनंद लिया।

मस्ती और उत्साह के अलावा, जैकी श्रॉफ ने पर्यावरण के प्रति अपनी चिंता भी व्यक्त की, जो उनके दिल के बेहद करीब है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे एक आधुनिक और विकसित भविष्य की ओर बढ़ते हुए धरती मां की भलाई के बारे में सोचें। अपने 'भिडू' अंदाज़ में, उन्होंने कहा, पेड़ काटने कुछ लोग आए मेरे गाँव में, धूप बहुत है कहकर बैठ गए उसी की छाँव में, उन्होंने आगे कहा कि हम सभी को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए क्या छोड़कर जा रहे हैं।

जैसे-जैसे शो अपने समापन के करीब पहुँच रहा है, कृष्णा श्रॉफ एक मजबूत दावेदार के रूप में उभर कर सामने आई हैं। चाहे वो टास्क में उनका शानदार प्रदर्शन हो, या ग्रामीणों से उनका सच्चा और आत्मीय जुड़ाव – कृष्णा ने हर स्तर पर खुद को साबित किया है। अपने संतुलित दृष्टिकोण, मेहनत और गांव की ज़िंदगी में पूरी तरह घुल-मिल जाने की काबिलियत के कारण, वह न सिर्फ ग्रामीणों बल्कि ऑनलाइन दर्शकों और शो के फैन्स की भी पसंदीदा बन चुकी हैं। यही वजह है कि वह विजेता बनने की प्रबल दावेदारों में से एक मानी जा रही हैं।

राइज एंड फॉल: भड़के नयनदीप ने धनश्री और अरबाज पर लगाया राजनीति करने का आरोप

शो में अल्टीमेट रूलर पिच के दौरान रूलर्स को अपने ऐसे कार्यकर्ता को चुनने को कहा गया जो आने वाली चुनौती में उनके लिए मददगार साबित हो। यहीं पर मुद्दे से भटकते हुए कंटेस्टेंट एक दूसरे से झगड़ने लगे।

इसकी शुरुआत आकृति ने की, जब उन्होंने नयनदीप से पूछा, आपने कहा था कि अगर मैं अर्जुन बिजलानी के साथ भी आती, तो आप मुझे सपोर्ट करते। किस आधार पर आपने ये बोला था?

नयनदीप ने जवाब दिया कि उस समय आकृति इसकी हकदार थीं क्योंकि उन्हें रूलर्स को एक महिला भी चाहिए थी और उनके पास 2.5 लाख रुपए थे। धनश्री और अरबाज पटेल को नयनदीप का ये तर्क सही नहीं लगा। वो बीच में ही उन्हें टोकने लगे और देखते-देखते बात आगे बढ़ गई। परेशान नयनदीप ने दोनों पर राजनीति करने का आरोप लगा डाला और कहा कि अरबाज पटेल को एक नेता होना चाहिए।

बातों ही बातों में नयनदीप ने धनश्री को चुप रहने के लिए भी कहा। हालांकि, बाद में उन्होंने दोनों से माफी मांगी और कहा कि उन्हें इस तरीके से बात नहीं करनी चाहिए थी। लेकिन नयनदीप ने यह भी कहा कि धनश्री, अरबाज और आदित्य तीनों मिलकर गेम खेल रहे हैं।

इस पर धनश्री ने पलटवार करते हुए कहा, आप मुझसे सिर्फ मेरी समस्या के बारे में बात करो, अरबाज और आदित्य की नहीं। इस दौरान धनश्री की आंखों में आंसू भी दिखाई दिए।

बता दें कि इस शो में कंटेस्टेंट्स को 'रूलर्स' और 'वर्कर्स' के रूप में विभाजित किया गया है। शो में फिलहाल बाली, अहाना कुमरा, कुब्रा सैत, अनाया बांगर, आरुष भोला और आकृति नेगी वर्कर्स के रूप में दिख रहे हैं, जबकि अर्जुन बिजलानी, धनश्री वर्मा, आदित्य नारायण, अहाना कुमरा, कीकू शारदा, नयनदीप रक्षित और अरबाज पटेल रूलर बने हुए हैं।

परफेक्ट गाने पर थिरकती नजर आई शिवांगी

छोटे पर्दे की चर्चित अभिनेत्री शिवांगी जोशी अक्सर सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने एक शानदार डांस वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह जाह्नवी कपूर और वरुण धवन के नए गाने परफेक्ट पर थिरकती नजर आ रही हैं। यह गाना आगामी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का है, जो रिलीज से पहले ही सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है।

वीडियो में उनकी स्टाइल, आत्मविश्वास और ग्रेसफुल मूव्स गाने की खूबसूरती को और निखार रहे हैं। उनके चेहरे के भाव और बोल्ड डांस स्टेप्स दर्शकों को पसंद आ रहे हैं। इस वीडियो में उन्होंने डेनिम टॉप के साथ स्टाइलिश डेनिम पैचवर्क ट्राउजर पहना है, जो उनके लुक को और आकर्षक बना रहा है। हाफ-टाई हेयरस्टाइल ने उनके अंदाज में चार चांद लगा दिए। वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर शिवांगी ने कैप्शन में लिखा, परफेक्ट।

'परफेक्ट' गाना इन दिनों सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। इस गाने पर कई यूजर्स अपने डांस वीडियो शेयर कर रहे हैं। फैंस को शिवांगी का यह डांस काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर उनके डांस मूव्स की जमकर तारीफ कर रहे हैं। गाने की बात करें तो सॉन्ग 'परफेक्ट' फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का है। इस गाने को गुरु रंधावा ने लिखा है, और उनके साथ इसमें रॉनी अजनाली और गिल मछराई ने भी बोल और म्यूजिक कंपोजिशन में योगदान दिया है। दिलमान की म्यूजिक अरेंजमेंट और मिक्सिंग ने ट्रैक को एक शानदार प्रोफेशनल टच दिया है।

शिवांगी जोशी, जो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' जैसे धारावाहिकों से घर-घर में मशहूर हुईं, अपने सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं। उनका यह लेटेस्ट वीडियो एक बार फिर साबित करता है कि वह न सिर्फ एक्टिंग, बल्कि डांस

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद–विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। आपका प्यार, आपका जीवनसाथी आपको कोई ख़ूबसूरत तोहफ़ा दे सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। किसी धार्मिक स्थान पर जाएँ या किसी संत से मिलें, इससे आपके मन को शांति और सुकून मिलेगा। घर के कामों को पूरा करने के बाद गृहणियां आज के दिन फुर्सत में शापिंग का प्लान बन सकती है । आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं। फिजूलखर्ची से आप को जरुर बचना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा। आज आपका कोई सहकर्मी आपको सलाह दे सकता है, हालांकि आपको यह सलाह पसंद नहीं आएगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच–समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। दिन के अंत में आज आप अपने घर के लोगों को वक्त देना चाहेंगे लेकिन इस दौरान घर के किसी करीबी के साथ आपकी कहासुनी हो सकती है और आपका मूड खराब हो सकता है. वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी।अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आज आप ख़ुद को अपने प्रिय के प्यार से सराबोर महसूस करेंगे। इस लिहाज़ से आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो। पड़ोसियों से झगड़ा आपका मूड ख़राब कर सकता है। लेकिन अपना आपा न खोएँ, इससे सिर्फ़ आग और भड़केगी। अगर आप सहयोग न करें, तो कोई आपसे नहीं झगड़ सकता है। सबसे अच्छा रिश्ता बनाए रखने की कोशिश करें। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। अगर आप शाद–ीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। दोस्तों के साथ फ़ोन पर गपशप से बढ़िया और क्या हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं। आज घर पर रहेंगे लेकिन घर की उलझनें आपको परेशान कर सकती हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिता–कर आपको निराश कर सकते हैं। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

झगड़ालू स्वभाव को क़ाबू में रखें, नहीं तो रिश्तों में कभी न मिटने वाली खटास पैदा हो सकती है। ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। घर में और आस–पास छोटे–मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे।मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आज की शाम दोस्ती के नाम – कहीं बाहर आप अपने दोस्तों के साथ वक़्त का भरपूर लुत्फ़ उठा सकते हैं, लेकिन सेहत के लिहाज़ से ज़रा संभलकर रहें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। पारंपरिक रस्में या कोई पावन आयोजन घर पर किया जाना चाहिए। आज आपके पास लोगों से मिल–ने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। अगर आप अपने जीवनसाथी की छोटी–छोटी बातों को नज़रअन्दाज़ करेंगे, तो उन्हें बुरा लग सकता है। पिता या बड़ा भाई आज आपकी किसी गलती पर आपको डांट सकता है। उनकी बातों को समझने की कोशिश करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 सितंबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी दोपहर 12:05 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 01:08 तक
योग : प्रीति रात्रि 11:45 तक
करण : बालव दोपहर 12:05 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:08 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:12 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:04 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57,सूर्यास्त 05:59 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : हस्त में रवि प्रातः 07:07 से ,
गण्डमूल रात्रि 01:09 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दुनियाभर में राजस्थानी मिट्टी की खुशबू फैला रहे प्रवासी राजस्थानी : भजनलाल

जयपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी जहां भी जाते हैं वहां अपनी संस्कृति, विचार और राजस्थानी मिट्टी की खुशबू बिखेरते हैं। दुनियाभर में प्रवासी राजस्थानी अपने काम के साथ सामाजिक सरोकार के कार्यों में भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश में निवेश अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए अनेक अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से अपील करते हुए कहा कि राज्य में उपलब्ध असीमित अवसरों में निवेश कर वे प्रदेश के विकास में साझेदार बनें जिससे एक नए तथा विकसित राजस्थान का निर्माण हो।

शर्मा शुक्रवार को हैदराबाद में प्रवासी राजस्थानी मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले साल दिसंबर में राज्य सरकार द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान प्रतिवर्ष 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। इसी क्रम में इस साल 10 दिसंबर को जयपुर में प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रवासी राजस्थानियों को इस भव्य आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया। शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस की श्रृंखला की शुरूआत आज हैदराबाद से की गई है। आगे भी देश के विभिन्न हिस्सों में इस तरह की मीट आयोजित की जाएगी जिससे देश और दुनिया में मौजूद प्रवासी राजस्थानी समुदाय के साथ संबंधों को मजबूती मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस के दौरान शिक्षा, पर्यटन, उद्योग, स्वास्थ्य और जल संचयन जैसे क्षेत्रों के लिए विभिन्न सत्रों का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर साल प्रवासी राजस्थानी सम्मान देगी और विभिन्न अवसरों पर भी सराहनीय कार्य करने वाले प्रवासियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के व्यावसायिक और सामाजिक प्रयासों में सहयोग के लिए एक विशेष विभाग का गठन किया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान फाउंडेशन को सुदृढ़ किया है। इसके तहत पिछले एक साल में 14 नए चैप्टर खोले गए हैं तथा पूर्व के 12 चैप्टर्स में भी अध्यक्षों को मनोनीत कर सभी 26 चैप्टर्स को क्रियाशील किया गया है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के न्यूयॉर्क, लंदन, रियाद जैसे कई बड़े शहरों में राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर सुचारु रूप से चल रहे हैं और इनके जरिए प्रवासी समुदाय राज्य सरकार के साथ राजस्थान की विकास यात्रा के साझेदार बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के परिवारजन के लिए प्रदेश के हर जिले में सिंगल प्वॉइंट कॉन्टेक्ट बनाया गया है तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक जिले में अतिरिक्त जिला कलक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान आज विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। राइजिंग समिट के दौरान 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए। अब तक लगभग 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर भी चुके हैं। हम राजस्थान को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा राज्य देश में मौजूदा हाईवेज का तीसरा एवं रेलवे का पांचवां सबसे बड़ा नेटवर्क है। राजस्थान में सात प्रमुख हवाई अड्डे हैं और दिल्ली–मुंबई फ्रेट कॉरिडोर का सबसे बड़ा हिस्सा हमारे प्रदेश से गुजरता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश के अनुकूल माहौल बनाने के लिए 20 से ज्यादा नई नीतियां बनाई गई हैं। साथ ही, कई नए औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किए जा रहे हैं। पचपदरा के रिफाइनरी भी इसी वर्ष शुरू होने जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 1 हजार 232 निवेशकों को भूमि उपलब्ध करवाई गई है तथा 17 गीगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 34 हजार हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है जो निवेश को धरातल पर उतारने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है।

नगर निगम ग्रेटर की सभा में कांग्रेस पार्षदों का हंगामा

जयपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की 8वीं साधारण सभा की बैठक आज हंगामेदार रही। कांग्रेस के पार्षदों ने टेबल पर चढ़कर जोर–जोर से नारेबाजी की और एक पार्षद ने तो प्रस्ताव की प्रति ही फाड़ दी। बैठक दोपहर 12.15 बजे शुरू हुई। आज का मुख्य एजेंडा जीएसटी रिफॉर्म्स और वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा करना था। लेकिन कांग्रेस पार्षदों ने सदन में बोलने नहीं देने पर नाराज होकर हंगामा शुरू कर दिया।

विरोधी नेता राजीव चौधरी ने कहा कि जीएसटी पर चर्चा पार्क में की जाए, सदन में शहर के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए। भाजपा पार्षदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में नारेबाजी शुरू की। इसके बाद कांग्रेस पार्षदों ने 'मोदी के खिलाफ वोट चोर गद्दी छोड़' के नारे लगाए और हाथों में तख्तियां लेकर टेबलों पर चढ़ गए।

कांग्रेस पार्षद करण शर्मा इतने नाराज हुए कि उन्होंने प्रस्ताव की प्रति फाड़ दी और सदन से बाहर चले गए। इसके बाद मेयर सौम्या गुर्जर ने बैठक को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। बैठक में हंगामे और पारस्परिक आर–ोप–प्रत्यारोप के चलते आज कोई निर्णय नहीं हो सका।

हनीट्रैप और ब्लैकमेल का खुलासा

महवा पुलिस ने मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

दौसा, 26 सितंबर (एजेंसियां)। महवा थाना पुलिस ने हनीट्रैप व ब्लैकमेल की वारदात का पर्दाफाश कर हनीट्रेप करने वाले गिरोह की मुख्य आरोपी धर्मा मीणा को गिरफ्तार कर लिया। उसने चोलामंडल फाईनेंस कर्मचारी को बलात्कर के झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी देकर 5 हजार रुपये ऐंठ लिये तथा परिवादी को लगातार फोन कर डरा धमका कर 5 लाख रुपये की अवैध मांग कर रही थी।

थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार मीना ने बताया कि 11 सितंबर को गिरोह के आरोपी नरेन्द्र गुर्जर को गिरफ्तार किया गया था। गिरोह की मुख्य सरगना धर्मा मीणा को शुक्रवार को गिरफतार किया गया है। 11 को पीड़ित अमित कुमार पुत्र उदय सिंह जाट निवासी अरोदा जिला भरतपुर को आरोपियो ने बलात्कार के झूठे प्रकरण में फंसाने के नाम पर डरा धमका कर 5 हजार रुपये ऐंठ लिये व लगातार फोन करके डरा धमका कर 5 लाख रुपये की अवैध मांग कर रहे थे।

इस पर आरोपी नरेन्द्र गुर्जर को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त एक मोटर साइकिल को जब्त किया गया था। अब मुख्य सरगना धर्मा देवी पत्नी रामकेश मीणा निवासी कठहडा थाना गंज खेडली अलवर हाल निवासी शिव कॉलोनी महवा को गिरफतार किया गया है। इस प्रकार की घटना को अंजाम देने वाले गिरोह पर पुलिस टीम द्वारा सतत निगरानी जारी है।

ऑपरेशन चक्रव्यूह: धरियावद और देवगढ़ थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

जयपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत थाना धरियावद और थाना देवगढ़ पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर करीब 10 क्विंटल 73 किलो 25 ग्राम अवैध डोडाचूरा सहित परिवहन में प्रयुक्त ईसूजी लोडिंग वाहन भी जब्त किया गया। जब्त डोडाचूरा की बाजार कीमत करीब 1 करोड़ 60 लाख रुपये आंकी गई है।

यह बड़ी कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक बी आदित्य के निर्देशानुसार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक परबत सिंह व पुलिस उप अधीक्षक नानालाल के मार्गदर्शन में थाना धरियावद और थाना देवगढ़ की संयुक्त टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दी।

ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत शुक्रवार को धरियावद थानाधिकारी कमलचन्द मीणा मय जाप्ते के साथ जवाहर नगर चौराहे पर सघन नाकाबंदी कर रहे थे। इसी दौरान प्रतापगढ़ की तरफ से एक बिना नम्बरी ईसूजी लोडिंग वाहन आता दिखा, जिसके पीछे तिरपाल लगा हुआ था। पुलिस टीम को संदेह होने पर रुकने का इशारा करने पर चालक वाहन को रोकने के बजाय तेज गति से रोड साइड से होते हुए मुंगाणा रोड की तरफ भगा ले गया।

पुलिस टीम ने तुरंत एक्शन लेते हुए सरकारी वाहन से ईसूजी लोडिंग वाहन का पीछा शुरू किया। पीछा करने पर चालक ने कुछ दूर जाकर ईसूजी वाहन को रोड पर ही खड़ा कर दिया और वाहन में बैठे दोनों व्यक्ति खाई में कूदकर घने जंगल में भाग गए। पुलिस जाप्ते ने उनका काफी पीछा किया, लेकिन वे जंगल का फायदा उठाकर फरार होने में कामयाब रहे।

मौके पर पुलिस ने लोडिंग ईसूजी वाहन जब्त किया। पुलिस टीम ने तत्काल जब्त किए गए लोडिंग वाहन की तलाशी ली। वाहन के पीछे काले रंग के 49 कट्टे मिले। खोलने पर उनमें अवैध अफीम अधकुटा डोडाचुरा भरा पाया गया। जिसका कुल वजन 10 क्विंटल 73 किलो 25 ग्राम है, जिसकी अनुमानित कीमत ₹01 करोड़ 60 लाख रुपये आंकी गई है। डोडाचुरा और ईसूजी वाहन जब्त कर थाना धरियावद पर संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। मामले का अनुसंधान, आगे की कार्रवाई और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए जांच एसएचओ देवगढ़ महेन्द्र सिंह को सौंप दिया गया है। यह सफलता थानाधिकारी धरियावद कमल चन्द मीणा की अगुवाई में की गई। जिसमें थाना धरियावद, देवगढ़ और पारसोला थानों के 16 पुलिसकर्मी शामिल थे।

विधानसभा में बनने वाले प्रत्येक कानून सामाजिक न्याय : सैनी

चंडीगढ़, 26 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विधायी ड्राफ्टिंग केवल तकनीकी अभ्यास नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक सशक्त, प्रभावी और जनता के करीब लाने का एक माध्यम है। अच्छे और स्पष्ट कानून ही किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था की असली ताकत होते हैं। साथ ही, यह भी आवश्यक है कि ड्राफ्ट बनाते समय भविष्य की चुनौतियों और तकनीकी बदलावों का ध्यान भी रखा जाए। मुख्यमंत्री आज हरियाणा विधानसभा द्वारा लोकसभा की संविधान एवं संसदीय अध्ययन संस्थान के सहयोग से चंडीगढ़ सेक्टर–26 स्थित महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान में विधायी प्रारूपण एवं क्षमता संवर्धन विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रहे थे।

कार्यशाला का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर फरीद, हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा उपस्थित रहे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक सशक्त लोकतांत्रिक परंपरा को और अधिक सरल, जीवंत तथा वर्तमान समय की मांग के अनुरूप बनाने का प्रयास है।उन्होंने कहा कि भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसकी सफलता केवल चुनावी प्रक्रिया पर नहीं टिकी है, बल्कि इस बात पर निर्भर करती है कि हमारे कानून कितने प्रभावी, स्पष्ट और जन हितैषी हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ उसकी विधायिका होती है और विधायिका की वास्तविक ताकत उसके द्वारा बनाए गए कानूनों में निहित होती है।

हरियाणा में बाढ़ प्रभावितों को पंजाब मॉडल के मुताबिक मुआवजा देने की मांग

यमुनानगर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी, जिला यमुनानगर ने मुख्यमंत्री हरियाणा, नायब सिंह सैनी को एक महत्वपूर्ण ज्ञापन जिलाधीश यमुनानगर के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में वर्ष 2025 के भीषण मानसून में यमुनानगर जिले में आई बाढ़ से प्रभावित किसानों और ग्रामीण परिवारों के लिए पंजाब सरकार की तर्ज पर मुआवजा राशि देने की मांग की गई है।

ज्ञापन में बताया गया कि इस प्राकृतिक आपदा ने फसलों, घरों और पशुधन को व्यापक क्षति पहुंचाई है। जबकि राज्य सरकार द्वारा घोषित मुआवजा पैकेज सराहनीय प्रयास है, आम आदमी पार्टी का कहना है कि यह बाढ़ पीड़ितों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है।

कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियों और सीमाओं का स्पष्ट विभाजन आज भी हमारे लिए मार्गदर्शक: ओम बिरला

चंडीगढ़, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज कहा कि लोकतंत्र की असली शक्ति जनता के विश्वास में निहित होती है और यह विश्वास तभी मजबूत होता है जब विधानसभाएँ और संसद पारदर्शी, व्यवस्थित और उत्तरदायी ढंग से कार्य करें। बिरला यहां महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान में हरियाणा विधानसभा और इंस्टीट्यूट ऑफ कंस्टीटूशनल एण्ड पार्लियामेंटरी स्टडीज (आईसीपीएस) के सहयोग से आयोजित विधायी प्रारूपण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान ये विचार व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि कानून का मूल ड्राफ्ट बनाते समय कभी भी ग्रे एरिया नहीं छोड़ना चाहिए, यदि कानून की ड्राफ्टिंग में ग्रे एरिया होगा तो न्यायपालिका के हस्तक्षेप की गुंजाइश बढ़ जाएगी। जब लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग स्पष्ट और सरल हो, तथा उसमें कोई ग्रे एरिया नहीं होगा तो न्यायिक समीक्षा करते समय अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं होगा । लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे संविधान के तहत विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका के बीच शक्तियों का स्पष्ट विभाजन किया गया है। लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग के सूक्ष्म बिंदुओं पर ध्यान आकर्षित करते हुए श्री बिरला ने कहा कि ड्राफ्टिंग में विराम, पूर्णविराम, अर्धविराम का भी उतना ही ध्यान रखना चाहिए; जितना भाषा का ध्यान रखना है; ड्राफ्टिंग जनता के लिए सहज और सरल हो। लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि विधायी प्रारूपण केवल तकनीकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा है। जब विधेयक और कानून संविधानिक मूल्यों तथा जनता की आकांक्षाओं का स्पष्ट और सटीक रूप से प्रतिबिंबन करते हैं, तभी लोकतांत्रिक व्यवस्था अपने उद्देश्य की पूर्ति कर पाती है।

श्री बिरला ने आगे कहा कि स्पष्ट और सरल विधायी भाषा प्रभावी कानूनों की आधारशिला है। इस दृष्टि से इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत उपयोगी हैं क्योंकि ये अधिकारियों और कर्मचारियों को न केवल विधायी प्रक्रियाओं की जटिलताओं से परिचित कराते हैं, बल्कि उन्हें ऐसी विधायी भाषा और प्रारूप विकसित करने में सक्षम बनाते हैं, जो न्यायपूर्ण हो, पारदर्शी हो और समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए सुलभ हो। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल अधिकारियों की क्षमता को बढ़ाते हैं बल्कि विधायी संस्थाओं की गरिमा और प्रभावशीलता को भी सुदृढ़ करते हैं। श्री बिरला ने जोर देते हुए कहा कि कानून का प्रारूप जब सदन में आए तो उस पर जितनी विस्तृत चर्चा होगी, उतना वह कानून जनानुकूल बन सकेगा। और यदि लेजिसलेटिव ड्राफ्टिंग अच्छी होगी तो विचारधारा के आधार पर सहमति व असहमति हो सकती है; लेकिन कानून की भाषा पर आपत्ति नहीं होगी। हरियाणा के संदर्भ में लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि यह राज्य न केवल कृषि, खेल और उद्योग में अग्रणी रहा है, बल्कि लोकतांत्रिक परंपराओं को भी मजबूत करने में इसकी भूमिका सराहनीय रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि यहाँ के अधिकारी और कर्मचारी इस प्रशिक्षण के माध्यम से विधायी प्रारूपण की बारीकियों में पारंगत होकर ऐसी नीतियाँ और कानून तैयार करने में सहायक होंगे, जिनसे जनता की अपेक्षाओं की पूर्ति हो सके। यह कार्यक्रम गृह मंत्रालय के तत्वावधान में चल रहे राष्ट्रीय विधायी प्रारूपण कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसकी शुरुआत वर्ष 2023 में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा की गई थी। इस श्रृंखला के अंतर्गत इससे पहले गांधीनगर, लखनऊ, शिमला, रांची, जबलपुर और पटना जैसे शहरों में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। यह दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हरियाणा विधानसभा और हरियाणा सरकार के लगभग 400 अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया है।

बिहार चुनाव : ओवैसी की न्याय यात्रा पर गिरिराज सिंह का बड़ा हमला

गजवा-ए-हिंद बनाने की कोशिश का आरोप

बेगूसराय (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी इन दिनों सीमांचल क्षेत्र में अपनी न्याय यात्रा' के माध्यम से मुस्लिम मतदाताओं को साधने में लगे हुए हैं, जिससे राज्य में मुस्लिम वोटों के लिए खींचतान शुरू हो गई है। ओवैसी की इस सक्रियता पर केंद्रीय मंत्री और बिहार से भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने कड़ा प्रहार किया है। गिरिराज सिंह ने ओवैसी पर देश को विभाजित करने और मुसलमानों को भड़काने की कोशिश का आरोप लगाते हुए एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि ओवैसी राज्य में मुसलमानों को भड़काकर 'गजवा-ए-हिंद' बनाना चाहते हैं, जिससे बिहार की राजनीति में तापमान काफी बढ़ गया है।

गिरिराज सिंह ने ओवैसी के अभियान पर तीखा निशाना साधते हुए उन्हें मुसलमानों का नेता बताया, जो उन्हें भड़काने का काम करते हैं। गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया, 'वो मुसलमानों के नेता हैं।

वो उन्हें भड़काते हैं। वो और कांग्रेस गृहयुद्ध चाहते हैं, और कुछ नहीं।' उन्होंने ये भी कहा कि ओवैसी 'गजवा-ए-हिंद' के समर्थक हैं और देश को बांटना चाहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। गिरिराज सिंह ने एक विवादास्पद बयान देते हुए कहा, 'हमारे पूर्वजों ने गलती की थी। अगर उन्होंने 1948 में ओवैसी जैसे लोगों को पाकिस्तान भेज दिया होता और हिंदुओं को यहां लाया होता, तो वो भारत में पैदा ही नहीं होते।'

बिहार की राजनीति में ओवैसी का मुख्य ध्यान सीमांचल क्षेत्र पर है, जहां मुस्लिम मतदाता काफी संख्या में हैं। 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में अखचखच ने इस क्षेत्र से पांच सीटें जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। हालांकि, पार्टी को बाद में बड़ा झटका लगा जब उसके चार विधायक राजद में शामिल हो गए, जिससे अब एआईएमआईएम के पास केवल एक विधायक बचा है।

अपनी वर्तमान यात्रा में ओवैसी शुक्रवार को पूर्णिया में एंट्री ले रहे। जिसमें डगरुआ और बैसी से गुजरते हुए अमौर निर्वाचन क्षेत्र तक पहुंचना शामिल है। वो वहां एक जनसभा को संबोधित करेंगे और 27 सितंबर को उनकी यात्रा कटिहार में प्रवेश करेगी।

बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों के लिए इस साल अक्टूबर-नवंबर में चुनाव होने हैं, हालांकि चुनाव आयोग द्वारा अभी तारीखों की घोषणा की जानी बाकी है। राज्य में पिछले चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2020 में हुए थे। तब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने सरकार बनाई थी, जिसमें नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने।

हालांकि, बिहार ने तब से कई राजनीतिक बदलाव देखे हैं। अगस्त 2022 में जदयू ने एनडीए से नाता तोड़कर राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के साथ सरकार बनाई, और फिर जनवरी 2024 में जदयू ने महागठबंधन से नाता तोड़कर वापस भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ सरकार बना ली। आगामी चुनाव इन बदले हुए गठबंधनों के बैकग्राउंड में होने जा रहा है।

महिलाओं को बड़ी सौगात

58,000 खातों में पहुंचे 10-10 हजार, बढ़ाया रोजगार और आत्मनिर्भरता की ओर कदम

शिवहर (एजेंसियां)। शिवहर जिले के लिए शुक्रवार का दिन ऐतिहासिक रहा। स्थानीय गांधीनगर भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत जिले की 58,000 महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपये की राशि का सीधा अंतरण किया गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री विजय कुमार सिन्हा सहित कई नेता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। प्रभारी मंत्री मोतीलाल प्रसाद ने कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं को आर्थिक मजबूती देने और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा कि जिले की महिलाएं इस सहायता राशि से अपने पसंदीदा रोजगार की शुरुआत कर सकेंगी। जिला पदाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय ने जानकारी दी कि योजना के अंतर्गत प्रत्येक परिवार की एक महिला को 10,000 रुपये की प्रारंभिक सहायता दी जा रही है। आगे रोजगार के विस्तार पर आकलन कर दो लाख रुपये तक अतिरिक्त वित्तीय मदद उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही, प्रशिक्षण और उत्पाद की बिक्री के लिए ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक बाजार विकसित करने की व्यवस्था भी होगी। डीएम ने स्पष्ट किया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को रोजगार और उद्यमिता से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। जीविका और स्वयं सहायता समूहों की सक्रिय भूमिका से महिलाओं के उद्यम को नई दिशा मिलेगी और शिवहर जिला आर्थिक रूप से सशक्त होगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर उप विकास आयुक्त ब्रजेश कुमार, एडीएम मेधावी, एसडीएम अविनाश कुणाल, डीपीआरओ अनुराग कुमार रवि, डीपीएम अभिनव प्रिये सहित बड़ी संख्या में जीविका दीदी और स्वयं सहायता समूह की महिलाएं मौजूद रहीं।

ब्रह्मर्षि सेना के पूर्व जिला अध्यक्ष गणेश शर्मा की गोली मारकर हत्या, गांव में तनाव

सीतामढ़ी (एजेंसियां)। सीतामढ़ी जिले में अपराध का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार की अहले सुबह डुमरा थाना क्षेत्र के लगमा गांव में ब्रह्मर्षि सेना के पूर्व जिला अध्यक्ष गणेश शर्मा उर्फ मनोहर शर्मा की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जाता है कि अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाकर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि गणेश शर्मा ने पहले ही सुरक्षा की मांग की थी, लेकिन पुलिस प्रशासन ने इस पर ध्यान नहीं दिया। लोगों ने पुलिस पर लापरवाही और निकम्मेपन का आरोप लगाते हुए कहा कि इसी वजह से यह बड़ी वारदात संभव हो सकी।

घटना की सूचना मिलते ही डुमरा डीएसपी समेत भारी संख्या में पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा। लेकिन आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों को खदेड़ दिया। यही नहीं, मौके पर मौजूद मीडिया कर्मियों के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। लोगों ने कैमरे बंद करवा दिए और कवरेज रोकने की कोशिश की। फिलहाल गांव का माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है और भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। यह घटना एक बार फिर जिले की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ा करती है।

पटना में प्रियंका गांधी ने 2000 महिलाओं से किया संवाद, कहा-

आपको नीतीश सरकार को हराना होगा

पटना (एजेंसियां)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री और सांसद प्रियंका गांधी दूसरी बार बिहार दौरे पर आ चुकी हैं। पटना के प्रदेश कांग्रेस कार्यालय सदाकत आश्रम में वह 2000 महिलाओं के संवाद किया। इन महिलाओं में मनरेगा मजदूर, जीविका दीदी, आंगनबाड़ी सेविकाएं, आशा वर्कर, वकील और डॉक्टर महिलाएं शामिल थी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने महिलाओं से अपील करते हुए कह कि इस चुनाव में आपको सीएम नीतीश कुमार और भाजपा की सरकार को हराना होगा। उन्होंने एनडीए सरकार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना पर भी हमला बोला।

प्रियंका गांधी ने कहा कि इस योजना को चुनावी लालच करार देते हुए सरकार की मंशा पर सवाल उठाया और कहा कि चुनाव से ठीक पहले इन्हें महिलाओं की याद क्यों आ गई? पिछले 20 साल से सरकार में कौन है? इन बीस साल में महिलाओं के लिए इन्होंने क्या किया? पिछले 20 साल तक नीतियां किसने बनाई? तो फिर पिछले 20 साल में आपको 10,000 रुपये क्यों नहीं दिए? सरकार ने यह भी नहीं बताया कि यह राशि हर महीने मिलेगी या नहीं। यह भी क्यों नहीं बताया कि अब आपकी कीमत सिर्फ 10,000 रुपये रह गई है?

प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि सरकार ने अभी तो राशि की घोषणा कर दी है, क्या ये राशि हर महीने दी जाएगी? किसको दी जाएगी?

क्या उन्होंने कुछ बताया है? या सिर्फ वोट के समय महिलाओं को पैसे का लालच देकर मतदान करवाना इनका मकसद है? यह सब महिला मतदाताओं को भ्रमित करने और लुभाने की एक साजिश है।

लेकिन, महिलाएं अब सब समझती हैं और अब झूठे वादों में नहीं आने वाली हैं। अपने संबोधन के बाद वह मोतिहारी के लिए रवाना हो गई। यहां अपनी पहली चुनावी सभा को संबोधित करेंगी।

पटना में संवाद के बाद प्रियंका गांधी शुक्रवार दोपहर मोतिहारी पहुंचेंगी। पुलिस लाइन में उनका हेलिकॉप्टर उतरेगा। वहां से वह बंद गाड़ी में गांधी मैदान स्थित सभा स्थल जाएंगी, जहां वे कांग्रेस की 'हर घर अधिकार रैली' को संबोधित करेंगी। इस रैली में 20 हजार से ज्यादा महिलाओं के शामिल होने का दावा किया गया है।

अखंड ज्योत दीप से घर में लगी आग एक ही परिवार के पांच सदस्य झुलसे

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में नवरात्र के दौरान अहले सुबह बड़ा हादसा हो गया। काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के मारीपुर रोड स्थित एक मकान के दूसरे तल्ले पर सो रहे एक ही परिवार के पांच सदस्य आग की चपेट में आ गए। इस घटना में सभी लोग घर में फंसे रहे और मदद के लिए चीखते-चिल्लाते रहे। उनकी आवाज पास की सड़क पर ड्यूटी कर रहे एक निजी गार्ड ने सुनी, जिसके बाद घटना की जानकारी लोगों और प्रशासन तक पहुंची।

सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग और पुलिस मौके पर पहुंची। दरवाजा तोड़कर सभी लोगों को बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि आग अखंड दीप से लगी थी। पहले आग एक कमरे में लगी और फिर फैलते हुए दूसरे कमरे तक पहुंच गई। धीरे-धीरे पूरी फ्लैट आग की लपटों में घिर गया।

आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत की और करीब एक घंटे बाद स्थिति नियंत्रित की। इस बीच सभी झुलसे हुए लोगों को इलाज के लिए एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज भेजा गया।

घटना में झुलसे लोगों की पहचान 60 वर्षीय गणेश प्रसाद गुप्ता, 40 वर्षीय सनी कुमार, 37 वर्षीय डोली कुमारी, 3 वर्षीय जुगनू कुमारी और 7 वर्षीय मान्या कुमारी के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि अहले सुबह जब परिवार के लोग सो रहे थे, तभी अचानक आग लग गई। सभी लोग अंदर फंसे हुए थे और आवाज दे रहे थे। सौभाग्य से बाहर ड्यूटी कर रहे गार्ड ने उनकी आवाज सुनी, वरना यह जानलेवा हादसे में फंस सकते थे। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ भी जुट गई।

जिला अग्निशमन विभाग के अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और घर में फंसे सभी पांच लोगों को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। आग दुर्गा पूजा के अखंड ज्योति से लगी थी और इसे नियंत्रित करने में करीब एक घंटे का समय लगा। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नकली क्राइम ब्रांच ऑफिसर बनकर बुजुर्ग से लाखों के जेवर छीने

पूर्णिया (एजेंसियां)। कटिहार जिले में ठगों ने फिल्मी अंदाज में बड़ी वारदात को अंजाम दिया। मामला सहायक थाना क्षेत्र के ललियाही हनुमान मंदिर के पास का है, जहां नकली क्राइम ब्रांच ऑफिसर बनकर ठगों ने रिटायर अधिकारी रमेश उपाध्याय से लाखों रुपये के जेवर ठग लिए। जानकारी के मुताबिक, रिटायर अधिकारी अपने बेटे की दुकान से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार एक शातिर युवक उनके पास पहुंचा और कहा कि ङ्गसाहब बुला रहे हैं।ङ्ख जैसे ही वृद्ध उसके साथ आगे बढ़े, दो और ठगों ने उन्हें घेर लिया।

ठगों ने कहानी गढ़ी कि इलाके में चाकूबाजी हुई है और माहौल बिगड़ा हुआ है, इसलिए जेवर उतारकर रुमाल में रख लीजिए ताकि सुरक्षित रहें। वृद्ध ने उन पर भरोसा करते हुए सोने की अंगूठी और चेन रुमाल में रख दी। लेकिन यहां बड़ा खेल हो गया। ठगों ने चुपके से रुमाल बदल लिया और फरार हो गए। जब पीड़ित ने रुमाल खोला तो उसमें सोना नहीं, बल्कि ईंट का टुकड़ा निकला। इस वारदात का पूरा मंजर आसपास के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया है।

पीड़ित रमेश उपाध्याय के अनुसार, ठगों ने करीब 5 लाख रुपये से ज्यादा के जेवर लूट लिए हैं।

मामले की पुष्टि करते हुए एसपी अभिजीत सिंह ने बताया कि पुलिस टीम आरोपियों की पहचान कर रही है और जल्द ही गिरफ्तारी कर गहनों की बरामदगी की जाएगी। वहीं समाजसेवी सत्यम समदर्शी ने कहा कि त्योहार के मौसम में ठगी गैंग ज्यादा सक्रिय हो जाती है। ऐसे में पुलिस को सतर्कता बढ़ानी चाहिए और आम लोगों को भी सजग रहना जरूरी है। अब सवाल उठ रहा है कि त्योहार के इस सीजन में कटिहारवासी खरीदारी करें या पहले ठगों से बचने की रणनीति बनाएं।

सड़क दुर्घटना में मुआवजा देने में बिहार देश में पहले स्थान पर, एडीजी ट्रैफिक ने दी जानकारी

पटना (एजेंसियां)। बिहार का सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए या मारे गए लोगों को मुआवजा देने में देश में पहला स्थान है। मोटर दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा देने की योजना के अंतर्गत गंभीर चोट लगने पर 50 हजार और मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये देने का प्रावधान है। इसके तहत जनरल इंश्योरेंस काउंसिल (जीआईसी) के पास हिट एंड रन से जुड़े 9 हजार 80 मामले अंतिम अनुमति के लिए भेजे गए हैं, ताकि इन्हें मुआवजा दिलाया जा सके। इसमें अब तक 5 हजार 830 मामलों में पीड़ितों को मुआवजा दिया गया है। यह जानकारी एडीजी (ट्रैफिक) सुधांशु कुमार ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी।

एडीजी ने कहा कि पिछले डेढ़ से दो साल में 1626 मामलों में 84 करोड़ 19 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है। सड़क दुर्घटना से जुड़े मामलों का समय पर निपटारा करने के लिए 10 जिलों पटना, सारण, पूर्णिया, गयाजी, डेहरी, सहरसा, मुंगेर, दरभंगा,

मुजफ्फरपुर और भागलपुर में एमएसीटी (मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण) का गठन किया गया है। इसमें 6 महीने, 9 महीने और अधिकतम 12 महीने में मामलों का निपटारा पूरा करने का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि आम लोगों को एमएसीटी के बारे में समुचित जानकारी होनी चाहिए। सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को मुआवजा दिलाने के लिए यह व्यवस्था की गई है। सड़क दुर्घटना दो श्रेणी की होती है। एक मामले में चालक का पता चल जाता है। दूसरे मामले में चालक का पता नहीं चलता है, इन मामलों को हिट एंड रन के तहत दर्ज किए जाते हैं। किसी दुर्घटना के मामले में थाना के स्तर पर फॉर्म-3 भरकर उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी पुलिस की है। इसके अलावा 90 दिनों में चार्जशीट दायर करने का नियम है, जिसे विस्तृत एक्शन रिपोर्ट कहते हैं। इसके अलावा अंतरिम दुर्घटना रिपोर्ट फॉर्म-5 में भरकर देने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि हीट एंड रन के मामले का राष्ट्रीय औसत 25 फीसदी है। जबकि, बिहार का औसत 25 फीसदी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लांट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com